Samvid® BOOKS

हिन्दी

0;kdj.k o ikB;iLrd

5

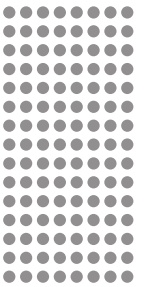

© Publishers

o/kfud prkouh

bl iLrd d fdlh Hkh v'k ;k Hkkx dh iu% iLrfr ;k ifrfyfi fdlh Hkh : i e vU;=k ugh dh tk ldrh gA idk'kd dh fyf[kr io vuefr d fcuk fd; x, , l fdlh Hkh dk; d fy, lcf/r 0;fDr o/kfud dk;okgh ;k okn d Hkkxhnkj gkxA lc rjg d o/kfud fookmnk dk fuiVkjk eFkjk U;k;ky; d {k=kkf/dkj d vUrxr gkxkA iLrd dk fy[kr le; ;|fi i.k lko/kuh j[kh x;h g] fiQj Hkh en.k e fdlh idkj dh =kfV d fy, idk'kd o end dh ftEenkjh ugh g A

हिन्दी–5

1. पुष्प की अभिलाषा

बोध प्रश्न

1.

शब्द	**अर्थ**
सुरबाला	सुंदरी
पथ	रास्ता, मार्ग
बिंध	गूँथना, पिरोना
शीश	सिर
सम्राट	राजा
शव	मृतक शरीर, लाश
इठलाना	इतराना

2. (क) देवों के सिर पर चढ़ने के बाद भी पुष्प अपने भाग्य पर इतराता नहीं है क्योंकि उसकी यह इच्छा नहीं है।
   (ख) पुष्प वनमाली से कह रहा है कि मुझे उस पथ पर फेंक देना जिस पर मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने वाले अनेक देश–भक्त गुजरते हैं।
   (ग) पुष्प मातृभूमि की रक्षा के लिए जाते हुए वीर सैनिकों के मार्ग में गिरकर (पड़े रहते हुए) अपनी राष्ट्रीय भावना को व्यक्त करना चाहता है।
   (घ) पुष्प ने सम्राटों के शव और देवों के सिर पर न चढ़ने की इच्छा व्यक्त की है।
3. (क) माखनलाल चतुर्वेदी।
   (ख) भाषा–भारती कक्षा–5
   (ग) पुष्प की अभिलाषा।
   (घ) देशप्रेम, त्याग और बलिदान की भावना का विकास करना।
4. हम पुष्प को सैनिकों के पथ पर ले जाना चाहते हैं।

भाषा अध्ययन

1. (1) सुरबाला – सुरबाला के गहने फूलों से गुँथे हैं।
   (2) सम्राट – अशोक एक महान सम्राट थे।
   (3) भाग्य – फूल देवताओं के सिर पर सजकर अपने भाग्य पर इठलाना नहीं चाहता है।
   (4) मातृभूमि – मैं अपनी मातृभूमि से बहुत प्यार करता हूँ।
   (5) गूँथना – फूलों को माला में गूँथना चाहिए।
   (6) शव – पुष्प शव पर नहीं चढ़ना चाहता।
2.

शब्द	**पर्यायवाची शब्द**
पानी	जल, नीर
बादल	मेघ, जलद
पृथ्वी	धरती, वसुधा
सूर्य	रवि, दिनकर
फूल	सुमन, कुसुम
चन्द्र	शशि, चन्द्रमा

3. सम्राट, मातृभूमि, गूँथा, वनमाली, पथ, शीश, सिर।
4.

संज्ञा	**क्रिया**
सुरबाला	गूँथा
पुष्प	चाहना
हरि	इठलाऊँ
देव	चढ़ूँ
वनमाली	ललचाऊँ

योग्यता विस्तार

1. देश के लिए अपना जीवन न्योछावर करने वाले वीर पुरुष–
   1. महात्मा गाँधी
   2. सुभाषचन्द्र बोस
   3. सरदार वल्लभभाई पटेल
   4. भगत सिंह
   5. दादा भाई नौरोजी
   6. बिपिन चन्द्र पाल
   7. लाला लाजपत राय
   8. राजा राम मोहन राय
   9. तांत्या टोपे
   10. बाल गंगाधर तिलक
   11. सुखदेव
   12. मंगल पांडे
   13. राम प्रसाद बिस्मिल
   14. चन्द्रशेखर आजाद आदि।

महिला वीरांगनाएँ—

1. रानी लक्ष्मीबाई 2. बेगम हज़रत महल
3. सरोजिनी नायडू 4. सावित्री बाई फुले
5. झलकारी बाई 6. अहिल्याबाई होलकर

2. छात्र स्वयं प्रयास करें। यथा—
वीर तुम मेरे बड़े महान,
तिरंगे की खातिर दे दी जान।
हमको है तुम पर अभिमान,
व्यर्थ न जाएगा यह बलिदान।

3. छात्र स्वयं प्रयास करें।
यथा- गुलाब, कमल, सूरजमुखी, गेंदा, चम्पा आदि।

4. छात्र अपने शिक्षक की सहायता से करें।

5. 1. पुष्प हमारे लिए प्रकृति से मिला एक अनमोल उपहार है।
2. पुष्प हमारे जीवन को रंगों तथा खुशबू से भर देता है।
3. प्रकृति की गोद में विभिन्न प्रकार के पुष्प प्रतिदिन खिलते हैं।
4. हर मौसम में हमें अलग-अलग तरह के पुष्प देखने को मिलते हैं।
5. पुष्प बहुत सुन्दर और मनमोहक होते हैं।
6. पुष्प जयमाला बनाने के लिए तथा देवताओं की पूजा में प्रयोग किया जाता है।
7. हर पुष्प की अपनी अलग खुशबू होती है।
8. गुलाब को पुष्पों का राजा कहा जाता है।

2. बुद्धि का फल

बोध प्रश्न

1.

शब्द	**अर्थ**
दूत	समाचार पहुँचाने वाला
हुक्म	आदेश
बंदोबस्त	व्यवस्था
भेंट कर देना	उपहार प्रदान कर देना
चकरा जाना	आश्चर्यचकित होना
उत्सुकता	जानने की इच्छा

2. (क) लंका के राजा का दूत अकबर के पास एक घड़ा भरकर बुद्धि लाने के लिए पहुँचा।
(ख) अकबर बादशाह ने बीरबल को लंका के राजा की बेतुकी माँग की पूर्ति हेतु युक्ति ढूँढ़ने के लिए बुलाया।
(ग) बीरबल ने मिट्टी के घड़े को एक कद्दू के फूल के ऊपर उलटा लटकवा दिया। कुछ सप्ताह के बाद कद्दू का फल घड़े के आकार जैसा बड़ा हो गया। इस प्रकार बीरबल ने बुद्धि का घड़ा तैयार किया।
(घ) बादशाह अकबर को बुद्धि का घड़ा देखने की उत्सुकता हुई।
(ङ) यदि बीरबल के स्थान पर हम होते तो निश्चित ही कुछ ऐसा सोचते जिससे कि तर्क के आधार पर ही यह सिद्ध किया जा सकता कि हमारे द्वारा प्रस्तुत घड़ा बुद्धि का घड़ा है।

3. (क) ताली (ख) हानि (ग) कद्दू के फल से (घ) तनिक।

भाषा अध्ययन

1. 1. **पीठ ठोकना** (शाबाशी देना)- कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर शिक्षक ने श्याम की पीठ ठोकी।
2. **मति मारी जाना** (बुद्धि खराब होना)- गीता पर गरीबी क्या आई, उसकी तो मति ही मारी गई।
3. **मुँह माँगा** (मनचाहा)- अकबर ने बीरबल से मुँह माँगा वर देने को कहा।
4. **चकरा जाना** (आश्चर्य में पड़ना)- गणित के सवाल को देखकर मेरा दिमाग चकरा गया।
5. **आँखें बिछाना** (प्रतीक्षा करना)- श्रीराम के स्वागत में सभी ने आँखें बिछा दीं।
6. **नौ दो ग्यारह होना** (भाग जाना)- पुलिस को देखकर चोर नौ दो ग्यारह हो गए।

2. (क) उत्सुकता (ख) बुद्धिमान
(ग) बादशाह (घ) प्रभावशाली
(ङ) आशीर्वाद

3.

'अ'	'ब'
जिसका अधिक प्रभाव हो	प्रभावशाली
जिसके पास बुद्धि हो	बुद्धिमान
सेवा करने वाला	सेवक
पूजा करने वाला	पुजारी
जो बहुत अधिक बोलता है	वाचाल

4. (अ) अकबर के दरबार में लंका के राजा का एक दूत पहुँचा।
   (आ) दूत की बात सुनकर बादशाह अकबर चकरा गए।
   (इ) नौकर ने मिट्टी के घड़ों की व्यवस्था की।
   (ई) तुमने अपनी जिम्मेदारी बड़ी कुशलतापूर्वक निभाई।

5.

घड़ा	– घट	काम	– कर्म
मुँह	– मुख	सूरज	– सूर्य
आग	– अग्नि	दिन	– दिवस
साँप	– सर्प	हाथ	– हस्त

6.

बन्दोबस्त	प्रबन्ध	खास	विशेष
हुक्म	आदेश	बादशाह	महाराज
मौजूद	विद्यमान	हाज़िर	उपस्थित
मजाक	उपहास	भरोसा	विश्वास
इनाम	पुरस्कार	कीमती	मूल्यवान
अक्ल	बुद्धि	नुकसान	हानि
खुद	स्वयं		
जिम्मेदारी	उत्तरदायित्व		
हुजूर	श्रीमान	जवाब	उत्तर
पेश	प्रस्तुत	शानदार	भव्य

7.

आकाश	–	नभ, गगन
घर	–	सदन, आलय
पानी	–	नीर, जल
दिन	–	वार, दिवस
फूल	–	सुमन, पुष्प

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र शिक्षक की सहायता से करें।
3. छात्र स्वयं करें। यथा–

अकबर– बीरबल! मैं बड़ी कशमकश में हूँ।
बीरबल– क्या महाराज ?
अकबर– शरीर कहता है व्यायाम छोड़ दूँ। आत्मा को जलेबी और समोसे पसंद हैं, क्या करूँ?
बीरबल– शरीर तो नश्वर है, आत्मा की बात मानिए।

3. पं. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर

बोध प्रश्न

1.

शब्द	अर्थ
उत्सव	त्योहार, पर्व
परिश्रम	मेहनत
हृदयंगम	मन में बिठाना
अतिरिक्त	अलावा
गृहणशीलता	सीखने या प्राप्त करने की क्षमता
जीविका	रोजगार, व्यवसाय, पेट भरने का साधन

2. (क) ईश्वरचन्द्र का जन्म 26 सितम्बर सन् 1820 को कोलकाता से बीस मील दूर वीरसिंह गाँव में हुआ था।
   (ख) ईश्वरचन्द्र अपने पिता के साथ कोलकाता 20 मील की लम्बी दूरी पैदल तय करके गए। रास्ते में पिता ने उन्हें शिक्षा की उपयोगिता एवं उसकी प्रगति के उपायों के बारे में बताया। पिता ने उन्हें रास्ते में पड़ने वाले मील के पत्थरों पर लिखे अंग्रेजी अंकों से भी परिचित कराया।
   (ग) पाठशाला में अंग्रेजी अंक न सीखने पर भी ईश्वरचन्द्र बिल इसलिए जोड़ पाए क्योंकि गाँव से कोलकाता आते समय उनके पिताजी ने उन्हें रास्ते में पड़ने वाले मील के पत्थरों पर लिखे अंग्रेजी के अंकों से परिचित करा दिया था।

(घ) ईश्वरचन्द्र हृदय से इतने उदार तथा दयालु थे कि अपनी छात्रवृत्तियों का अधिकांश भाग निर्धन छात्रों की सहायता में खर्च कर देते थे। वे वस्त्रहीनों को वस्त्र देते, गरीब छात्रों को शिक्षण शुल्क तथा पुस्तकें खरीद कर देते तथा कमजोर छात्रों को पढ़ाते थे। इस प्रकार वे यथासम्भव सबकी सहायता करते थे।

(ङ) वेदान्त तथा दर्शनशास्त्र की योग्यता प्रतियोगिता में प्रथम आने पर भारत के महान् विद्वानों ने एक सभा करके ईश्वरचन्द्र का अभिनन्दन किया और सर्वसम्मति से उन्हें 'विद्यासागर' की उपाधि प्रदान की। तब से वे ईश्वरचन्द्र विद्यासागर के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

(च) वेदान्त तथा दर्शनशास्त्र की योग्यता प्रतियोगिता में प्रथम आने पर ईश्वरचन्द्र को सैकड़ों रुपये के नकद पुरस्कार एवं प्रशंसा-पत्र प्राप्त हुए।

(छ) रास्ते के मील के पत्थरों से अंग्रेजी की गिनती सीखने वाली घटना ने हमें सबसे ज्यादा प्रभावित किया क्योंकि यह उन्होंने बिना किसी शिक्षक की सहायता से सीखी थी।

3. (क) ठाकुरदास (ख) आपत्ति, रात
(ग) अंग्रेजी (घ) कमजोर विद्यार्थियों
(ङ) प्रयास।

भाषा अध्ययन

1. **छात्रवृत्ति**- रहीम को विद्यालय से हर महीने छात्रवृत्ति मिलती है।

पश्चिम- भारत के पश्चिम में राजस्थान है।

प्रसिद्ध- ताजमहल एक विश्व प्रसिद्ध इमारत है।

श्रेणी- गीता ने कक्षा पाँच की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की।

प्रेरणा- हमें भगवद्गीता से प्रेरणा लेनी चाहिए।

उपलक्ष्य- राधा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में उसकी सहेलियों ने उसे उपहार दिये।

धैर्य- मनुष्य को विपत्ति में सदैव धैर्य रखना चाहिए।

2.

तद्भव	तत्सम
माह	मास
धीरज	धैर्य
पत्थर	पाषाण
घी	घृत
दूध	दुग्ध

3.

शब्द	पूर्वक (जोड़कर)
परिश्रम	परिश्रमपूर्वक
सरलता	सरलतापूर्वक
विश्वास	विश्वासपूर्वक
प्रेम	प्रेमपूर्वक
उदारता	उदारतापूर्वक

शब्द	नीय (जोड़कर)
उल्लेख	उल्लेखनीय
निन्द	निन्दनीय
गोप	गोपनीय
पूज	पूजनीय
पठ	पठनीय

4.

शब्द	विलोम शब्द
उन्नति	अवनति
सत्य	असत्य
शिक्षा	अशिक्षा
निर्धन	धनवान
आशा	निराशा
नया	पुराना
सरल	कठिन
मीठा	खट्टा

5.

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द
प्रगति	प्र	गति
परिश्रम	परि	श्रम
अभिशाप	अभि	शाप
पराजय	परा	जय
विज्ञान	वि	ज्ञान

6. **अनेकार्थी** - जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ निकलें।

   पर्यायवाची - जिन शब्दों के समान अर्थ हों।

   विलोम - एक-दूसरे के विपरीत अर्थ वाले शब्द।

   पुनरुक्ति - एक ही शब्द का दो बार आना।

   भिन्नार्थक- जो सुनने में एक जैसा हो, परन्तु उसके अर्थ भिन्न हों।

7. भूखे-प्यासे, पढ़-लिखकर, पिता-पुत्र, छोटा-सा, फटे-पुराने, शिक्षण-शुल्क, उन्नीस-बीस।

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें।
2. मैं ईश्वरचन्द्र विद्यासागर के दूसरों की सहायता करने के गुण को पसन्द करता हूँ क्योंकि ईश्वरचन्द्र स्वयं निर्धन होने के बावजूद दूसरों की भी पूरी सहायता किया करते थे। वह भूखों को भोजन, वस्त्रहीनों को वस्त्र, गरीब विद्यार्थियों को शिक्षण पुस्तकें तथा कमजोर विद्यार्थियों को पढ़ाया भी करते थे। मैं उनके इन्हीं गुणों को अपनाना चाहता हूँ।
3. छात्र स्वयं करें।

4. हम भी सीखें

बोध प्रश्न

1.

शब्द	**अर्थ**
हित	भलाई
तरु	पेड़
त्यागी	त्याग करने वाला
वाणी	भाषा, बोली
पथिक	राहगीर, राह चलने वाला
खुशबू	सुगंध
माया	मोह
पिछड़ा	कमजोर
अनपढ़	बिना पढ़ा-लिखा, अशिक्षित

2. (क) अनपढ़ व्यक्तियों के प्रति हमारा कर्त्तव्य है कि हम उन्हें पढ़ाएँ व शिक्षित करें।

   (ख) धरती से हमें विभिन्न प्रकार के खाद्यान्न प्राप्त होते हैं।

   (ग) पेड़ भरी दुपहरी में (तेज धूप में) राहगीरों को छाया प्रदान करते हैं। सुन्दर खुशबूदार फूल देते हैं तथा मीठे रसीले फल देते हैं। इस प्रकार पेड़ हमारी सेवा करते हैं।

   (घ) पिछड़े व्यक्तियों के प्रति हमारा कर्त्तव्य है कि हम उन्हें आगे बढ़ने में मदद करें।

   (ङ) देश को हम अपना सब कुछ देना चाहते हैं। देश के लिए हम अपनी जान भी न्योछावर कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारी मातृभूमि है।

   (च) देश हमें देता है 'सब कुछ' में कवि का 'सब कुछ' से आशय जीवन के लिए उपयोगी उन सभी वस्तुओं से है जिनके द्वारा हम खुशहाल एवं तनाव मुक्त जीवन व्यतीत करते हैं।

3. (क) रोशनी (ख) फल
   (ग) जीवन (घ) उजाला।
4. (क) हम ऐसा कुछ करना सीखें।
   (ख) नया उजाला करना सीखें।
   (ग) हम भी तो कुछ देना सीखें।

भाषा अध्ययन

1. (1) **मिट्टी** — राम ने मिट्टी के खिलौने बनाये।

   (2) **वाणी** — हमें अपनी वाणी में मधुरता रखनी चाहिए।

   (3) **पथिक** — पथिक जंगल के रास्ते शहर जा रहा है।

   (4) **रोशनी** — सूर्य उगते ही चारों ओर रोशनी फैल जाती है।

   (5) **अनपढ़** — मेरे गाँव में अधिकांश लोग अनपढ़ हैं।

   (6) **पिछड़ा** — मोहन के पड़ोसियों ने उन्नति कर ली, पर वह आज भी पिछड़ा हुआ है।

2. (क) लता (ख) भूधर
   (ग) वायुयान (घ) फल
   (ङ) रजनीपति।

3. (क) हमें देश को कुछ देना सीखना है।
(ख) हवा नया जीवन देती है।
(ग) धरती पर खेती होती है।
(घ) पेड़ छाया देता है।

4.

शब्द	विशेषण
नया जीवन	नया
जलती दुपहरी	जलती
खुशबूदार फूल	खुशबूदार
नए फल	नए
अनपढ़ बालक	अनपढ़
प्यासी मिट्टी	प्यासी
नया उजाला	नया
त्यागी तरु	त्यागी

5. हित — अहित प्रारम्भ — अंत
जीवन — मृत्यु प्रकाश — अंधकार
सुगन्ध — दुर्गंध नया — पुराना

6. (क) राम **खेतों** में पानी देता है।
(ख) **पेड़ों** की छाया शीतल होती है।
(ग) फूलों पर **तितलियाँ** बैठी हैं।
(घ) **फलों** को खराब होने से बचाना चाहिए।
(ङ) त्यागी **तरुओं** से कुछ सीख लेनी चाहिए।
(च) **अनपढ़ों** को शाला में पढ़ने भेजिए।

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें। यथा-

पृथ्वी से प्राप्त — अन्न, जल, औषधियाँ, फल-फूल, वस्त्र तथा आश्रय।

पहाड़ से प्राप्त — औषधीय पौधे, खनिज, पत्थर।

नदी से प्राप्त — पीने का पानी, कृषि के लिए पानी, बिजली पैदा करने के लिए पानी।

सूर्य से प्राप्त — विटामिन 'डी', ताप, प्रकाश।

वन से प्राप्त — जड़ी-बूटी के पौधे, शहद, गोंद, लकड़ी तथा चारा।

2. छात्र स्वयं करें। यथा-
बहुत दिनों से सोचा था,
थोड़ी धरती पाऊँ
उस धरती पर बाग-बगीचा,
जो हो सके लगाऊँ।

3. छात्र स्वयं करें।

4. छात्र, शिक्षक की सहायता से करें।

5. **1. जल ही जीवन है—**

जब भी जल की बात आती है, हमारे दिमाग में सबसे पहली बात यही आती है 'जल ही जीवन है।' हमारे शरीर की संरचना इस प्रकार हुई है जिसमें 70 प्रतिशत हिस्सा जल का है। दुनिया के हर जीव को जीवित रहने के लिए जल की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधों से लेकर जानवर तक हर जीव पानी की उपस्थिति के कारण मौजूद है।

2. वृक्ष को काटना विनाश की ओर अग्रसर होना है—

वृक्ष काटने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। पर्यावरण का सन्तुलन बिगड़ने के कारण ग्लोबल वार्मिंग की समस्या और अधिक पैदा होने लगी है। पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं जो हमारी प्राण वायु है। इसके अभाव में जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती ।

3. प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में पाँच वृक्ष अवश्य लगाने चाहिए—

प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम पाँच वृक्ष अवश्य लगाने चाहिए क्योंकि वृक्षों पर प्रकृति निर्भर करती है। वृक्ष लगाना प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन करना है और प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन ईश्वर की श्रेष्ठ आराधना है। एक पेड़ लगाने से असंख्य जीव-जन्तुओं के जीवन का उद्धार होता है और उसका अपार पुण्य सहजता से प्राप्त होता है। शास्त्रों में लिखा है कि एक वृक्ष लगाने से एक यज्ञ के बराबर पुण्य मिलता है।

5. ईदगाह

बोध प्रश्न

1.

शब्द	अर्थ
मनोहर	मन को हरने वाला, सुन्दर
प्रदीप्त	चमकना, प्रकाशित होना
सुहावना	अच्छा लगने वाला, सुखद
पृथक	अलग, भिन्न
कचोटना	कसकना, बुरा लगना
प्रगल्भ	निर्भीक, चतुर
विपन्नता	निर्धनता, गरीबी
जब्त	कब्जा
मशक	खाल का बना हुआ पानी भरने का थैला
नियामत	वरदान
सजदा	पूजा करना
बिरादरी	जाति
उपेक्षा	अवहेलना, नजरअंदाज
बेसमझ	बिना बुद्धि का
चेतना	होश-हवास
उपेक्षा	अवहेलना, नजरअंदाज

2. (क) ईदगाह में लगे मेले को देखने, चाट-पकौड़ी खाने, झूला झूलने, करतब-तमाशे देखने एवं खेल-खिलौने खरीदने की चाह के कारण बच्चों को ईदगाह जाने की जल्दी पड़ी थी।

(ख) ईदगाह पर नमाज के लिए सुन्दर व उचित व्यवस्था थी। चारों ओर खुशी का माहौल था। खेल-तमाशे, झूले-करतब, खिलौने, मिठाइयाँ इत्यादि दिखाये व बेचे जा रहे थे। दैनिक जरूरतों के समान की दुकानें भी लगी थीं।

(ग) ईदगाह के मेले में चारों तरफ रौनक थी। बड़ी संख्या में बच्चे, जवान और बूढ़े उपस्थित थे। नमाजियों के लिए सुन्दर व्यवस्था की गई थी। नमाज के बाद लोग आपस में गले मिलकर ईद की बधाइयाँ ले-दे रहे थे। चारों ओर तरह-तरह की दुकानें सजी थीं। कहीं मिठाइयाँ, सेवइयाँ, चाट-पकौड़ी बिक रही थीं तो कही खेल-खिलौने, दैनिक उपयोग की वस्तुएँ एवं कहीं पर झूले लगे थे, जिन पर बच्चे झूलकर खुश हो रहे थे। खेल-तमाशे वाले अपने खेल व करतब दिखा रहे थे। सभी लोग सुन्दर वस्त्र पहने हुए थे और खुश दिखाई पड़ रहे थे।

(घ) ईदगाह में मिठाई, चाट-पकौड़ी, खिलौने, दैनिक जरूरतों की वस्तुओं की दुकानें सजी थीं।

(ङ) नूरे का वकील काला चोगा, नीचे सफेद अचकन, अचकन के सामने की जेब में घड़ी, सुनहरी जंजीर, एक हाथ में कानून का पोथा लिए हुए था।

(च) हामिद के घर चिमटा नहीं था। उसकी दादी के हाथ तवे से रोटी उतारते समय अक्सर जल जाते थे। हामिद ने यह सोचकर चिमटा खरीदा कि उसकी दादी चिमटा पाकर प्रसन्न हो जायेगी और उसके हाथ नहीं जलेंगे।

(छ) हामिद की दादी चिमटा देखकर इसलिए नाराज हुई क्योंकि उसने दोपहर तक कुछ खाया नहीं था, बल्कि उन पैसों का चिमटा खरीद लिया था। दादी की नाराजगी वास्तविक नहीं थी। जब हामिद ने दादी को चिमटा लाने का कारण बताया तो दादी से रहा न गया और उसे गले लगाकर दुआएँ दे रही थी।

3.

(क)	मोहसिन	भिश्ती
(ख)	महमूद	सिपाही
(ग)	हामिद	चिमटा
(घ)	नूरे	वकील

(क) **वाक्य-प्रयोग — भिश्ती** की कमर झुकी हुई है, ऊपर मशक रखे हुए है।

(ख) **वाक्य-प्रयोग — वकील** काला चोगा, नीचे सफेद अचकन, अचकन के सामने की जेब में घड़ी, सुनहरी जंजीर, एक हाथ में कानूनी पोथा लिए हुए है।

(ग) **वाक्य-प्रयोग — चिमटा** लोहे का बना हुआ मजबूत तथा रसोई के लिए बहुत उपयोगी वस्तु है।

(घ) **वाक्य-प्रयोग — सिपाही** ने खाकी वर्दी तथा लाल पगड़ी पहनी है। उसके कन्धे पर बन्दूक है।

4. (क) रमजान (ख) सजदे (ग) भ्रातृत्व।

भाषा अध्ययन

1.

शब्द	**समानार्थी**	**शब्द**	**समानार्थी**
रोजा	उपवास	सलामत	कुशल
निगाह	दृष्टि	मिजाज	स्वभाव
तकदीर	भाग्य	खबर	समाचार
जहान	संसार	अजीब	विचित्र

2. (1) **मुँह चुराना** (नजर से बचना)— चोरी का इल्जाम लगने पर सोहन सबसे मुँह चुराता है।

(2) **उल्लू बनाना** (मूर्ख बनाना)— रमेश ने महेश को उल्लू बनाकर बीस हजार रुपए का फायदा उठा लिया।

(3) **बाल बाँका न होना** (नुकसान न पहुँचना)— भगवान जिसकी रक्षा करता है उसका बाल भी बाँका नहीं हो सकता।

(4) **सुरलोक सिधारना** (मृत्यु होना)— राम की दादीजी कल सुरलोक सिधार गयी।

(5) **गद्‌गद होना** (प्रसन्न होना)— अपने पुत्र को पुरस्कार मिलते देख माता-पिता खुशी से गद्‌गद हो गए।

3. खिलौना — खिलौने, खिलौनों
लड़का — लड़के, लड़कों
औरत — औरतें, औरतों
पैसा — पैसे, पैसों

4. (1) **विधानवाचक**— अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही है।

(2) **निषेधात्मक** — दादी के पास चिमटा नहीं है।

(3) **प्रश्नवाचक** — क्यों नहीं कुछ लेकर खाता?

(4) **विस्मयादिबोधक** — देखो न! एक-एक दुकान पर मनों होंगी।

(5) **आज्ञावाचक** — चटपट चूल्हे से आग निकालकर उसे दे दो।

(6) **इच्छाबोधक** — बच्चे को खुदा सलामत रखे।

(7) **संदेहबोधक** — दूसरों को खिलौने लेते देख इसका मन कितना ललचाया होगा?

(8) **संकेतवाचक** — रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद ईद आई है।

5.

	विशेषण	**विशेष्य**
दुबला-पतला लड़का	दुबला-पतला	लड़का
सुहावना प्रभात	सुहावना	प्रभात
पुरानी-धुरानी टोपी	पुरानी-धुरानी	टोपी
भड़कीले वस्त्र	भड़कीले	वस्त्र
पक्का फर्श	पक्का	फर्श
सुंदर खिलौने	सुंदर	खिलौने
अच्छा डाक्टर	अच्छा	डाक्टर
बेसमझ लड़का	बेसमझ	लड़का

2. बार-बार, क्या-क्या, अच्छी-अच्छी, अपने-अपने, लौटते-लौटते, धीरे-धीरे, एक- एक, तरह-तरह, दो-दो, चूर-चूर, पहुँचते- पहुँचते, एक-एक, ठीक-ठीक, बड़ी-बड़ी।

6. पन्ना का त्याग

बोध प्रश्न

1. **शब्द** **अर्थ**

ज्वाला – अग्नि की लपट (क्रोध की आग)।
शय्या – बिस्तर
मही – धरती, वसुन्धरा
कपटी – षड़यन्त्रकारी
पाषाण – पत्थर
कातर – भयभीत, डरा हुआ
विचित्र – अनोखा
शोणित – खून, रक्त, लहू, रुधिर
छौने – मासूम, निरीह बालक
अविरल – लगातार, बिना रुके हुए
मृगी – हिरनी
अविचल – दृढ़, अडिग
कौंध – चमक
चीत्कार – डर या भय की चिल्लाहट
हाहाकार – भय या आतंक की चिल्लाहट

2. (क) मेवाड़ के राजकुमार उदयसिंह की हत्या करने के उद्देश्य से बनवीर तलवार लेकर महल में गया था।

(ख) पन्ना ने अपने बेटे चन्दन को उदय सिंह की शैय्या पर सुला दिया और उदय सिंह को कीरत की टोकरी में छुपाकर महल से बाहर भेज दिया। इस प्रकार पन्ना ने उदयसिंह की रक्षा की।

(ग) कीरत उदयसिंह को अपनी टोकरी में पत्तल-दोनों के बीच में छुपाकर महल से बाहर ले गया। इस प्रकार उसने उदयसिंह को बचाने में सहायता की।

(घ) चन्दन की हत्या बनवीर ने की।

(ङ) पन्ना अपनी स्वामि-भक्ति, त्याग और बलिदान के लिए प्रसिद्ध है।

3. (क) बादल में बिजली कौंध गई था एक विचित्र विचार जगा।

(ख) चंदन को उदय बना डालूँ तो रक्त प्यास बुझ सकती है।

(ग) बहते थे आँसू लगातार माँ का ममत्व चीत्कार उठा।

(घ) पाषाण बन गई थी ममता चन्दन सपनों में खोया था।

(ङ) इतने में हाहाकार मचा यमराज आ गया महलों में।

(च) इतिहास सदा दोहराएगा स्वामी भक्ति का यह पन्ना।

4. (क) लेटे थे उदयसिंह चंदन,
पन्ना की ममता छाया में।

(ख) बनवीर जा रहा महलों में,
था जाने क्या होने वाला।

(ग) पत्तल दोनों के बीच छिपा,
महलों से कीरत निकल चला।

(घ) एक मृगी ने छौने को,
सिंह के हाथों सौंप दिया।

(ङ) मेवाड़ी सूरज रक्षा हित,
मृत पड़ा सामने छौना था।

(च) मानो आ स्वयं विधाता ने,
सारे नक्षत्र बदल डाले।

भाषा अध्ययन

1. छात्र स्वयं करें।

2.

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
पयास	प्यास	करज	कर्ज
जवार	ज्वार	परबत	पर्वत
वसतार	बिस्तर	चीतकर	चीत्कार

3.

शब्द	तुक वाले शब्द
भाँप	काँप
झपटी	कपटी
मलती	जलती
अस्त्र	शस्त्र
दमक	धमक
झपक	लपक

4.

शब्द	पर्यायवाची शब्द
रक्त	खून, लहू
मही	धरती, पृथ्वी
महल	राजमहल, राजभवन

पर्वत	पहाड़, गिरि
पाषाण	पत्थर, शिला
वस्त्र	कपड़ा, वसन

5.

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
धरती	आकाश	महल	झोपड़ी
विश्वास	अविश्वास	मृत	जीवित
जागना	सोना		

6. (1) एक दिशा, जवाब

उदाहरण—भारत के उत्तर में हिमालय है।

छात्र ने प्रश्न का उत्तर लिखा।

(2) काल— समय, मौत

उदाहरण—प्राचीन काल में भारत अत्यन्त समृद्ध था।

भगवान कृष्ण कंस का काल बनकर आए।

(3) आम— साधारण, एक फल

उदाहरण—मोटर चलाना आम बात है।

यह बहुत मीठा आम है।

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें।
2. पन्नाधाय त्याग और बलिदान की वजह से विश्वभर में प्रसिद्ध है। एक ऐसी माता जिसने अपने पुत्र को मरने के लिए दुश्मन के पास छोड़ दिया, मगर स्वामिभक्ति को आँच नहीं आने दी। माँ पन्नाधाय के पुत्र के बलिदान की कहानी पढ़कर आपकी आँखें नम हो जाएँगी।
3. छात्र, शिक्षक की सहायता से करें।

7. दशहरा

बोध प्रश्न

1.

शब्द		अर्थ
अखाड़ा	–	कुश्ती का मैदान, शस्त्र प्रशिक्षण केन्द्र
परिधान	–	पोशाक, पहनने के वस्त्र, कपड़े
मनोरम	–	सुन्दर
देशद्रोही	–	देश के विरुद्ध कार्य करने वाले, गद्दार
धूमधाम	–	बहुत अधिक तैयारी, तड़क-भड़क
ज्येष्ठ	–	बड़ा
प्रदर्शन	–	दिखाना
गरबानृत्य	–	गुजरात राज्य का एक लोक-नृत्य
प्रतिरूप	–	एक जैसा स्वरूप, मूर्ति
मलखम्भ	–	लकड़ी का एक विशेष प्रकार का खम्भा, जिस पर चढ़कर लोग करतब दिखाते हैं
संकल्प	–	दृढ़ निश्चय, प्रतिज्ञा
दुष्प्रवृत्ति	–	बुरी आदत
दहन	–	जलाना
दशहरा	–	विजयादशमी (हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार)

2. (क) दशहरे का मेला देखने दीपा, दिनेश और अनुश्री अपने पिता रघुनन्दन के साथ गए।

(ख) भारत में मैसूर (कर्नाटक), गुजरात, कुल्लू (हिमाचल प्रदेश), महाराष्ट्र, कोटा (राजस्थान) और जबलपुर (मध्यप्रदेश) जैसे स्थलों का दशहरा दर्शनीय होता है।

(ग) श्रीराम ने रावण से युद्ध करते समय धर्म, नीति की मर्यादा को नहीं लाँघा था इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है।

(घ) भगवान श्रीराम ने विजयादशमी के दिन अत्याचारी रावण का वध कर उसके आतंक से मुक्ति दिलाई थी। इसीलिए हर वर्ष इस दिन को विजयादशमी (दशहरा) के रूप में मनाया जाता है।

(ङ) माँ जगदम्बे ने महिषासुर, शुंभ-निशुंभ आदि राक्षसों का वध किया।

(च) मैसूर (कर्नाटक) का दशहरा विश्व प्रसिद्ध है। सजे हुए हाथी पर मैसूर के महाराजा की सवारी निकलती है। रंगीन आतिशबाजी होती है। पूरा शहर भव्य प्रतीत होता है। रावण, मेघनाद तथा कुम्भकर्ण के पुतले दहन किये जाते हैं।

(छ) क्रान्तिकारी रामप्रसाद 'बिस्मिल' ने दशहरे के महत्व के बारे में कहा था कि ''विजयादशमी साहस और संकल्प का महापर्व है, परन्तु इस ऊर्जा का प्रयोग जातिवाद, आतंकवादियों और देशद्रोहियों को नष्ट करने में होना चाहिए, न कि अपनों के प्रति।''

3. (क) विजयादशमी (ख) गरबा
(ग) शुम्भ-निशुम्भ (घ) मेघनाद
(ङ) लंका।

भाषा अध्ययन

1.

अशुद्ध	शुद्ध
उत्सूकता	उत्सुकता
पहाडी	पहाड़ी
छेत्र	क्षेत्र
राबन	रावण
दसहरा	दशहरा
करनाटक	कर्नाटक

2. परिधान, पहाड़ी।

3. 1. क्या दशहरा सभी स्थानों पर इसी प्रकार मनाया जाता है?
2. शायद रावण अधर्मी और अत्याचारी राजा था।

4. संयोग, आतंक, लंका।

5.

संज्ञा शब्द	विशेषण शब्द
घमण्ड	घमण्डी
भार	भारी
अत्याचार	अत्याचारी
गुलाब	गुलाबी
अन्याय	अन्यायी
धन	धनी
बनारस	बनारसी
विदेश	विदेशी

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र, शिक्षक की सहायता से करें।
3. छात्र स्वयं करें।
4. छात्र, पुस्तकालयाध्यक्ष की सहायता से करें।
5. हमारे यहाँ दशहरा बड़े उत्साह और धूम-धाम से मनाया जाता है। रामलीला में राम के जीवन की कहानी का एक भव्य नाटकीय अभिनय किया जाता है। रावण के पुतले अक्सर मेघनाद (रावण के पुत्र) और कुंभकर्ण (रावण का भाई) के पुतलों के साथ पटाखों से भरे जाते हैं और रात में खुले मैदान में इन पुतलों में आग लगा दी जाती है।

विविध प्रश्नावली

1. (क) सन्दर्भ एवं प्रसंग— पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'भाषा-भारती' के पाठ 'हम भी सीखें' से लिया गया है। इस पाठ के कवि गोपाल कृष्ण कोल हैं। इन पक्तियों में कवि पेड़ के माध्यम से त्याग के विषय में बता रहे हैं।

अर्थ— पेड़-पौधे अपने त्याग द्वारा दूसरों को सुख पहुँचाते हैं। उसी प्रकार हमको भी इन त्याग करने वाले पेड़-पौधों से परहितकारी जीवन जीना सीखना चाहिए।

(ख) सन्दर्भ एवं प्रसंग— प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'भाषा-भारती' के पाठ 'हम भी सीखें' से लिया गया है। इसके कवि गोपाल कृष्ण कोल हैं। इसमें कवि मनुष्य को मेहनत करने की सीख देते हुए कह रहे हैं।

अर्थ— हमें अपनी कठोर मेहनत के बल पर देश-समाज को एक नए प्रकाश से आलोकित करना सीखना चाहिए।

(ग) सन्दर्भ एवं प्रसंग— प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'भाषा भारती' के पाठ 'पन्ना का त्याग' से लिया गया है। इसमें पन्ना के त्याग का वर्णन है।

अर्थ— राजकुमार उदयसिंह के प्राणों की रक्षा में लीन पन्ना की नजर स्वयं के पुत्र चंदन पर जैसे ही पड़ी तो उसके मन में एक विचार आया कि यदि वह चंदन को उदयसिंह के स्थान पर सुला दे तो बनवीर चंदन को ही उदयसिंह समझकर अपनी खूनी तलवार की प्यास बुझा सकेगा और उदयसिंह बच जाएँगे। इस प्रकार मेवाड़ की धरती का दीपक हमेशा जलता रहेगा।

2.

किसने कहा	कथन	किससे कहा
हामिद ने	मेरा बहादुर चिमटा आग में, पानी में, आँधी में, तूफान में बराबर डटा खड़ा रहेगा।	अपने दोस्तों से
बीरबल ने	"इसमें रखा बुद्धि का फल भी तभी प्रभावशाली साबित होगा, जब इस बर्तन को कोई नुकसान न पहुँचे।"	लंका के दूत से

3. (क) (अ) पथिकों को जलती दुपहर में
पेड़ सदा देते हैं छाया।
(ब) बादल में बिजली कौंध गई,
था एक विचित्र विचार जगा।

(ख) (अ) रमजान के पूरे तीस **रोजों** के बाद ईद आयी है।
(ब) सूर्य से हमें **रोशनी** प्राप्त होती है।
(स) इसमें रखा गया बुद्धि का फल तभी **प्रभावशाली** साबित होगा।

4. (क) (आ) जीवन **(ख)** (अ) ठाकुरदास
(ग) (इ) चिमटा **(घ)** (आ) कद्दू।

5.(अ) हित - अहित विश्वास - अविश्वास
धरती - अंबर जागना - सोना
महल - झोंपड़ा उन्नति - अवनति
उठना - गिरना भलाई - बुराई
धनवान - निर्धन पृथ्वी - अंबर
प्रगति - अवनति।

(ब) तरु — पेड़, वृक्ष, विटप
फूल — सुमन, कुसुम, प्रसून
पर्वत — शैल, पहाड़, गिरि
सूरज — भानु, भास्कर, दिनकर
अंबर — आकाश, आसमान, गगन, नभ
धरती — पृथ्वी, भूमि, वसुधा।

6.(अ) आग - अग्नि
फूल - पुष्प
घर - गृह
पत्ता - पत्र

7. देशज शब्द—मायि, पाचर, आखर, आलस।
विदेशी (आगत शब्द)—साइकिल, बस, स्कूल, पेन।

(क) वेदान्त तथा दर्शनशास्त्र की योग्यता प्रतियोगिता में सर्वप्रथम आने पर भारत के महान विद्वानों ने एक सभा करके, ईश्वरचन्द्र का अभिनंदन किया तथा उन्हें सर्वसम्मति से 'विद्यासागर' की उपाधि प्रदान की। तब से वे ईश्वरचंद्र विद्यासागर कहलाए।

(ख) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर हृदय से इतने उदार तथा दयालु थे कि वे अपनी छात्रवृत्तियों का अधिकांश भाग निर्धन विद्यार्थियों की सहायता पर खर्च कर देते थे। वे वस्त्रहीनों को वस्त्र देते, गरीब विद्यार्थियों के शिक्षण शुल्क और पुस्तकों पर खर्च कर देते। वे कमजोर विद्यार्थियों को पढ़ाते। इस प्रकार यथासम्भव वे सबकी सहायता करते थे।

(ग) बीरबल ने मिट्टी के घड़े को एक कद्दू के फूल के ऊपर उल्टा लटकवा दिया। कुछ सप्ताह के बाद कद्दू का फल जब घड़े के आकार जैसा बड़ा हो गया, तो बीरबल ने उसे लंका के दूत को यह कहकर सौंप दिया कि यही बुद्धि का घड़ा है।

(घ) 'हम भी सीखें' पाठ से हमें प्रकृति के खुशबूदार फूल, मीठे फल, सूरज की रोशनी, खाद्यान्न आदि उत्पादकों का पता लगता है।

(ड) चिमटा देखते ही दादी आग-बबूला हो उठी, बोली कमबख्त ये क्या उठा लाया। तेरे पास तीन पैसे थे फिर तूने यह चिमटा क्यों खरीदा, किन्तु हामिद का जवाब सुनकर दादी का गुस्सा शान्त हो गया।

(च) पन्ना ने उदयसिंह की रक्षा के लिये अपने पुत्र चन्दन का बलिदान कर दिया था इसलिए पन्नाधाय का नाम स्वामिभक्ति के लिए प्रसिद्ध है।

(छ) दशहरे का त्योहार नौ दिनों तक चलने वाले शारदीय नवरात्रि के खत्म होने के अगले

दिन मनाया जाता है। इसे विजयदशमी भी कहते हैं। यह असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है इसलिए इसका विशेष महत्व है।

8. (अ) (1) बीरबल की चतुराई

बादशाह अकबर बीरबल की चतुराई की परीक्षा लेना चाहते थे इसलिए यह जानते हुए भी कि सेमार में कहीं भी हरे रंग का घोड़ा नहीं है, फिर भी वे बीरबल को हरे रंग का घोड़ा लाने के लिए एक सप्ताह का समय देते हैं। बीरबल बादशाह का आदेश स्वीकार कर घोड़े की तलाश में इधर-उधर घूमते हैं और आठवें दिन बादशाह से कहते हैं कि उन्होंने हरे रंग का घोड़ा खोज लिया है, लेकिन उस घोड़े को देखने के लिए बादशाह को उसके मालिक की दो शर्तें माननी पड़ेंगी। पहली शर्त यह है कि बादशाह को घोड़ा लेने स्वर्ग ही जाना पड़ेगा तथा दूसरी शर्त यह है कि घोड़े का रंग दूसरे घोड़ों से अलग है, उसे देखने का दिन भी अलग होना चाहिए यानी सप्ताह के सात दिनों के अलावा घोड़े को किसी भी दिन देख सकते हैं। इन शर्तों को सुनकर बादशाह निरुत्तर हो जाते हैं और इस प्रकार हरे घोड़े के सन्दर्भ में बीरबल अपनी चतुराई से बादशाह की परीक्षा में सफल हो जाते हैं।

(2) दशहरा

दशहरा (विजयदशमी) हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। अश्विन (क्वार) मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था तथा देवी दुर्गा ने नौ-रात्रि एवं दस दिन के युद्ध के उपरान्त महिषासुर पर विजय प्राप्त की थी। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है इसलिए इस दशमी को 'विजयादशमी' के नाम से जाना जाता है।

(ब) 1. **पर लगना** - इतराना।

वाक्य - सीता के बेटे की नौकरी लगते ही सीता के पर लग गए हैं।

2. **सिर मुड़ाते ओले पड़ना** - शुरू में ही विघ्न पड़ना।

वाक्य - जैसे ही उसने 12वीं में प्रवेश लिया वैसे ही पूरे देश में लॉक डाउन लग गया। इसे कहते हैं सिर मुड़ाते ओले पड़ना।

3. **बिजली कौंधना** - अचानक कोई विचार मन में आना।

वाक्य - पुलिस को देखते ही चोर के मन में बिजली सी कौंध गई।

4. **गद्‌गद होना** - बहुत अधिक प्रसन्न होना।

वाक्य - जब राम की माँ ने परीक्षा का परिणाम देखा तो उनका मन गद्‌गद हो गया।

9. (अ)

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द
निर्धन	निर्	धन
पराजय	परा	जय
परिश्रम	परि	श्रम
अभिशाप	अभि	शाप

(ख) सज्जनता, दयालुता, मानवता, महानता।

10. (अ)

	वाक्यांश	विशेषण	विशेष्य
(1)	दुबला पतला लड़का	दुबला पतला	लड़का
(2)	खुशबूदार फूल	खुशबूदार	फूल
(3)	प्यासी मिट्टी को पानी दो	प्यासी	मिट्टी
(4)	बालक अनपढ़ था	अनपढ़	बालक

(ब) (1) प्रश्नवाचक वाक्य- मोहन ने वहाँ क्या देखा?

(2) निषेधात्मक वाक्य- उसके साथ श्याम नहीं गया था?

(3) विस्मयबोधक वाक्य- अरे! तुमने अभी तक इन्दौर नहीं देखा।

11. (अ)

(1) पेड़ों की छाया शीतल होती है।

(2) राम खेतों में पानी देता है।

(3) अनपढ़ों को पढ़ने दो।

(4) बालक जाते हैं।

(ब) 1. कैसे रंग-बिरंगे फूल खिले हैं?

2. देखो! तालाब कितना सुन्दर है।

(स) (अ) स्वामी विवेकानन्द।

(ब) स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी, 1863 में हुआ था।

(स) स्वामी विवेकानन्द के गुरु का नाम रामकृष्ण परमहंस था।

(द) विश्वधर्म सम्मेलन शिकागो में हुआ था।

12. छात्र स्वयं करें या प्र0 न0 8 का अ बीरबल की चतुराई देखिए

13. सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करते हुए अपना तन-मन समर्पित कर देंगे।

8. छत्रपति शिवाजी

बोध प्रश्न

1. **शब्द** **अर्थ**

अधिष्ठात्री – प्रमुख देवी,
पौराणिक – पुराणों में वर्णित
ऐतिहासिक – इतिहास से सम्बन्धित
प्रौढ़ावस्था – 30 से 50 वर्ष तक की आयु
विश्वस्त – विश्वास के योग्य
परास्त – पराजित
प्रभुत्व – सत्ता, अधिकार
उल्लंघन – नियम के विरुद्ध कार्य करना
बगावत – विद्रोह, क्रांति
उज्ज्वल – उजला, पवित्र
षडयंत्र – धोखा देने की योजना, साजिश, ऐसे कार्य जो किसी को हानि पहुँचाने के उद्देश्य से गोपनीय ढंग से किये जायें
मनसबदार – एक छोटे भूखण्ड का स्वामी जो राजा या सम्राट के अधीन होता था

2. (क) शिवाजी का जन्म सन् 1627 में महाराष्ट्र स्थित शिवनेरी दुर्ग में हुआ था।

(ख) शिवाजी को युद्धकला की शिक्षा दादा कोंडदेव ने दी थी।

(ग) शिवाजी की माँ का नाम जीजाबाई था।

(घ) शिवाजी ने छापामार युद्ध प्रणाली का उपयोग किया था।

3. (क) महान वीरों की कहानियाँ सुनाकर माता ने शिवाजी में साहस, वीरता और देश-प्रेम के गुणों को विकसित किया।

(ख) शिवाजी को कोड़ाना दुर्ग पर विजय मिली, परन्तु इसमें तानाजी मालसुरे जैसा सिंह के समान साथी वीरगति को प्राप्त हुआ। उन्हीं की याद में कोड़ाना दुर्ग का नाम सिंहगढ़ रखा गया।

(ग) औरंगजेब के पहरे से बाहर निकलने के लिए शिवाजी ने बीमार होने का बहाना किया। फिर उन्होंने दान देने के लिए मिठाइयाँ और फल बँटवाना आरम्भ कर दिया। एक दिन मौका मिलते ही फलों की टोकरी में बैठकर औरंगजेब के पहरे से बाहर आ गये।

(घ) आनाजी सोनदेव ने कल्याण के सूबेदार को पराजित कर उसकी पुत्रवधू को शिवाजी के सामने उपस्थित किया। शिवाजी ने स्त्री जाति का सम्मान करते हुए पुत्रवधू की तुलना अपनी माँ से करते हुए उसे सम्मानपूर्वक कल्याण भिजवा दिया। इससे शिवाजी के उज्ज्वल चरित्र का पता चलता है।

(ङ) शिवाजी ने कल्याण के सूबेदार, अफजल खाँ, शाइस्ता खाँ जैसे सेनानायकों को परास्त किया था।

4. (क) छापामार (ख) भवानी
(ग) तानाजी (घ) अपनी माँ
(ङ) छत्रपति

5.

'अ'	'ब'
माताजी	जीजाबाई
गुरुजी	समर्थ रामदास जी
छत्रपति	शिवाजी
पिताजी	शाहजी भोंसले
पुत्र	शम्भाजी

भाषा अध्ययन

1. किसान — (ई) — किसानी

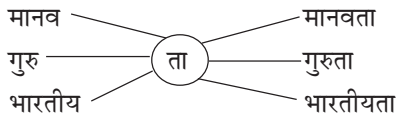

2. **खून खौलना** — झूठी बातें सुनते ही मेरा खून खौलने लगता है।

   छूमन्तर होना — जादूगर ने कबूतर को पलक झपकते ही दर्शकों की आँखों के सामने छूमन्तर कर दिया।

   छक्के छूटना — रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिये।

   दाँत खट्टे करना — भारतीयों ने स्वतन्त्रता संग्राम में अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिये।

3. 'शब्द' को 'ब्रह्म' कहा गया है। शब्दों का अध्ययन ब्रह्म उपासना है। शब्दों में बड़ी शक्ति है, जोड़ने की भी और तोड़ने की भी। कृष्ण के शब्दों ने अर्जुन को कर्मवीर और योगनिष्ठ बना दिया और द्रोपदी के शब्दों से महाभारत ठन गया।

4. **क्रिया शब्द**—सफाई करना, बाहर जाना, नाचना, रखना।

   सहायक क्रिया— रहे थे, है।

5. **खेलना** — राधा को खेलना पसंद है।

   रहना — मैं पिछले तीन सालों से इस घर में रह रहा हूँ।

   हँसना — तुम क्यों हँस रहे हो?

   गाना — गीता गाना गा रही है।

   उठना — राम कुर्सी से उठ रहा था।

9. रम्मो और कल्लो

बोध प्रश्न

1.

शब्द	**अर्थ**
फायदा	लाभ
गुजारे	जीवनयापन किया
निरादर	अपमान, बेइज्जती
स्तम्भित	आश्चर्यचकित
आश्वस्त	भरोसा देना

2. (क) रधिया की लड़कियों के नाम रम्मो और कल्लो हैं।

   (ख) रम्मो और कल्लो ने अपनी माँ के काम में हाथ बँटाने और उनके परिवार में लड़कियों को पढ़ाने का रिवाज न होने के कारण पढ़ाई-लिखाई नहीं की थी।

   (ग) बाबूजी दोनों बहनों को अपनी बेटियों की तरह मानते थे। वे उन्हें पढ़ा-लिखाकर शिक्षित कर अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए पढ़ाना चाहते थे।

   (घ) रधिया के समाज में कोई पढ़ा-लिखा नहीं था। वह सोचती थी कि लड़कियों को पढ़ा-लिखाकर पढ़े-लिखे लड़के शादी के लिए ढूँढ़ने होंगे और फिर उसके काम में कौन सहायता करेगा। यह सोचकर रधिया ने लड़कियों को नहीं पढ़ाया था।

   (ङ) लड़कियाँ सुबह माँ के साथ काम करतीं और बाबूजी उन्हें दोपहर को पढ़ाते थे। उनकी कॉपी-किताबों का खर्चा भी स्वयं बाबूजी उठाते थे और बदले में कुछ नहीं लेते थे। इस प्रकार बाबूजी ने लड़कियों को पढ़ाने-लिखाने में सहायता की।

   (च) रम्मो को उसके परीक्षाफल और कल्लो को परीक्षाफल एवं खेलों के प्रमाण-पत्र के आधार पर शिक्षक प्रशिक्षण संस्था में प्रवेश मिला।

   (छ) हम सुबह पढ़ाई समाप्त करके घर के कामों में माँ की मदद कर सकते हैं। शाम के समय माँ की साफ-सफाई में मदद कर सकते हैं। साथ ही बाजार से सामान ला सकते हैं।

   (ज) बाबूजी ने दोनों लड़कियों को शिक्षित कराया जिसे वे शिक्षिका बन सकीं।

इस प्रकार बाबूजी ने दोनों लड़कियों का जीवन बदल दिया।

3. (अ) बाबूजी ने रम्मो और कल्लो से।
   (ब) रधिया ने बाबूजी से।
4. (क) अपनापन
   (ख) रमावती, कलावती
   (ग) विद्यालय
   (घ) उत्तीर्ण

भाषा अध्ययन

1. फायदा — लाभ
   मतलब — अर्थ, मायने
   गुजारे — जीवनयापन किया
   जरूरत — आवश्यकता
   किताब — पुस्तक
   आंटी — चाची, मौसी
2. पढ़ाई-लिखाई, पढ़ना-लिखना, शादी-ब्याह, प्रमाण-पत्र, तीज-त्योहार।
3. 1. **आँखें फाड़कर देखना—**आश्चर्य से देखना।
   वाक्य प्रयोग— राधा के नए बस्ते को उसकी सहेली गीता आँखें फाड़कर देख रही थी।
   2. **काला अक्षर भैंस बराबर —** निरक्षर, अनपढ़।
   वाक्य प्रयोग—सोहन से इस प्रश्न का उत्तर क्या पूछना उसके लिए तो काला अक्षर भैंस बराबर है।
   3. **बाजी मारना—** जीत जाना।
   वाक्य प्रयोग— भारत ने इंग्लैण्ड को हराकर विश्वकप में बाजी मार ली।
   4. **फूले नहीं समाना—** प्रसन्न होना।
   वाक्य प्रयोग—राम की सफलता पर उसके पिता फूले नहीं समा रहे हैं।
4. (क) क्या तुम पढ़ना-लिखना चाहोगी?
   — प्रश्नवाचक वाक्य
   (ख) यही काम करना है।
   — साधारण वाक्य
   (ग) रविवार के दिन तुम दोनों मेरे पास आओ। — आज्ञावाचक वाक्य
   (घ) हम यह नहीं कर पाएँगे।
   — निषेधवाचक वाक्य
   (ङ) इन लड़कियों को पढ़ना चाहिए।
   — इच्छावाचक वाक्य
5.

एकवचन	**बहुवचन**
लड़की	लड़कियाँ
पाठशाला	पाठशालाएँ
सहेली	सहेलियाँ
कापी	कापियाँ
अध्यापिका	अध्यापिकाएँ
नौकरी	नौकरियाँ

6.

सकर्मक क्रिया	**अकर्मक क्रिया**
मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।	वह हँसता है।
वह पत्र लिखता है।	हम सोते हैं।
वह फल खाता है।	मोहन भागता है।

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें। यथा— हमें अपने घर में काम करने वालों के साथ सहज, शालीनतापूर्ण व्यवहार करना चाहिए, क्योंकि वे भी हमारी तरह इंसान हैं।
2. हम रम्मो और कल्लो के साथ मित्रतापूर्वक व्यवहार करते। हम उनके साथ खेलते, उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते और उन्हें पढ़ने के लिए हर प्रकार की सहायता देने का प्रयास करते, जिससे वे भी हमारी तरह पढ़-लिख सकें।
3. एक बार मैंने एक बूढ़े बाबा की सहायता की। वह बहुत सारा सामान उठाए जा रहे थे कि तभी अचानक एक कार से टकरा गये। उनका सारा सामान गिर पड़ा। मैंने उनका सामान उठाया और उन्हें घर तक पहुँचाया।
4. हमारे आस-पास दस ऐसी लड़कियाँ हैं, जो स्कूल पढ़ने नहीं जाती हैं। हम उन्हें स्कूल जाने के लिए कहेंगे। इसके लिए अपने पास के स्कूल में जाकर शिक्षकों से कहेंगे कि वे उनके घर जाकर उनके माता-पिता को समझाएँ कि पढ़ना कितना आवश्यक है। वह अपनी लड़कियों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजें।

10. नीति के दोहे

बोध प्रश्न

1.

शब्द	**अर्थ**
ताहि	उसको
काको	किसको, किसे
वाको	उसको, उसे
कागा	कौआ
साँच	सत्य
कासों	किससे
तोको	तुझको
जदपि	यद्यपि
जड़मति	मूर्ख, बेअक्ल
उद्यम	कार्य, मेहनत, परिश्रम
सिला	पत्थर, शिला
अपावन	अपवित्र, गन्दगी भरी
करुए	कड़वे
कंचन	सोना, धन-दौलत
पौन	हवा, वायु
चहियत	चाहिए
सिल	पत्थर, शिला

2. (क) कवि ने सत्य को तप (तपस्या) के बराबर बताया है।

(ख) उत्तम विद्या सर्वश्रेष्ठ धन के समान है अर्थात् उत्तम विद्या पाकर व्यक्ति का जीवन सफल हो जाता है इसलिए उत्तम विद्या प्राप्त करनी चाहिए।

(ग) बार-बार आने-जाने से रस्सी शिला पर निशान बना देती है।

(घ) कोयल अपनी मधुर ध्वनि (मीठी बोली) से सारे संसार को अपना बना लेती है, जबकि कौए की कर्कश आवाज कोई सुनना नहीं चाहता। अर्थात् कौए की काँव-काँव की आवाज मन को नहीं भाती।

(ङ) कवि ने दुर्जनों को दण्डित करने के लिए उदाहरण दिया है कि जिस प्रकार खीरे को सिर से काटकर, नमक लगाकर उसे घिसकर कड़वापन दूर किया जाता है। उसी प्रकार कड़वे व्यक्ति (दुष्ट) के साथ भी ऐसा ही व्यवहार करना चाहिए जिससे उसे उसके बुरे आचरण की सजा मिल सके।

कवि ने ऐसा इसलिए कहा है ताकि दण्ड देने से दुर्जनों को उनके बुरे कर्मों के लिए सबक मिल सके।

3. (क) **जो तोको काँटा बुवै —** जो तुझे काँटा बोता है।

(ख) **करत-करत अभ्यास के —** बार-बार अभ्यास करने से मूर्ख भी विद्वान बन सकते हैं।

(ग) **ज्यों पंखा की पौन—** जैसे पंखा से हवा मिलती है।

(घ) **मुझ सा बुरा न कोय—** मेरे समान कोई बुरा नहीं है।

(ङ) **तुलसी मीठै वचन ते—** मीठा बोलने से चारों ओर सभी प्रसन्नता का अनुभव करते हैं।

4. (क) सत्यवादी

(ख) निरन्तर अभ्यास से

(ग) मीठी वाणी से

(घ) उद्यम करने से

भाषा अध्ययन

1. छात्र स्वयं शुद्ध उच्चारण करें।

2.

शब्द	**हिन्दी मानक शब्द**
साँच	सत्य
हिरदे	हृदय
तिरशूल	त्रिशूल
करुए	कड़वे
सजाय	सजा, दण्ड
दीखा	देखा
पौन	हवा
जदपि	यद्यपि

3.

शब्द	**तुक वाले शब्द**
आप	पाप
फूल	तिरसूल

लगाय	सजाय
सुजान	निशान
कौन	पौन
होय	सोय।

4. (क) कान, नयन, नेत्र, चक्षु
   (ख) वृक्ष, तरु, पेड़, लता
   (ग) सुत, पुत्र, बेटी, बेटा
   (घ) पानी, जलज, नीर, जल
   (ङ) नरेश, रानी, भूप, राजा

5.

विशेषण शब्द	संज्ञा शब्द
(i) साँच (सच्चा)	सच्चाई
(ii) बुरा	बुराई
(iii) मीठा	मिठाई
(iv) चतुर	चतुराई

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें।
2. रामचरित मानस के कुछ शिक्षाप्रद दोहे–
   (अ) जेहि पर कृपा करहिं जनुजानी।
   कवि उर अजिर नचावहिं बानी।।
   (ब) सुनहि विमुक्त बिरत अरू विबई।
   लहहि भगति गति संपति नई।।
   (स) जिमि सरिता सागर मँह जाहीं।
   जद्यपि ताहि कामना नाहीं।।
3. **नैतिक मूल्य वाली बातें:**
   (1) हमें सदैव सच बोलना चाहिए।
   (2) हमें सदैव दूसरों का भला सोचना व करना चाहिए।
   (3) हमें दूसरों में बुराई देखने की अपेक्षा अपने दोषों को दूर करना चाहिए।
   (4) हमें दुष्ट लोगों को दण्ड देना चाहिए।
   (5) हमें विद्या प्राप्ति के लिए हमेशा परिश्रम करना चाहिए।
   (6) हमें निरंतर अभ्यास करना चाहिए।

11. मरकर भी जो अमर हैं

बोध प्रश्न

1.

शब्द	अर्थ
सुगठित	अच्छी तरह से गठित
निर्भीक	निडर
हुतात्मा	पवित्र आत्मा
उद्घोष करना	बोलना
अज्ञातवास	रहने का स्थान जहाँ छुपकर रहा जाता है।
न्यायालय	कचहरी, अदालत
जीवटता	जीवन शैली
एक आना	एक पैसा
आधिपत्य	अधिकार
निर्दय	कठोर
प्रवाह	बहाव
सर्वहारा	सब कुछ हारने वाला

2. (क) चन्द्रशेखर आजाद मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले में भाभरा गाँव के रहने वाले थे। उनके पिता का नाम पंडित सीताराम तथा माता का नाम जगरानी देवी था।
   (ख) काकोरी काण्ड के बाद रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खाँ और राजेन्द्र लाहिड़ी आदि क्रान्तिकारी पकड़े गए तथा इन सबको फाँसी की सजा दी गई।
   (ग) अपने अज्ञातवास में चन्द्रशेखर झाँसी तथा ओरछा जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.) के पास सातार नदी के तट पर एक मन्दिर में रहे। इस अवधि में उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई बार उन्हें केवल एक बार चना-चबेना खाकर रहना पड़ा।
   (घ) चन्द्रशेखर ने आर्थिक तंगी होते हुए भी चने वाले की इकन्नी यह सोचकर लौटायी कि यह उसकी मेहनत की कमाई है। इस पर मेरा अधिकार नहीं

है। इससे उनके ईमानदारी के गुण का पता चलता है। हमें भी जीवन में उनके जैसा ईमानदार बनना चाहिए और किसी की मेहनत की कमाई नहीं लेनी चाहिए।

(ङ) 27 फरवरी, 1931 को आजाद और सुखदेव इलाहाबाद के 'अल्फ्रेड पार्क' में बैठे थे। विशम्भरनाथ सिंह नामक एक पुलिस अधिकारी ने उनको पहचान लिया। उसने गुप्तचर पुलिस नाटबावर को इसकी सूचना दी। नाटबावर ने दल-बल के साथ आजाद को घेर लिया। दोनों ओर से गोलियाँ चलने लगीं। जब आजाद की गोलियाँ खत्म हो गईं तो उन्होंने आखिरी गोली अपनी कनपटी पर लगा दी और देश के लिए शहीद हो गए।

(च) राजाभाऊ महाकाल का जन्म 26 जनवरी, 1923 को उज्जैन (मध्य प्रदेश) में हुआ था।

(छ) राजाभाऊ महाकाल को बचपन में व्यायाम करने, क्षिप्रा नदी में नदी के प्रवाह के विपरीत तैरने और घूमने का शौक था।

(ज) गोआ मुक्ति आन्दोलन में राजाभाऊ महाकाल ने अभूतपूर्व योगदान दिया। उन्होंने इस आन्दोलन में भाग लेते हुए पुर्तगाली पुलिस का जमकर सामना किया और अन्त में सिर पर गोली लगने के कारण वीरगति को प्राप्त हुए।

(झ) गोआ मुक्ति आन्दोलन समिति ने निश्चय किया कि 15 अगस्त 1955 के दिन गोआ में राष्ट्रीय ध्वज फहराएँगे। इसके हेतु चार-चार की टोलियाँ बनाई गईं जिसमें एक टोली राजाभाऊ महाकाल की थी। राजाभाऊ महाकाल अपनी टोली के साथ तिरंगा हाथ में लेकर आगे बढ़े और पुर्तगाली पुलिस की गोली लगने से वीरगति को प्राप्त हुए।

3. (क) क्रान्तिकारी
   (ख) शक्तिशाली, सुगठित
   (ग) खून
   (घ) क्विक सिल्वर
   (ङ) कनपटी
   (च) बेलगाँव

भाषा अध्ययन

1. छात्र स्वयं उच्चरण करें।
2. 1. **प्राणों की आहुति देना—** जान न्योछावर कर देना।
   वाक्य प्रयोग— चन्द्रशेखर आजाद ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।
   2. **वीरगति को प्राप्त होना—** बहादुर की मौत मरना।
   वाक्य प्रयोग— देश की रक्षा के लिए अनेक शहीद वीरगति को प्राप्त हुए।
   3. **छू नहीं पाना—** पकड़ में नहीं आना।
   वाक्य प्रयोग— चन्द्रशेखर को अंग्रेज छू भी नहीं पाए।
3. **अनुस्वार—** गांधी, डंडा, पंत, गंध, पंद्रह, अंचल, हंस
   अनुनासिक— साँस, कहाँ, ताँगा, हँस, आँचल
4. वि — विख्यात, विज्ञान, विमान
   आ — आगमन, आजीवन, आदान
   पर — पराधीन, पराजय, पराक्रम
   प्र — प्रगति, प्रहार, प्रदान
5. परिणाम — परिणामत:
   अन्त — अन्तत:
   सामान्य — सामान्यत:
   फल — फलत:
   मूल — मूलत:
6. 1. प्राणोत्सर्ग — प्राण + उत्सर्ग
   2. सत्याग्रह — सत्य + आग्रह
   3. हुतात्मा — हुत + आत्मा
   4. महाकालेश्वर — महाकाल + ईश्वर

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) लोकमान्य तिलक ने
   (ख) महात्मा गाँधी ने
   (ग) महात्मा गाँधी ने
   (घ) नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने
3. छात्र स्वयं करें।
4. उज्जैन भारत के मध्यप्रदेश का प्रमुख और ऐतिहासिक नगर है, यह क्षिप्रा नदी के तट पर बसा अति प्राचीन शहर है। इसे महाकाल की नगरी भी बोलते हैं। यहाँ का महाकालेश्वर मन्दिर 12 ज्योर्तिलिंग में से एक है। उज्जैन सिंहस्थ महाकुंभ के लिए विश्वप्रसिद्ध है।

12. मेरा नया बचपन

बोध प्रश्न

1. **शब्द — अर्थ**
   मधुर — मीठी, मीठा
   संताप — दु:ख, कष्ट, पीड़ा
   निर्भय — बिना भय के, डर से मुक्त
   प्रफुल्लित — खुशी से खिल उठना, अति प्रसन्न
   अतुलित — जिसकी तुलना न की जा सके
   मंजुल — सुन्दर, मनोहर
   निष्पाप — बिना पाप के, पाप से रहित
   नव — नया
2. (क) इस कविता में कवयित्री अपने बचपन की याद कर रही हैं।
   (ख) कवयित्री अपने बचपन को निर्भय होकर खेलना, खाना, घूमना, रूठना, घर बनाना, कपड़ों की गुड़िया बनाकर खेलना आदि बातों के द्वारा याद करती थीं।
   (ग) जब सुभद्रा जी अपनी बेटी की अठखेलियों को देखती हैं, तो उसे देखकर उनका बचपन लौट आता है।
   (घ) 'मेरा नया बचपन' कविता के माध्यम से कवयित्री अपने बचपन को याद करते हुए कहती है कि उनका बचपन उनके लिए सबसे सुखदायक समय था। वह बचपन को फिर एक बार लौट आ जाने को कहती हैं। परन्तु उनकी बेटी जब घर में आती है, तब बेटी के रूप में वे अपने बचपन को देख रही हैं। बेटी की मंजुल मूर्ति देखकर उनके मन का संताप दूर हो जाता है।
   (ङ) कवयित्री की बिटिया मिट्टी खाकर आई थी और मिट्टी ही खिलाने लाई थी।
3. (क) बचपन का अतुलित आनन्द।
   (ख) क्या फिर आकर मिटा सकेगा,
   (ग) खाती हूँ, तुतलाती हूँ
4. (क) (ब) बचपन के आनन्द को।
   (ख) (ब) बचपन का आनन्द लेने के लिए

भाषा अध्ययन

1. छात्र स्वयं करें।
2. **क — ख**
   मंजुल — मूर्ति
   जय — माला
   प्यारा — जीवन
   छोटी — कुटिया
   अतुलित — आनन्द
3. ऊँच-नीच, मोती-सी, छोटी-सी।
4. (बच्चा) बच + पन = बचपन
   (लड़का) लड़क + पन = लड़कपन
   काला + पन = कालापन
   सीधा + पन = सीधापन
   अपना + पन = अपनापन
   पराया + पन = परायापन
5. (1) तात - पिता - पुत्र।
   1. श्रीराम अपने तात की आज्ञा से वन को गए।
   2. धृतराष्ट्र के तात दुर्योधन के कारण महाभारत का युद्ध हुआ।

   (2) कर - हाथ, टैक्स
   1. नेताजी के कर कमलों द्वारा किताब का विमोचन हुआ।
   2. हम सभी को सेवा-कर भरना चाहिए।

   (3) पूर्व - पहला, एक दिशा
   1. मैच से पूर्व ही खिलाड़ियों ने हार मान ली।

2. सूर्य पूर्व दिशा से निकलता है।

6.

शब्द	विलोम
ऊँच	नीच
भलाई	बुराई
प्रकाश	अन्धकार
पठित	अपठित
धर्म	अधर्म
स्वस्थ	अस्वस्थ

7.

शब्द	समानार्थी
नृप	राजा
जीवन	जिंदगी
पथ	रास्ता
वन	जंगल
खुशी	प्रसन्नता
फूल	पुष्प
मधुर	मीठा
प्यारा	प्रिय

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. छात्र स्वयं करें। यथा– सोनू, साहिल, अर्पित, अनन्त, मानव मेरे अच्छे मित्र हैं। इनमें से मानव मेरा सबसे अच्छा मित्र है क्योंकि वह मेरे साथ हर समय रहता है। सुख-दु:ख में मेरा सच्चा साथी है और मुसीबत में मेरा साथ देता है।

13. भारत रत्न: भीमराव अंबेडकर

बोध प्रश्न

1.

शब्द	अर्थ
परिपूर्ण	– पूरी तरह से, अच्छी तरह भरा हुआ, पूर्ण रूप से तृप्त
अभिरुचि	– पसन्द
सम्मिश्रण	– मिला हुआ, अच्छी तरह से
पर्याय	– बराबरी, एक वस्तु के अर्थ का दूसरा सूचक शब्द या समान शब्द
सात्विक	– सत्य और ईमानदारी से पूर्ण, पवित्र
अस्पृश्य	– निम्न, जो स्पर्श करने योग्य न हो।
अद्‌भुत	– अनोखा, विलक्षण
प्रयत्न	– कोशिश
स्वजन	– अपने लोग
प्रख्यात	– प्रसिद्ध
संवेदनशीलता	– दूसरों के दु:ख से दुखी होना, दूसरों की अनुभूति से प्रभावित होना
स्वाभिमानी	– अपनी प्रतिष्ठा या गौरव का ध्यान रखने वाला

2. (क) अम्बेडकर जी का जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्यप्रदेश के महू नगर में हुआ था।

(ख) डॉ. भीमराव जी के व्यक्तित्व में सरलता, साहस, संघर्ष और संवेदनशीलता के गुण थे।

(ग) बाबा साहब ने अपनी पत्नी की आस्थाओं और विश्वास का सम्मान करते हुए अपने पुत्र से हिन्दू पद्धति के अनुसार विधिपूर्वक उनका अन्तिम संस्कार करवाया।

(घ) महिलाओं की सभा में अम्बेडकर जी ने कहा कि वे साफ-सुथरी रहें। यदि उनके पति या पुत्र शराब पीकर घर आते हैं तो उनके लिए दरवाजे बन्द कर दें। अपने बेटे-बेटियों को उचित शिक्षा दें।

(ङ) स्वतंत्रता के बाद वे विधि विभाग के मंत्री बने।

(च) डॉ. अम्बेडकर में अद्‌भुत संगठन क्षमता थी। वे भारत के प्रख्यात विधिवेत्ता थे। स्वतंत्र भारत के संविधान को बनाने वले वे प्रमुख शिल्पी थे। उनके इसी कार्य के लिए उन्हें सर्वोच्च सम्मान 'भारत-रत्न' से सम्मानित किया गया।

(छ) सतारा स्टेशन जाते समय वह ताँगे से नीचे इसलिए उतर गये थे क्योंकि उस स्थान पर उनकी बचपन की यादें एवं माँ की अस्थियाँ रखी थीं।

(ज) एक बार अंबेडकर जी का कुत्ता बीमार हो गया और बाद में वह मर गया। अम्बेडकर जी को उसकी मृत्यु का दु:ख उसी तरह हुआ जैसे किसी स्वजन की मृत्यु पर होता है। यह घटना उनके पशु प्रेम को प्रदर्शित करती है।

(झ) बाबा साहब को अपने माता-पिता से बहुत प्रेम था। जब वह उदास होते थे तो वे शमशान में उस जगह जाते थे, जहाँ उनके पिता का अन्तिम संस्कार हुआ था। वहाँ पर वह अपने मन और हृदय को खोलकर रख देते थे। इससे उन्हें शान्ति मिलती थी। इस घटना ने हमें सबसे अधिक प्रभावित किया क्योंकि इससे उनका अपने पिता के प्रति प्रेम का परिचय मिलता है।

3.

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
माता	भीमाबाई
पिता	रामजी सकपाल
पत्नी	रमाबाई
बाबा साहब	भीमराव अम्बेडकर

भाषा अध्ययन

1. (1) **परिपूर्ण** — राम सभी विषयों में परिपूर्ण है।

(2) **सात्विक** — राम के विचार सात्विक थे।

(3) **समर्पण** — पुलिस के सामने डाकुओं ने समर्पण किया।

(4) **अस्पृश्य**—अस्पृश्य जातियों में गाँधीजी ने चेतना उत्पन्न की।

2. पिता — जनक, बाप
घर — भवन, गृह
रात — निशा, यामिनी
ईश्वर — भगवान, ईश
दीपक — दीया, दीप

3. (क) इस गद्यांश का शीर्षक 'सत्संगति' है।

(ख) मानव को सबसे अधिक आवश्यकता सत्संगति की है।

(ग) स्वाति की बूँदें सीप के सम्पर्क में आने पर मोती बन जाती हैं।

4. परिवार — पारिवारिक
समाज — सामाजिक
नाव — नाविक
स्वभाव — स्वाभाविक
परिश्रम — पारिश्रमिक
साहस — साहसिक

5. अम्बेडकर जी ने अपने मित्र से कहा— ''यहाँ मेरी माता जी की अस्थियाँ हैं। उन्होंने हम भाई-बहनों के लिए अपार कष्ट सहे हैं। सामने के टूटे-फूटे मकान में हम लोग कुछ समय तक रहे हैं। यहाँ के जंगल में मैं बचपन में खूब खेला हूँ। मेरी माताजी और पिताजी यह देखने के लिए जीवित नहीं हैं कि मैं कितना पढ़-लिख गया हूँ।

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

14. मित्र को पत्र

बोध प्रश्न

1.

शब्द		**अर्थ**
अनमोल	—	अमूल्य
ध्येय	—	लक्ष्य, उद्देश्य
अविस्मरणीय	—	यादगार, जिसे भुलाया न जा सके
अन्तरिक्ष	—	आकाश
उपहार	—	भेंट
वेबसाइट	—	कम्प्यूटर पर जानकारी हेतु पता
अनुत्तरित	—	बिना उत्तर दिए, जिसका उत्तर न दिया गया हो
आश्चर्यचकित	—	अचंभित, अचम्भे में पड़ जाना
सुविकसित	—	अच्छी तरह से विकसित
मूल्यों	—	नैतिक आदर्शों

2. (क) डॉ. अब्दुल कलाम हमारे देश के राष्ट्रपति पद पर रहे हैं।

(ख) बच्चे डॉ. अब्दुल कलाम से भोपाल में मिले थे।

(ग) डॉ. अब्दुल कलाम का जन्म रामेश्वरम् में हुआ था।

(घ) सुविकसित भारत का सपना साकार करने हेतु डॉ. अब्दुल कलाम ने बच्चों से तीन चीजों की अपेक्षाएँ की हैं— पहला आप पढ़ाई करें, दूसरा आप अपने आस-पास के निरक्षर लोगों को पढ़ाएँ और तीसरा घर या पाठशाला में पाँच पेड़ लगाएँ।

(ङ) रामेश्वरम् में उनके (डॉ. अब्दुल कलाम के) शिक्षक सुब्रह्मण्यम अय्यर थे।

(च) राष्ट्रपति भवन तक की यात्रा से पहले डॉ. अब्दुल कलाम रॉकेट इंजीनियर बने और उसके बाद अन्तरिक्ष वैज्ञानिक बने।

(छ) डॉ. कलाम ने सफलता प्राप्त करने के लिए बताया है कि बच्चों को छोटी कक्षाओं में ही अपना ध्येय निश्चित करना चाहिए। कठोर परिश्रम करना चाहिए तथा कभी भी कठिनाइयों से डरना नहीं चाहिए।

3. (अ) पाँच पेड़ लगाओ।

भाषा अध्ययन

1. उच्चारण छात्र स्वयं करें।

चित्रकला—राधा ने चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अविस्मरणीय—राम की भोपाल यात्रा अविस्मरणीय है।

राष्ट्रपति— डॉ. राजेन्द्र प्रसाद हमारे पहले राष्ट्रपति थे।

अनुत्तरित— बहुत प्रयास करने के बाद भी राम के परीक्षा में कुछ प्रश्न अनुत्तरित रह गए।

रामेश्वरम्— रामेश्वरम् हिन्दुओं का पवित्र तीर्थस्थल है।

पर्यावरण— हमें पर्यावरण को शुद्ध रखना होगा।

अन्तरिक्ष— अन्तरिक्ष में चाँद-तारे हैं।

कम्प्यूटर—आज कम्प्यूटर का युग है।

2.

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
सुन्दर	असुन्दर
अविस्मरणीय	विस्मरणीय
प्रिय	अप्रिय
अनुत्तरित	उत्तरित
निश्चित	अनिश्चित
विकसित	अविकसित

3. (क) जल (ख) चमक
(ग) गति (घ) धोखे
(ङ) जानकारी (च) स्थान

4. (क) जन्मदिन पर तुम्हारा बधाई-पत्र मिला।
(ख) हम पहली बार भोपाल में मिले थे।
(ग) समयाभाव के कारण कितने ही प्रश्न अनुत्तरित रह गये थे।
(घ) इन्दौर में मध्यप्रदेश के कोने-कोने से बच्चे आये थे।

5.

वर्ग 'क'	**वर्ग 'ख'**
बधाई	पत्र
राकेट	इंजीनियर
राष्ट्रपति	भवन
अन्तरिक्ष	विज्ञानी
चित्र	कला

योग्यता विस्तार

1. विद्याभवन
झाँसी
दिनांक : 20-02-20__
प्रिय कमल!

तुम्हारा पत्र मिला। पढ़कर खुशी हुई कि तुमने वार्षिक खेल प्रतियोगिता में खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया। मेरी अभी वार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली हैं। मैंने अपने सभी विषयों का अध्ययन अच्छी तरह से कर लिया है। गणित में थोड़ी कठिनाई है, जिसे मैं अपने अध्यापक से मिलकर समझ लूँगा। इस बार

मेरी इच्छा है कि कक्षा में मैं प्रथम स्थान प्राप्त करूँ इसलिए मैं अथक् परिश्रम कर रहा हूँ शेष कुशल। घर पर अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र

अनुज

2. मैं अध्ययन के पश्चात् बी. एड. की पढ़ाई करना चाहता हूँ जिससे मैं शिक्षक बन सकूँ। शिक्षक बनकर मैं ऐसे लोगों को पढ़ाना चाहता हूँ जो गरीब और निर्धन हैं।
3. छात्र स्वयं करें।
4. हाँ, हम भी पार्थ की तरह बहुत सारे प्रश्न पूछना चाहते हैं। हम सचिन तेन्दुलकर को अपना आदर्श मानते हैं और उनसे कुछ प्रश्न पूछना चाहते हैं—
   (1) इतने व्यस्त रहने पर भी आप पुस्तकें कैसे लिख लेते हो?
   (2) आपका क्रिकेट खेलने का क्या उद्देश्य रहा था?
   (3) क्या कभी आपको असफलता हाथ लगी?
   (4) फुरसत के समय में आप क्या करते हैं? इत्यादि।
5. छात्र स्वयं करें।

15. मध्यप्रदेश का गीत

बोध प्रश्न

1. **शब्द** — **अर्थ**

शब्द	अर्थ
भण्डारा	— भण्डार गृह
चेतन	— सजीव
वनफूल	— जंगल के फूल
पोरा-पोरा	— कण-कण
बिरछा	— वृक्ष
हुलसे	— प्रफुल्लित, उत्साहित
ऋचाएँ	— वेदमंत्र, पवित्र वाक्य
ढालें	— अपनाएँ
द्रुपदसुता	— राजा द्रुपद की पुत्री
पाथर	— पत्थर
सोम	— अमृत
गाथा	— कथा
लोपामुद्रा	— अगस्त्य मुनि की पत्नी का नाम

2. (क) गौतम बुद्ध की वाणी साँची में गूँजती है।
   (ख) मालवा की धरती पर भोज और विक्रमादित्य राजा हुए हैं।
   (ग) मध्यप्रदेश में पुरातत्व अवशेष नर्मदा की घाटी में मिलते हैं।
   (घ) कविता में साँची, उज्जैन, दण्डकवन, विन्ध्याचल पर्वत, पंचमढ़ी, ग्वालियर, मालवा, नर्मदा घाटी, खजुराहो, गाँधी सागर बाँध आदि स्थानों का चित्रण हुआ है।
   (ङ) (1) मध्यप्रदेश भारत का हृदय प्रदेश है।
   (2) मध्यप्रदेश में प्राकृतिक सम्पदा के भरपूर भण्डार हैं।
   (3) मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले में महाकालेश्वर का मन्दिर है।
   (4) मध्यप्रदेश खजुराहो के मन्दिरों के कारण प्रसिद्ध है।
   (5) मध्यप्रदेश में बिजली के भारी यंत्र बनाए जाते हैं।
   (च) पंचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र पर्वतीय स्थल है। यहाँ पाण्डव गुफाएँ हैं। यह अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए अत्यधिक प्रसिद्ध है।
3. (1) **दण्डक—** पूर्वी मध्यप्रदेश के दक्षिण-पूर्व में दण्डकारण्य पठार के अन्तर्गत दण्डक वन स्थित है। कहा जाता है कि वनवास के समय भगवान श्रीराम दण्डकारण्य (अबूझमाड़) गये थे। भील जाति की स्त्री शबरी ने अपने झूठे बेर खिलाकर उनका स्वागत-सत्कार किया था।
   (2) **अगस्त्य—**यह प्राचीन समय के प्रसिद्ध ऋषि थे। इन्होंने पवित्र वेद-मंत्रों की रचना की थी। कहा जाता है कि एक बार समुद्र देवता से रुष्ट होकर इन्होंने उसका सारा जल

पी लिया था। बाद में इनका क्रोध शान्त हुआ। जब देवताओं ने इन्हें समझाया तो इन्होंने समुद्र का जल वापस किया। इसी कारण आज तक समुद्र का जल खारा है।

(3) **विक्रम**—राजा विक्रमादित्य उज्जैन के राजा थे। विक्रम संवत् का प्रारम्भ विक्रमादित्य ने ही किया। ये भारतीय इतिहास में न्यायप्रियता के लिए प्रसिद्ध हैं। इनके राज्य में प्रजा के साथ कभी अन्याय नहीं हुआ।

4. (1) मध्यप्रदेश के पैरों में अर्थात् नीचे के जिलों (बेतूल, छिन्दवाड़ा, बालाघाट) में खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं और आस-पास के जिलों (इंदौर, उज्जैन मंदसौर, सतना, रीवा, सीधी) में अन्न उगाया जाता है अर्थात् हाथों में अन्न का कटोरा है।

(2) गाँधी सागर बाँध पर उत्पन्न जल-विद्युत के कारण मध्यप्रदेश के घर-घर में उजाला हुआ है।

(3) मध्यप्रदेश देश के हृदय में अर्थात् मध्य में स्थित है और भारत देश हमारे हृदय में बसा हुआ है।

5. (1) महाकालेश्वर (2) साँची (3) बेर (4) गाँधी (5) मध्यप्रदेश।

भाषा अध्ययन

1. उच्चारण छात्र स्वयं करें।

2. **शब्द** **पर्यायवाची**

नदी - सरिता, तटिनी, तरंगिणी।

धरती - भू, धरा, पृथ्वी।

घर - गृह, भवन, सदन।

3.

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
गुण	अवगुण	धर्म	अधर्म
पश्चिम	पूर्व	चन्द्रमा	सूर्य
शत्रु	मित्र	मृत्यु	जन्म
अन्त	प्रारम्भ	प्रतिकूल	अनुकूल
आदर	अनादर	गुरु	शिष्य

4. गौतम — भगवान बुद्ध का एक नाम

शबरी — भील जाति की एक संत महिला

सोम — प्राचीन समय में पिया जाने वाला एक पेय

पुरातत्व — वे वस्तुएँ, स्थान आदि जो बहुत पुरानी हों

द्रुपद सुता — राजा द्रुपद की पुत्री

5.

स्त्रीलिंग	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**
....	मुखिया	लड़की	लड़का
सेठानी	सेठ	काली	काला
भीलनी	भील	सभा	समूह
शेरनी	शेर	....	घोड़ा
....	देवर		

6.

माटी	- मिट्टी	पाथर	- पत्थर
अमोल	- अमूल्य	औगुन	- अवगुण
आलस	- आलस्य	जोबन	- यौवन

योग्यता विस्तार

1. मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों की सूची निम्न है-

1. उज्जैन 2. भोपाल 3. जबलपुर 4.अमरकंटक 5. ग्वालियर 6. पंचमढ़ी 7. खजुराहो 8. साँची 9. शिवपुरी 10. ओरछा।

2. **अगस्त्य ऋषि**- यह एक प्रसिद्ध ऋषि थे। जिन्होंने पवित्र वेदमंत्रों की रचना की।

लोपामुद्रा - यह ऋषि अगस्त्य की पत्नी थीं, जो उनके साथ दक्षिण भारत गई थीं।

विक्रमादित्य - ये उज्जैन के प्रतापी राजा हुए थे। इन्होंने विक्रम संवत् चलाया।

उज्जैन- क्षिप्रा नदी के तट पर बसी उज्जैन नगरी है। यहाँ महाकालेश्वर का मन्दिर है।

पंचमढ़ी - मध्यप्रदेश का एकमात्र पर्वतीय क्षेत्र है। यहाँ प्रसिद्ध पाण्डव गुफाएँ हैं। यहाँ पर्यटक प्रकृति का आनन्द लेते हैं।

गाँधी सागर - यह एक बाँध है, जो चम्बल नदी पर स्थित है। यहाँ बिजली बनाई जाती है।

खजुराहो - यह मध्यप्रदेश का अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल है। यहाँ की पत्थर की मूर्तियाँ और मन्दिर विश्वप्रसिद्ध हैं।

3. 1. ग्वालियर भारत के मध्यप्रदेश राज्य में जिले के रूप में स्थित एक ऐतिहासिक नगर और राज्य का एक प्रमुख शहर है।
2. यह शहर गुर्जर-प्रतिहार राजवंश, तोमर तथा कछवाहों की राजधानी रहा है।
3. 1858 में रानी लक्ष्मीबाई भी अंग्रेजों से लड़ते हुए ग्वालियर में वीरगति को प्राप्त हुई थीं।
4. ग्वालियर पर आजादी से पहले सिंधिया वंश का राज्य था।
5. ग्वालियर के पर्यटन स्थल - महाराजा मानसिंह का किला, तेली का मन्दिर, मानमन्दिर महल, जयविलास महल और संग्रहालय, तानेसन स्मारक, विवस्वान सूर्य मन्दिर, गोपाचल पर्वत, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल प्रमुख हैं।
6. गोपाचल पर्वत ग्वालियर के किले के आँचल में प्राचीन कलात्मक जैन मूर्ति समूह का अद्वितीय स्थान है।
7. विवस्वान सूर्य मन्दिर बिरला द्वारा निर्मित करवाया गया मन्दिर है जिसकी प्रेरणा कोणार्क के सूर्य मन्दिर से ली गई है।
8. तानसेन स्मारक मुगल स्थापत्य का एक नमूना है।
9. जय विलास महल और संग्रहालय सिंधिया राजपरिवार का वर्तमान निवास स्थल होने के साथ ही संग्रहालय भी है।
10. मानमन्दिर को राजा मानसिंह ने सन् 1486 से 1517 के बीच बनवाया था।

विविध प्रश्नावली

1. (अ) शिवाजी की माता ने शिवाजी में साहस, वीरता और देशप्रेम के गुणों को विकसित किया।

(ब) चन्द्रशेखर आजाद की आयु कम थी फिर भी उनका दिमाग बहुत तेज तथा फुर्तीला था उनके इसी गुण के कारण क्रान्तिकारियों के दल में चन्द्रशेखर को 'क्विक सिल्वर' कहा जाता था।

(स) राधिका के समाज में कोई पढ़ा-लिखा नहीं था। वह सोचती थी कि लड़कियों को पढ़ा-लिखाकर, उनकी शादी के लिए पढ़े लिखे लड़के ढूँढ़ने पड़ेंगे और फिर उसके काम में कौन हाथ बँटाएगा। यह सोचकर राधिका ने लड़कियों को नहीं पढ़ाया था।

2. (अ) लडकियाँ सुबह माँ के साथ काम करती थीं और दोपहर में बाबू जी उन्हें पढ़ाते। उनकी कॉपी-किताबों का खर्चा भी स्वयं बाबूजी ने उठाया और बदले में कुछ नहीं लिया। इस प्रकार बाबूजी ने लड़कियों की पढ़ने-लिखने में सहायता की।

(ब) कोयल मीठा बोलकर सारे जग को अपना बना लेती है, परन्तु कौए की कर्कश आवाज सुनकर लोग उसको भगा देते हैं। यही अन्तर है दोनों की बोली में।

(स) लगातार अभ्यास करते-करते मूर्ख भी विद्वान बन जाता है।

(द) शहीद पार्क इलाहाबाद (उत्तर-प्रदेश) में स्थित है।

(ध) राजाभाऊ महाकाल का जन्म 26 जनवरी, 1923 को उज्जैन में हुआ था। राजाभाऊ महाकाल को बचपन में व्यायाम करने, नदी के प्रवाह के विपरीत तैरने और घूमने का शौक था।

3. (अ) (4) कोंडदेव ने
(ब) (2) सत्यवादी के
(स) (2) बचपन के आनन्द को

4. (अ) मेरा नया बचपन की लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान है।

(ब) डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न उपाधि दी गई।

(स) अन्याय देखकर आजाद का खून खौलने लगा।

5.

'अ' स्तम्भ	**'ब' स्तम्भ**
(1) शिवाजी	जीजाबाई
(2) पंखा	हवा
(3) भारत रत्न	डॉ. भीमराव अम्बेडकर

6. (अ) अपनी बिटिया की सुन्दर सूरत देखकर लेखिका को एक नये जीवन का अहसास हुआ।

(ब) कबीरदास जी कहते हैं कि जो तुम्हारे लिए काँटा है अर्थात् तुम्हारे लिए बुरा सोचता है, तुम उसके लिए फूल बोओ अर्थात् भला सोचो क्योंकि तुम्हारी की हुई भलाई ही रहेगी, उसके द्वारा की गई बुराई उसे ही त्रिशूल के जैसे चुभेगी अर्थात् हमें बुरा करने वाले के साथ भी अच्छा करना चाहिए क्योंकि इससे हमारा तो अच्छा होगा और बुरा करने वाले को भी सबक मिलेगा।

7.

लड़का	लड़कपन
सजना	सजावट
बच्चा	बचपन
गिरना	गिरावट
छोटा	छुटपन
मिलना	मिलावट
बड़ा	बड़प्पन
बनना	बनावट
सयाना	सयानापन
लिखना	लिखावट

8.

दिनेश	हँसता है	अकर्मक
मुझे	डर लगता है	अकर्मक
वह स्कूल	जाता है	अकर्मक
रीता	गाती है	सकर्मक
आशीष आम	खाता है	सकर्मक

9. 1. जो पढ़ना-लिखना न जानता हो— अनपढ़

2. जिसके आने की तिथि मालूम न हो— अतिथि

3. कभी न मरने वाला— अमर

4. जो ईश्वर में विश्वास रखता हो— आस्तिक

5. माँस न खाने वाला— शाकाहारी

10. हंस- नदी किनारे पेड़ पर हंस बैठा था।

हँस- राम हँस रहा था।

आधी- हमें आजाद हुए आधी सदी से ज्यादा बीत गई।

आँधी- कल बहुत तेज आँधी आई थी।

गोद- महिला बच्चे को गोद में लेकर जा रही थी।

गोंद- गोंद, कागज चिपकाने के काम आती है।

चुना- मोदी को जनता ने प्रधानमंत्री चुना।

चूना- पान में चूना लगाया जाता है।

किला- आगरे का किला प्रसिद्ध है।

कीला- दर्द होने पर दाढ़ को कीला गया।

11. **'ता' प्रत्यय के शब्द—** लघुता, प्रभुता, सततता, सफलता, निर्भरता।

'वाला' प्रत्यय के शब्द— दूधवाला, खिलौने वाला, मिठाईवाला, चाटवाला, सब्जीवाला।

12.

राजा	—	नृप, भूप।
नेत्र	—	चक्षु, नयन।
पानी	—	नीर, वारि।
कमल	—	पंकज, जलज।
वृक्ष	—	पेड़, तरु।
हवा	—	पवन, अनिल।
आग	—	अनल, पावक।
सोना	—	कनक, सुवर्ण।

13. (क) त्रिशूल (ख) ईमानदार (ग) पर (घ) दारी (ङ) हराना।

14. **होली**

1. रंगो का त्योहार होली, फाल्गुन माह में मनाया जाता है।
2. होली का इतिहास विभिन्न पौराणिक कथाओं से जुड़ा हुआ है। सबसे प्रसिद्ध कथा हिरण्यकशिपु और प्रह्लाद की है।
3. होली को फाल्गुनी और धुलेंडी के नाम से भी जाना जाता है।
4. होली पर आपसी प्रेम, एकजुटता, सद्भावना का संदेश दिया जाता है।
5. होली का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है।
6. होली के पहले दिन पूर्णिमा की रात को होलिका दहन की जाती है।
7. होलिका दहन को छोटी होली के नाम से भी जाना जाता है।
8. होलिका दहन के अगले दिन रंगों से होली खेली जाती है जिसे 'रंगोत्सव' भी कहा जाता है।
9. होली के त्योहार को बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक माना जाता है।

10. होली का त्योहार हर धर्म, हर जाति के लोग उत्साह और शान्ति से मनाते हैं।

26 जनवरी (गणतन्त्र दिवस)

1. गणतन्त्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है।
2. यह हमारे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण दिन होता है।
3. यह हर साल 26 जनवरी को मनाया जाता है।
4. यह पूरे भारत देश में मनाया जाता है।
5. 26 जनवरी सन् 1950 को हमारे देश को पूर्ण स्वायत्त गणराज्य घोषित किया गया था।
6. दिल्ली में गणतन्त्र दिवस पर भारतीय सेनाओं की शानदार परेड होती है।
7. देश के राष्ट्रपति द्वारा लालकिले पर तिरंगा फहराया जाता है।
8. यह पर्व देश की एकता-अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
9. 26 जनवरी हमारे गौरव का प्रतीक है।

15. 45/13 कृष्णा नगर, भोपाल।

दिनांक—08/05/20__

प्रिय मित्र आलोक

सप्रेम नमस्कार!

तुम्हें यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि इस बार मैं अपना जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मना रहा हूँ। मैं चाहता हूँ कि तुम भी मेरे जन्मदिन पर सपरिवार पधारो। इसी उद्देश्य से पत्र लिख रहा हूँ।

तुम्हारा मित्र

अजय गुप्ता

16. (1) कठिन कार्य निरन्तर अभ्यास से सरल हो जाता है।

(2) विद्या अभ्यास से अमृत बन जाती है और बिना अभ्यास के विष बन जाती है।

(3) गद्यांश का उचित शीर्षक है— 'सतत अभ्यास'

17. (1) घर-घर जाकर बालिकाओं की शिक्षा के लिए अभिभावकों को प्रेरित करेंगे।

(2) बालिकाओं की शिक्षा के लिए स्वयं नि:शुल्क पढ़ाने का कार्य करेंगे।

18. आपसी सद्भावना के लिए अपनी कक्षा में हम आपसी भाईचारे का व्यवहार करते हैं।

16. पातालकोट

बोध प्रश्न

1. **शब्द अर्थ**

जनजाति — अनुसूचित जनजातियाँ
शृंखला — कड़ी, क्रम, परम्परा
संस्कृति — सभ्यता, जीवन पद्धति
अभ्यस्त — अच्छी तरह सीखा हुआ
बहुरंगी — अनेक रंग की
कष्टसाध्य—कार्य जो कठिनाई से किया जाए
विशिष्ट — विशेष
आच्छादित— ढका हुआ
अंचल — क्षेत्र, भू-भाग
आमोद-प्रमोद — खेल तमाशे, हँसी-ठहाका
अदम्य — उग्र, बहुत प्रबल
वनोपज — वन में पैदा होने वाली उपज
तिलस्मी— करामाती, चमत्कारी
आनन्दोत्सव—खुशी के समय मनाया गया त्योहार
उपेक्षित — जिसकी उपेक्षा की गई हो
वन संरक्षण—जंगल के पेड़-पौधों की रक्षा करना

2. (क) इस लेख में जिन लोगों का वर्णन किया गया है, वे पातालकोट के रहने वाले हैं।

(ख) पातालकोट की महिलाएँ गले में मणियों की मालाएँ, कानों में कर्णफूल, हाथों में चूड़ी, कंगन तथा विनोरियाँ तथा पैरों में बेड़ियाँ पहनती हैं।

(ग) 'पातालकोट' के निवासियों के पास शेर से स्वयं की रक्षा करने हेतु हाथों में कुल्हाड़ी, टंगिया या हँसिए के रूप में हथियार रहते हैं इसलिए वे शेर से भयभीत नहीं होते हैं।

(घ) पातालकोट पहुँचने का मार्ग पगडंडीनुमा, खतरनाक, टेढ़े-मेढ़े रास्ते वाला है। पथिक इस जगह जाने के

बाद कई दिनों तक पिंडलियों, जाँघों में दर्द तथा जकड़न को महसूस करता है।

(ङ) पातालकोट में बिजली पहुँच गई है। वहाँ आज जो बल्ब जलता दिखाई देता है, वह इस बात का प्रतीक है कि पातालकोट में नई रोशनी की चमक पहुँच गई है।

(च) पातालकोट के निवासियों के आमोद-प्रमोद का साधन नृत्य और गीत है।

3. (क) U (ख) 79 (ग) रावण और मेघनाद

4. **पातालकोट की जनजातियों का भोजन—** पातालकोट के निवासी महुए को आटे में मिलाकर रोटी बनाते हैं जो पूड़ी की तरह तलकर बनाई जाती है। सामान्य रूप से ये लोग कुटकी का पेज और मक्के की रोटी खाते हैं। ये लोग आम की गुठली के बीज के आटे की रोटी बनाते हैं। भातकंद नाम जड़ निकालकर चावल के रूप में खाते हैं।

पातालकोट की जनजातियों का पहनावा— पुरुष घुटने तक धोती और बदन पर 'सलूजा' पहनते हैं। सिर पर पगड़ी की तरह एक कपड़ा लपेट लेते हैं। महिलाएँ घुटने तक साड़ी पहनती हैं। आभूषणों में गले में माला कानों में कर्णफूल, हाथों में चूड़ी, कंगन और पैरों में बेड़ियाँ पहनती हैं।

5. (ब) सुबह 9 से 3 बजे तक

6. (क) पातालकोट के निवासी निडर एवं वीर होते हैं। वे अपने साथ कुल्हाड़ी, टंगिया या हँसिया लिए होते हैं।

(ख) पातालकोट में बिजली आ गई है।

7. पातालकोट में पुरुष घुटने तक धोती और बदन पर 'सलूजा' पहनते हैं। सिर पर पगड़ी की तरह एक कपड़ा लपेट लेते हैं। महिलाएँ घुटने तक साड़ी पहनती हैं। आभूषणों में गले में माला, कानों में कर्णफूल, हाथों में चूड़ी, कंगन और पैरों में बेड़ियाँ पहनती हैं।

8. जंगल काटकर खेत बनाना — आजूढइया पद्धति

कमीज की तरह एक वस्त्र — सलूजा

महुए को आटे में मिलाकर रोटी बनाना — सुवारी

नागपुर के भारवाहक मजदूर — भारिया

भाषा अध्ययन

1. उच्चारण छात्र स्वयं करें।

वाक्य प्रयोग—

संस्कृति — भारत की संस्कृति बहुरंगी है।

शृंखला — सतपुड़ा पर्वत शृंखला विस्तृत क्षेत्र में फैली हुई है।

अभ्यस्त — जनजाति के लोग सँकरे मार्गों पर चलने के अभ्यस्त होते हैं।

आच्छादित — पर्वतों पर बर्फ आच्छादित है।

स्रोत — जल का स्रोत छोटी-छोटी नदियाँ व नाले हैं।

पदचिह्नों— राम अपने पिता के पदचिह्नों पर चलता है।

आकांक्षा — सीता को अपनी बेटी से बहुत आकांक्षा रहती है।

सप्ताह — सप्ताह में सात दिन होते हैं।

2.

शब्द	**अर्थ**
जिज्ञासा	जानने की इच्छा
विश्रामगृह	ठहरने के लिए बनाया गया भवन
सघन	अधिक घना
आदमखोर	आदमी को खाने वाला
लोकमान्यता	लोगों द्वारा मानी गई बात
निर्जन	जहाँ मनुष्य न हों

3.

शब्द	**विलोम**
सूर्योदय	सूर्यास्त
उपस्थित	अनुपस्थित
सस्ती	महँगी
सीमित	असीमित
दिन	रात
विजयी	पराजित

4. भारतवासी, गाँववासी, शहरवासी, देशवासी।

5. समूह + इक = सामूहिक
   समय + इक = सामयिक
   व्यापार + इक = व्यापारिक
   धर्म + इक = धार्मिक

6. अंचल, पहुँचा, शृंखला, ऊँचे, ढूँढ़कर, पहाड़ियाँ, वहाँ, कंद, पंचायत, आकांक्षा।

7. हथियार — अस्त्र-शस्त्र
   सफर — यात्रा
   महसूस — प्रतीत
   रस्म-रिवाज — परम्परा
   दावत — न्योता

योग्यता विस्तार

1. **जनजातियों की जीवनशैली**— जनजातियाँ वह मानव समुदाय है जो एक अलग निश्चित भू-भाग में निवास करती हैं और जिनकी एक अलग संस्कृति, अलग रीति-रिवाज, अलग भाषा होती है तथा ये समुदाय में ही रहते हैं तथा ये केवल अपने ही समुदाय में विवाह करते हैं, यह अमूमन प्रकृति पूजक होते हैं। इनका जीवन प्रकृति पर निर्भर होता है।

2. **अबूझमाड़—** भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर अंचल के नारायणपुर जिले में स्थित है। यह एक अत्यन्त दुर्गम इलाका है। अबूझमाड़ विशेष पिछड़ी जनजाति के अन्तर्गत आती है। अबूझमाड़ जनजाति को मेटाभूम (भूमि पर मर मिटने वाला) कहा जाता है। वर्तमान में इनकी जनसंख्या लगभग 22,000 है। इन जनजातियों की साक्षरता दर (19.25) सबसे कम होती है। ये प्रमुख रूप से हिन्दू धर्म के अनुयायी होते हैं।

   ये जनजाति स्थानांतरित कृषि करती है। खेत ढलवा भूमि में बनाया जाता है जिसमें धान उगाया जाता है। सभी मिलकर खेती करते हैं। धान के अतिरिक्त चमेली, जोधरा, कसरा के अतिरिक्त मोटे अनाज उगाते हैं।

   ये लोग तंत्र-मंत्र में विश्वास रखते हैं। इनके मुखिया को मांझी कहा जाता है।

3. सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उद्देश्य है—

   जनजातीय क्षेत्रों के लिए जो उपयोजनाएँ बनाई जाती हैं, उनमें कृषि एवं बागवानी, पशुपालन वानिकी, लघु एवं ग्राम उद्योग, विपणन में सुधार आदि हैं। इनमें शिक्षा को प्राथमिकता के साथ शुद्ध पेयजल, पर्याप्त आवास, चिकित्सा एवं पोषाहार आदि मूलभूत सुविधाओं को भी शामिल किया जाता है।

17. राष्ट्र प्रहरी

बोध प्रश्न

1. **शब्द — अर्थ**
   आकर्षित करना — ध्यान खींचना
   विख्यात — प्रसिद्ध
   संकल्प — प्रतिज्ञा, प्रण
   सतर्क — सावधान, चौकन्ना
   दुर्गम — जहाँ पहुँचना कठिन हो
   विपदा — विपत्ति
   सजग — जागरूक
   धैर्य — धीरज
   रसद — खाद्य सामग्री
   विशिष्ट — विशेष

2. (क) भारतीय सेना के तीनों अंगों के नाम- थलसेना, वायुसेना और नौ सेना (जल सेना) है।

   (ख) भारतीय सेना के तीनों अंगों का सर्वोच्च अध्यक्ष राष्ट्रपति होता है।

   (ग) नौसेना का अर्थ है— जलसेना। नौसेना युद्ध के समय देश के समुद्री तटों और समुद्री सीमाओं की रक्षा करती है।

   (घ) थल सेना की वर्दी का रंग हरा इसलिए होता है, ताकि वह पेड़-पौधों में छिपकर शत्रु की गतिविधियों का पता लगाने में सहायक हो सके।

   (ङ) भारत सरकार सैनिकों को उनकी वीरता और साहसिक कार्यों के लिए विशिष्ट पदकों से सम्मानित करती है।

3. (क) भारतीय सैनिकों में देशभक्ति, सजगता, साहस, धैर्य और अनुशासन के गुण होते हैं।

(ख) वायुसेना के कार्य- (1) दुर्गम स्थानों में युद्ध कर रहे थल सैनिकों को अतिरिक्त सहायता पहुँचाने का कार्य करती है। (2) घायलों को अस्पताल तक ले जाने का कार्य करती है। (3) संकट में घिरे नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाने का कार्य करती है।

(ग) सेना के तीनों अंगों के अपने अलग-अलग प्रशिक्षण विद्यालय हैं, जहाँ देश के नवयुवक और नवयुवतियों को प्रशिक्षित किया जाता है। इन विद्यालयों के कठोर अनुशासन के वातावरण में प्रशिक्षित होकर ये युवक और युवतियाँ हमारे देश की सेनाओं का गौरव बढ़ाते हैं।

(घ) सेना के वीर सैनिक हरदम चौकस रहकर देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हैं। संकट के समय सेना नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर ले जाती है और उनके लिए अन्न, वस्त्र आदि जरूरत की वस्तुओं को पहुँचाती है।

4. (1) समुद्री (2) भारतीय (3) बहादुरी (4) सजगता (5) सराहनीय।

5.

विशेषण	**संज्ञा शब्द**
गहरा	गहराई
अच्छा	अच्छाई
जागरूक	जागरूकता
सजग	सजगता
सतर्क	सतर्कता
कुशल	कुशलता
मधुर	मधुरता

भाषा अध्ययन

1.

सेना—	थल	थलसेना
	नौ	नौसेना
	वायु	वायुसेना
	भारतीय	भारतीय सेना
	बाल	बाल सेना
भावना—	सेवा	सेवा भावना
	दया	दया भावना
	भक्ति	भक्ति भावना
	हीन	हीन भावना
	उच्च	उच्च भावना

2.

मूल शब्द	**प्रत्यय**	**नए शब्द**
सेना	इक	सैनिक
प्रकृति	इक	प्राकृतिक
साहस	इक	साहसिक
सम्मान	इत	सम्मानित
राष्ट्र	ईय	राष्ट्रीय
भारत	ईय	भारतीय
बहादुर	ई	बहादुरी
गरीब	ई	गरीबी

3.

एकवचन	**बहुवचन**
लड़की	लड़कियाँ
कतार	कतारें
विपदा	विपदाएँ
घोड़ा	घोड़ों/घोड़े
आँख	आँखें
सीमा	सीमाएँ
बहू	बहुएँ

4.

शब्द	**मूल**	**उपसर्ग**	**प्रत्यय**
सुरक्षित	रक्षा	सु	इत
प्रशिक्षित	शिक्षा	प्र	इत
सजगता	जग	स	ता

5. (क) अक्षय 26 जनवरी को दूरदर्शन पर परेड देख रहा था।

(ख) कतारों में चलते घोड़े और ऊँटों पर बैठे सैनिकों की शान ही निराली थी।

(ग) अक्षय मन-ही-मन एक संकल्प कर बैठा।

(घ) थल सेना में सैनिकों की संख्या सबसे अधिक होती है।

6. संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	क्रिया
(अ) पुस्तकालय, सेना, पुस्तक	उसने	भारतीय, नायक	पढ़ने, ली
(ब) थल सेना, सैनिक भूमि, थल, युद्ध	—	—	करते हैं
(स) सेना, अंगों, प्रशिक्षण, विद्यालय	अपने-अपने	तीनों	हैं

योग्यता विस्तार

1. मैं वंदन की धरती से,
अभिनंदन करने आया हूँ,
नवयुग का कलमकार मैं
नन्हीं कलम लाया हूँ,
हुँकार बनकर शब्द बाण से
राष्ट्र भावना भरता हूँ,
पौरुष भारत का गढ़ने को,
राष्ट्रवाद पर पढ़ता हूँ
एक एक शब्द बाण हो मेरे,
जाए सीधे उस हृदय पर,
जहाँ भारत माता खोई हो,
जाग जाए वो सोए पौरुष
ऐसी कोई बोली हो,
जिसके खातिर कलम मेरी,
कलम मेरी हुँकार भरे,
और कोई राष्ट्रवादी,
राष्ट्रवादी निर्माण करे।

2. **परमवीर चक्र**—कैप्टन विक्रम बत्रा, अब्दुल हमीद, अलबर्ट एक्का, बाना सिंह, मनोजकुमार पाण्डेय, योगेन्द्र सिंह यादव, शैतानसिंह भाटी, जोगिंदर सिंह, धनसिंह थापा, गुरबचन सिंह सालारिया, पीरू सिंह शेखावत, जदुनाथ सिंह।
महावीरचक्र—मेजर विवेक गुप्त, राजेश अधिकारी, सोनम वांगचुक, बलवान सिंह, गुरविन्दर सिंह, इमली अकूम।
अशोक चक्र—कमलेश कुमारी, के. एन. एस. नेगी, जे. पी. यादव, हर्ष यादव, हर्ष उदय गौड़, सुधीर कुमार।

3. 'राष्ट्र के प्रहरी' सेना में भर्ती हुए बिना भी हम निम्न प्रकार से बन सकते हैं-
   1. राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.सी.सी.) के कैडेट बनकर।
   2. प्रादेशिक सेना में शस्त्र प्रशिक्षण लेकर।
   3. संकट के समय सेना तथा नागरिकों की सहायता करके।
   4. प्राकृतिक आपदाओं के समय अपना सहयोग देकर।

18. रानी अवन्तीबाई

बोध प्रश्न

1.

शब्द	अर्थ
सूरमा	— वीर
घातक	— विनाशकारी, गम्भीर
कूटनीति	— चालाकी भरी नीति, छिपी चाल
भयभीत	— डरा हुआ
मर्यादा	— इज्जत, सीमा
पुनीत	— पवित्र
जोधा	— योद्धा, वीर
जाहर	— प्रकट
बायाना	— पेशगी
डंडिन	— चक्कर
खों	— को
करवी	— पशुओं का चारा या खाना
दौरा	— चक्कर, भ्रमण
मारग	— मार्ग, रास्ता
गाहि	— पकड़कर
उछाल	— उत्साह
विक्रम	— पराक्रम
भूपै	— राजा
सुदृढ़	— मजबूत
विश्वस्त	— विश्वास के योग्य
बैरन	— शत्रु, दुश्मन
स्वराज	— अपना राज्य
पिट्ठू	— पिछलगा, अनुयायी
अल्प वयस्क	— कम आयु का

2. (क) किसानों के कानों में भुवन के गाए आल्हा की धुन गूँज रही थी।

(ख) रामगढ़ की रानी अवन्तीबाई थी।

(ग) अवन्तीबाई का जन्म 16 अगस्त, 1831 को सिवनी जिले के मनकहड़ी गाँव में जमींदार राव जुझार सिंह लोधी के घर में हुआ था।

(घ) रानी अवन्तीबाई का विवाह सन् 1849 में रामगढ़ के राजकुमार विक्रमाजीत सिंह (विक्रमादित्य) के साथ हुआ था।

(ङ) अंग्रेजों ने राजा विक्रमाजीत सिंह को अल्प वयस्क बताकर रामगढ़ की गद्दी से उतार दिया। इसी दु:ख के कारण वे बीमार पड़ गये।

(च) रानी अवन्तीबाई ने 1857 में राजा शंकर शाह से मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति आरम्भ कर दी, इस क्रान्ति में उनकी प्रजा भी उनके साथ थी। शंकर शाह व उनके पुत्र को अंग्रेजों ने बन्दी बनाकर तोप से उड़वा दिया, तब रानी ने अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। पिट्ठू अधिकारियों को बाहर निकालकर स्वयं शासन किया।

(छ) कैप्टन वाडिगंटन ने जबलपुर से अंग्रेजी सेना बुलाई और अवंतीबाई को घेरना प्रारम्भ किया। चारों ओर से घिरी रानी अवन्तीबाई को अपना रामगढ़ का किला खाली करना पड़ा। उन्होंने देवहारगढ़ पर अपना मोर्चा जमाया। कैप्टन ने देवहारगढ़ की पहाड़ी पर हमला कर दिया जिसमें रानी अवन्तीबाई को अपने प्राणों की बलि देनी पड़ी।

(ज) मदन भट्ट रानी अवन्तीबाई का विश्वसनीय दूत था। उसने कवित्त में रानी अवन्तीबाई में दया, दानशीलता और शूरवीरता के तीन गुण बताकर उनकी तुलना सूर्य से की है।

3. (1) एक युग जन्म लै, कीन्हे उजागर कुल, जाहर जहान भई, दुर्गा महारानी है।

(2) मुगल शहनशाह अकबर से टक्कर लै राखी मर्यादा जिमि अमर कहानी है।

4. (1) वीरों (2) मनकहड़ी (3) आल्हा और रामचरितमानस (4) शेरसिंह (5) देवहारगढ़

भाषा अध्ययन

1. छात्र स्वयं करें।

2.

शब्द	**तत्सम रूप**
कारज	कार्य
मरियादा	मर्यादा
धरती	धरित्री
सूर	शूर
बरस	वर्ष
जोधा	योद्धा

3. (क) भारतभूमि कभी वीरों से खाली नहीं रही है।

(ख) सतपुड़ा पर्वत की घाटियाँ रानी अवन्तीबाई की जय-जयकार से गुंजायमान हो उठी थीं।

(ग) रानी अवन्तीबाई ने अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया।

(घ) वह स्थान रानी टीला के नाम से जाना जाता है।

4. **प्राचीन**—पहाड़ी पर एक प्राचीन मन्दिर है। (काल से सम्बन्धित विशेषण)

लम्बा—देखो! कितना लम्बा आदमी है। (आकार से सम्बन्धित विशेषण)

नया— हमारे घर कल एक नया टी.वी. आया है। (गुणदोष सम्बन्धित विशेषण)

हरा— मेरे घर का रंग हरा है। (रंग से सम्बन्धित विशेषण)

भारी— वहाँ एक भारी अलमारी है। (आकार से सम्बन्धित विशेषण)

पीला— सरसों का फूल पीला होता है। (रंग से सम्बन्धित विशेषण)

भला—राम एक भला व्यक्ति है। (गुण से सम्बन्धित विशेषण)

गोल— यह गेंद गोल है। (आकार से सम्बन्धित विशेषण)

5. 1. **हाँ में हाँ मिलाना**—जी हुजूरी करना, चापलूसी करना।

वाक्य प्रयोग—राधा अपने स्वार्थ के लिए हर किसी की हाँ में हाँ मिलाती है।

2. **सोने पर सुहागा**—अच्छे पर और अच्छा होना।

वाक्य प्रयोग—दीपावली के अवसर पर बोनस मिलने की खबर सुनकर तो सोने पर सुहागा हो गया।

3. **पंजे में जकड़ना**—कब्जा करना।

वाक्य प्रयोग—विदेशी कम्पनियों ने भारत के उपभोक्ता बाजार को अपने पंजे में जकड़ लिया है।

4. **हृदय जीत लेना**—प्रसन्न करना।

वाक्य प्रयोग—राम ने अपनी बातों से सबका हृदय जीत लिया।

5. **प्राणों की भीख माँगना**—दया की याचना करना।

वाक्य प्रयोग—युद्ध के मैदान में कायर पुरुष सदैव प्राणों की भीख माँगता है।

6. **नाक में दम करना**—परेशान करना।

वाक्य प्रयोग—रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों की नाक में दम कर दी।

7. **होनहार बिरवान के होत चीकने जात**—होनहार के लक्षण आरम्भ में ही दिखाई दे जाते हैं।

वाक्य प्रयोग—रानी अवन्तीबाई ने बचपन में ही युद्ध कला सीख ली थी। किसी ने ठीक ही कहा है कि होनहार बिरवान के होत चीकने पात।

8. **अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता**—अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता।

वाक्य प्रयोग—धोनी ने पारी के अन्त तक बल्लेबाजी की फिर भी भारत हार गया। किसी ने ठीक कहा है कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।

9. **काला अक्षर भैंस बराबर**—बिना पढ़ा-लिखा, अनपढ़।

वाक्य प्रयोग—गीता भला किताब कैसे पढ़ सकती है! उसके लिए तो काला अक्षर भैंस बराबर है।

10. **मुख में राम बगल में छुरी**—मुँह में मीठी बातें करना किन्तु हृदय में द्वेष रखना।

वाक्य प्रयोग—अंग्रेजी शासनकाल में लोग मुख में राम बगल में छुरी रखते थे।

6.

शब्द	**विलोम शब्द**
वर्तमान	भूत
रानी	राजा
समीप	दूर
जीत	हार
बालिका	बालक

योग्यता विस्तार

1. मंगल पाण्डे, रानी लक्ष्मीबाई, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ, भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, रानी अवन्तीबाई, तिलक माँझी, तांत्या टोपे, कुँवर सिंह।
2. महारानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, अहिल्या बाई, झलकारी बाई, बेगम हजरत महल, चाँदबीबी, देवी चेन्नमा।
3. यदि मैं रानी अवंतीबाई की सेना में होता तो अंग्रेजों का सामना बहादुरी के साथ करता। रानी की रक्षा के लिए अपने प्राणों का भी त्याग कर देता। रानी के घायल हो जाने पर उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उनका उचित इलाज करवाता।
4. 1. **महारानी लक्ष्मीबाई**—ये देशभक्ति और राष्ट्र गौरव की जीती-जागती मिसाल थीं। वे अंग्रेजों के साथ आखिरी साँस तक लड़ी थीं।

2. **सरोजिनी नायडू**—1925 में यह कांग्रेस की दूसरी महिला अध्यक्ष बनी थीं। वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का प्रतीक बनीं।

3. **कमलादेवी चटोपाध्याय**—1930 में इन्होंने नमक सत्याग्रह में भाग लिया। इन्होंने सत्याग्रह में शामिल होने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया।

4. **विजयलक्ष्मी पंडित**—यह तीन बार जेल गईं। (सन् 1932, 1940, 1942 में) इन्होंने नमक सत्याग्रह आन्दोलन का नेतृत्व भी किया।

19. मैं और मेरा देश

बोध प्रश्न

1. **शब्द** **अर्थ**

आग्रह — अनुरोध
लांछित — कलंकित
श्रेष्ठ — अति उत्तम
दुर्लभ — बहुत मुश्किल से मिलना, कठिनाइयों से मिलने वाला
आघात — प्रहार
आचरण — व्यवहार, चरित्र
सुरक्षित — अच्छी तरह से रक्षा किया हुआ
शिष्ट — शुद्ध आचरण वाला
अपशब्द — गलत शब्दों का उपयोग, गाली
प्रतिष्ठा — मान, गर्व
मुग्ध — मोहित
वर्जित — मनाही होना
निषिद्ध — रोका गया
पुस्तकालय—पुस्तक रखने का स्थान
ठेलम-ठेल — धक्का मारना
विलम्ब — देरी

2. (क) जापान की यात्रा भारतवर्ष के महान संत स्वामी रामतीर्थ जी कर रहे थे।

(ख) स्वामी रामतीर्थ के लिए फल एक जापानी युवक लेकर आया था। उसने फलों के मूल्य के रूप में स्वामी से कहा कि वे अपने देश लौटने पर किसी से यह न कहें कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते हैं।

(ग) हमारे द्वारा अच्छा या बुरा कार्य सीधे तौर पर हमारे देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा होता है। जब हम कोई अच्छा कार्य करते हैं, तो उससे हमारे साथ-साथ देश का भी सिर ऊँचा होता है और देश का गौरव बढ़ता है। जब हम कोई बुरा कार्य करते हैं तो उससे सिर्फ हमारे माथे पर ही कलंक का टीका नहीं लगता, बल्कि देश का भी सिर नीचा होता है।

(घ) यदि हम उस जापानी युवक की जगह होते तो हम भी वही करते जो जापानी युवक ने किया।

(ङ) जब हम कोई श्रेष्ठ कार्य करते हैं तो उससे हमारा ही सिर ऊँचा नहीं होता बल्कि देश का भी सिर ऊँचा होता है और उसका गौरव बढ़ता है।

(च) हम अपने देश की तुलना दूसरे देशों से धर्म, संस्कृति, शासन व्यवस्था व आर्थिक समृद्धि के आधार पर करते हैं।

3. (क) (3) वह नहीं चाहता था कि स्वामी जी अपने देश में बताएँ कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।

(ख) (3) पुस्तकालय की पुस्तक से दुर्लभ चित्र चुराए।

4. (अ) 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)

भाषा अध्ययन

1. **आग्रह** — राम के बार-बार आग्रह से मैं रुक गया।

दुर्लभ — वन में अनेक दुर्लभ पेड़ दिखाई देते हैं।

गौरव — हमें अपने देश का गौरव सदा बढ़ाना चाहिए।

आघात — स्वाभिमानी व्यक्ति गरीबी का आघात एक बार सह सकता है किन्तु अपमान का नहीं।

प्लेटफार्म — रेलगाड़ी प्लेटफार्म पर खड़ी है।

मुग्ध — शिशु की मुस्कान माँ को मुग्ध कर देती है।

वांछित — कृपया वांछित वस्तु का नाम बताइए।

2. **शब्द** **विलोम शब्द**

ताजा बासी

दुर्लभ	सुलभ
श्रेष्ठ	हीन
सुरुचि	कुरुचि
स्वीकार	अस्वीकार

3. **सिर ऊँचा करना** — सम्मान बढ़ाना।

वाक्य प्रयोग — आज तुमने अपने बलिदान से पूरे समाज का सिर ऊँचा कर दिया।

कलंक का टीका लगाना— बदनामी करना।

वाक्य प्रयोग—हरी ने चोरी करके पूरे परिवार पर कलंक का टीका लगा दिया।

प्रतिष्ठा पर आँच आना — सम्मान घटना।

वाक्य प्रयोग— बेटे के गलत कार्यों की वजह से पिता की प्रतिष्ठा पर आँच आ गई।

इधर-उधर की हाँकना—व्यर्थ की बातें करना।

वाक्य प्रयोग—गीता तो हमेशा इधर-उधर की हाँकती रहती है।

4.

हिन्दुस्तान	हिन्दुस्तानी
नेपाल	नेपाली
भूटान	भूटानी
गुजरात	गुजराती
बंगाल	बंगाली
पंजाब	पंजाबी
तिब्बत	तिब्बती

5. (क) पुलिस ने कई चित्र बरामद किये।
(ख) बालकों ने कई खिलौने खरीदे।
(ग) बालिकाओं ने कई पुस्तकें खरीदीं।
(घ) रमेश ने कई पेन खरीदे।

6. (क) हम अपनी पुस्तक पढ़ते हैं।
(ख) परमात्मा के अनेक नाम हैं।
(ग) बैल और गाय साथ-साथ चर रहे हैं।
(घ) गुलाब की एक माला लाओ।
(ङ) राम के पास केवल एक पुस्तक है।

1. देश 2. जापान 3. प्रतिष्ठा
4. व्यवहार 5. मोह।

योग्यता विस्तार

1. किशोर भगतसिंह कक्षा में बैठे विचारों में तल्लीन थे। इसी बीच कक्षा में इंस्पेक्टर ने प्रवेश किया। सभी विद्यार्थी उनके सम्मान में खड़े हो गए लेकिन भगतसिंह उसी विचार मुद्रा में अपने स्थान पर बैठे रहे। उन्हें देखकर इंस्पेक्टर ने पूछा— ''बेटे! तुम किस विचार में खोए हुए थे?"

आजादी के बारे में, भगतसिंह ने कहा।

लेकिन बेटे, आजादी उतनी आसानी से नहीं मिल सकती-जितनी आसान तुम समझते हो— इंस्पेक्टर बोला।

"आसान होता नहीं श्रीमान, बल्कि बनाया जाता है। मैं एक न एक दिन देश को आजाद करवाकर ही दम लूँगा," भगतसिंह ने विश्वासपूर्वक उत्तर दिया।

"'शाबास बेटे', तुम धन्य हो। तुम्हें आजादी की कीमत मालूम है।" यह कहकर इंस्पेक्टर आगे बढ़ गए।

2. एक बार की बात है, जब बाल गंगाधर तिलक छोटे थे और स्कूल जाया करते थे तब एक दिन उनकी कक्षा में कुछ लड़कों ने मूँगफली खाकर छिलके वहीं फेंक दिए। इससे पूरी कक्षा गंदी हो गई थी और देखने में बिल्कुल अच्छी नहीं लग रही थी।

परन्तु तिलक छोटे थे, वह कर भी क्या सकते थे। उन्होंने सिर्फ अपनी किताब पर ध्यान दिया और पढ़ते रहे।

कुछ समय के पश्चात् जब वहाँ पर अध्यापक आये और उन्होंने इस प्रकार कक्षा को गंदा पाया तो वह बहुत क्रोधित हुए। उनके पूछने पर किसी ने नहीं बताया कि क्लास किसने गन्दी की। अध्यापक ने सबको छड़ी से मारना शुरू कर दिया।

वह सभी बच्चों को मारने लगे। जब तिलक की बारी आई तो उन्होंने अपना हाथ मार खाने के लिए नहीं बढ़ाया। अध्यापक के कहने पर उन्होंने कहा, ''मैं क्यों मार खाऊँ मैंने तो क्लास गन्दी नहीं की है।''

यह सुनकर अध्यापक क्रोधित हो गए और उसकी शिकायत प्रधानाचार्य से कर दी, प्रधानाचार्य ने उनके पिताजी को बुलवाया। अगले दिन पिताजी ने जवाब दिया, "वह मूँगफली नहीं खा सकता क्योंकि मूँगफली खरीदने के लिए उसके पास पैसे नहीं थे।"

तिलक अन्याय के सामने नहीं झुके। उनका कहना था कि यदि आप अन्याय नहीं करते तब उसके सामने कभी झुकना मत। यदि उस दिन तिलक जी मार खा जाते तो शायद उनका साहस वहीं पर समाप्त हो जाता और वह जीवन में सेनानी न कहलाते।

शिक्षा—इस प्रेरक प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि आप अन्याय के सामने कभी न झुकें चाहे झुकाने वाला कितना भी बड़ा क्यों न हो।

3. **पाठ के आधार पर अच्छी आदतों की सूची—**
   1. हमें अपने साथ-साथ देश का भी सम्मान करना चाहिए।
   2. बसों, रेलों, मुसाफिरखानों में कभी भी देश की बुराई नहीं करनी चाहिए।
   3. केला खाकर छिलका रास्तों में नहीं फेंकना चाहिए।
   4. इधर-उधर कहीं पर भी थूकना नहीं चाहिए।
   5. मेलों, रेलों तथा उत्सवों आदि में कहीं भी ठेलमठेल नहीं करनी चाहिए।
   6. निमंत्रित होने पर कभी विलंब से नहीं पहुँचना चाहिए।
   7. अपनी संस्कृति और सम्मान का ख्याल रखना चाहिए।
4. घर में अतिथि के आने पर सबसे पहले हम प्रेमपूर्वक उनका स्वागत करते हैं। आदर से उन्हें बैठने के लिए कहते हैं। फिर आदरपूर्वक उनका हाल-चाल पूछकर जलपान करवाते हैं।
5. जापानी युवक ने जो किया, वही हम भी करेंगे।

20. उज्जयिनी

बोध प्रश्न

1. **शब्द** — **अर्थ**

परिवार जन— परिवार के लोग
शोभा — सुन्दरता
ऐतिहासिक— इतिहास सम्बन्धी
भव्य — विशाल
दर्शनीय — देखने योग्य
कर्मभूमि — कार्यक्षेत्र

2. (क) सभी बच्चों ने यात्रा हेतु उज्जैन जाना तय किया।
   (ख) उज्जयिनी की प्रमुख पहचान महाकाल मन्दिर है। इसकी गिनती भारत के प्रमुख बारह ज्योतिर्लिंगों में होती है।
   (ग) उज्जैन का गोपाल मन्दिर छतरी चौक में स्थित है।
3. (क) सान्दीपनि श्रीकृष्ण, बलराम और सुदामा के गुरु थे।
   (ख) उज्जैन की वेधशाला जयपुर के राजा जयसिंह द्वितीय ने बनवाई। इनको बनवाने का उद्देश्य नक्षत्रों और ग्रहों की गति व स्थिति का पता लगाना था।
   (ग) जिनकी कर्मभूमि उज्जैन रही है ऐसे राष्ट्रीय कवि हैं— श्रीकृष्ण 'सरल' एवं शिवमंगल सिंह 'सुमन' हैं।
4. महान राजा — विक्रमादित्य
   कुम्भ मेला — बारह वर्ष
   सान्दीपनि आश्रम — श्रीकृष्ण, बलराम
5. (क) तीर्थों (ख) विक्रमादित्य
   (ग) वेधशाला (घ) सिंहस्थ

भाषा अध्ययन

1. छात्र स्वयं करें।
2.

शब्द	**विलोम शब्द**
रात्रि	दिन
दूर	पास
स्वदेश	परदेस
अपना	पराया
ऊँचा	नीचा
भला	बुरा

3. 1. भूतकाल 2. भविष्य काल
   3. वर्तमान काल 4. भूतकाल
   5. वर्तमान काल 6. भविष्य काल
   7. भूतकाल

   वर्तमान काल — आ रहा है, खा रही है।
   भूतकाल— गा रही थी, बरसा था, जा रहा था
   भविष्यकाल— जाएगा, हो जाओगे।
4. गणेश — गजानन, गणपति
   पुत्री — बेटी, सुता

कान — कर्ण, श्रवण
मित्र — दोस्त, सखा

5. छोटे-छोटे कल-कल
लम्बी-लम्बी बड़े-बड़े
इसी प्रकार के कुछ और शब्द—
कभी-कभी घर-घर
बार-बार जाते-जाते
खेलते-खेलते चलते-चलते

6. **शब्द पर्यायवाची**
रुचि — चाह, इच्छा, अभिलाषा।
शाम — संध्या, साँझ, प्रदोषकाल।
मजा — खुशी, हर्ष, आनन्द।

7. (क) इस गद्यांश का शीर्षक 'मेला' है।
(ख) मेले में खिलौनों, मिठाइयों, फलों, चाट, पकौड़ी और कपड़ों की दुकानें सजी थीं।
(ग) दीपक ने अपनी बहिन के लिए माला खरीदी और मीना ने अपने छोटे भाई के लिए चाबी वाला हवाई जहाज खरीदा।

योग्यता विस्तार

1. **घर के काम**

- हर चीज अपनी जगह पर रखना, जैसे—स्कूल बैग, कपड़े, जूते।
- जूते की पॉलिश करना, पूजा करना।

घर के बाहर के काम

- दादा-दादी को बगीचे में ले जाना
- छोटी बहन को अपने साथ विद्यालय ले जाना और लाना।
- घर के लिए जरूरी सामान बाजार से लाना।
- पड़ोसियों को बुलाने जाना।

2. मेरे गाँव के पास में प्राचीनकालीन हनुमान मंदिर है। यहाँ पर एक भव्य मेले का आयोजन होता है। जहाँ हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होती है। इस मेले का आयोजन प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को किया जाता है। यहाँ दूर-दूर से श्रद्धालु लोग आते हैं। वे यहाँ पूजा-अर्चना करते हैं। मेले में खाद्य उपदेशक, वस्त्र, गहने, हस्तशिल्प और खिलौने खरीदने का अवसर मिलता है।

3. छात्र स्वयं करें।

21. प्रेरक प्रसंग

बोध प्रश्न

1. **शब्द अर्थ**
आसक्ति — किसी वस्तु के प्रति विशेष रुचि
पद कमल — कमल के समान कोमल एवं सुन्दर पैर
निमग्न — लीन
सृष्टि — जगत, संसार
उत्कर्ष — उन्नति
अभिभूत — प्रभावित
कृत्य — कर्म
आरोग्य — स्वस्थता
स्फूर्ति — फुर्ती, तेजी
अंत्येष्टि — मृतक कर्म
चित्तशुद्धि — मन की शुद्धि
तुच्छ — महत्वहीन
अल्प — कम
अनमोल — कीमती
प्रभा — प्रकाश, तेज
अमरत्व — अमरता
वेदनाएँ — कष्ट, दुख
देहशुद्धि — शरीर की शुद्धता
अमूल्य — अनमोल

2. (क) पुंडलीक से भेंट के लिए पाडुरंग दौड़े आए।
(ख) पुंडलीक अपने माता-पिता की सेवा कर रहा था।
(ग) गंगा ने शंकर के जटाजूट में वास किया है।

(घ) सूर्य नमस्कार करने से शरीर स्वस्थ रहता है। साथ ही बुद्धि की प्रभा फैलती है।

(ङ) आत्मा का स्वरूप अमर है।

3. (क) फल त्याग (ख) सुकरात (ग) अमर

भाषा अध्ययन

1. छात्र स्वयं करें।

2.

	अशुद्ध		शुद्ध
1.	अकलमंदी	–	अक्लमंदी
2.	हाइडरोजन	–	हाइड्रोजन
3.	वयायाम	–	व्यायाम
4.	तपसया	–	तपस्या
5.	निमगन	–	निमग्न

3.

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
आसक्ति	विरक्ति	स्वर्ग	नरक
पवित्र	अपवित्र	शुद्ध	अशुद्ध

4. माता– माँ, जननी।
पिता– पितृ, जनक।
गंगा– देवनदी, सुरसरी।
कमल– पंकज, नीरज।

योग्यता विस्तार

1. हम अपने माता-पिता का सम्मान करते हैं तथा उनकी आज्ञा का पालन करते हैं। उनकी सलाह लेकर कार्य करते हैं तथा उनके बनाये नियमों पर चलते हैं। घरेलू कार्यों में उनकी मदद करते हैं; जैसे–उनके खाना पकाने, सफाई, कपड़े धोने इत्यादि में।

2. मध्यप्रदेश की पवित्र नदियाँ नर्मदा, चम्बल, ताप्ती, सोन एवं पार्वती हैं–

नर्मदा नदी– यह राज्य की सबसे बड़ी नदी है। नर्मदा नदी का उद्‌गम मध्यप्रदेश के अनूप पुर जिले में विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत श्रेणियों के पूर्व संधिस्थल पर सबसे ऊँची चोटी अमरकंटक के नर्मदा कुंड से हुआ है। नर्मदा नदी को रेखा के नाम से जाना जाता है।

चम्बल नदी–यह मध्यप्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी नदी है। चम्बल नदी का उद्‌गम राज्य में इन्दौर जिले के मऊ तहसील की जनापाव पहाड़ी से हुआ है।

बेतवा नदी–बेतवा नदी का प्राचीन नाम वेत्रवती था। इसका उद्‌गम विन्ध्याचल श्रेणी में रायसेन जिले के कुमरा गाँव में महादेव पहाड़ी से होता है।

सोन नदी–इसका उद्‌गम अनूपपुर जिले में स्थित मेकल श्रेणी की अमरकंटक चोटी के निकट से हुआ है।

क्षिप्रा नदी–इसका उद्‌गम इन्दौर के निकट काकरी बरड़ी पहाड़ी से होता है। इस नदी को ''मालवा की गंगा'' भी कहा जाता है।

3. सूर्य नमस्कार, सूर्यदेव को सम्मान देने का एक प्राचीन योग अभ्यास है, सूर्य नमस्कार सात अलग-अलग चरणों में चक्रीय रूप से किया जाता है। यह एक असरदार कार्डियोवस्कुलर वर्कआउट माना जाता है। यह शरीर और दिमाग के लिए लाभकारी माना जाता है। सूर्य नमस्कार के 12 आसन हैं– प्रणामासन, हस्तोत्तानासन, हस्तपादासन, अश्व संचालनासन, दंडासन, अष्टांग नमस्कार, भुजंगासन, अधोमुख श्वानासन, अश्व संचालासन, पाद हस्तासान, हस्त उन्ननासन, प्राणामासन।

4. छात्र स्वयं करें।

निर्देश–

1. कृष्ण–वासुदेव और देवकी की 8वीं संतान थे और भगवान विष्णु के आठवें अवतार थे। उन्होंने दुष्ट मामा कंस का वध किया था। भगवान कृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र युद्ध के प्रारम्भ में गीता उपदेश दिया था।

22. उन्नत खेती-उत्तम खेती

बोध प्रश्न

1.

शब्द		अर्थ
देहावसान	–	निधन, मृत्यु
जिम्मेदारी	–	कार्यभार
रासायनिक	–	रसायन से सम्बन्धी
प्रबंधन	–	व्यवस्था
जैविक	–	वनस्पति
उर्वरता	–	उपजाऊपन

कीटनाशक – कीटों को मारने वाली दवा
मुआवजा – क्षतिपूर्ति
खरपतवार – घास
प्राकृतिक – प्रकृति से संबंधित
स्वीकृत – मंजूर
रोपण – रोपने का कार्य
अनुदान – ऋण
टोटका – किसी बाधा को दूर करने के लिए किया गया उपाय
बान – व्यापार
मावठ – सर्दी के मौसम में होने वाली वर्षा को मावठ कहते हैं, मावठ राजस्थानी शब्द है जिसका अर्थ है ''माघ वृष्टि''।
चाकरी – नौकरी
निकृष्ट – निम्न, बुरा कार्य
पलायन – भागना

2. (क) राजेन्द्र के परिवार की आय का साधन कृषि था।
(ख) राजेन्द्र ने धान की अच्छी उपज और जल्दी पकने वाले बीज अच्छी दुकान से लिए तथा धान की पौधारोपण पद्धति से रोपाई की।
(ग) फसल खराब होने पर सरकार किसानों को फसल बीमा द्वारा आर्थिक मदद देती है।
(घ) जैविक खाद खेती की उर्वरता बढ़ाने के लिए उपयोगी है।
(ङ) राजेन्द्र ने अपनी आय बढ़ाने के लिए फसलों के अतिरिक्त गाय-भैंस पाले, गोबर गैस संयंत्र लगाया, मधुमक्खी पालन का काम शुरू किया।
(च) प्रशासन ने राजेन्द्र को सम्मानित करने का निर्णय इसलिए लिया था क्योंकि राजेन्द्र द्वारा आधुनिक खेती के तौर-तरीके, बैंकों, कृषि अधिकारी, ग्राम पंचायत आदि का सहयोग लेकर उत्तम खेती की थी।

3. (क) (ब) बैंक से
(ख) (स) उन्नत बीज, खाद व कीटनाशक
(ग) (द) (ब) और (स) दोनों से
(घ) (स) रोपण विधि से बोना

4. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही।

भाषा अध्ययन

1 (क) कही गई बातों को अनसुना करना।
(ख) एक काम करने का दुगना मुनाफा, दोहरा लाभ प्राप्त होना।
(ग) एक का प्रभाव दूसरे पर अवश्य पड़ता है।
(घ) खेती का पेशा श्रेष्ठ, द्वितीय कोटि का व्यापार, नौकरी उससे भी नीचा और भिक्षावृत्ति जीवन निर्वाह करने के लिए है।

2. बैंक, पंप, ड्रिप, स्प्रिंगलर, बीमा, पाइप।

3. प्राकृतिक = प्रकृति + इक
रासायनिक = रसायन + इक
जैविक = जैव + इक
प्रशासनिक = प्रशासन + इक

4. देहावसान = देह + अवसान
सदुपयोग = सद् + उपयोग
अधिकांश = अधिक + अंश
राजेन्द्र = राज + इन्द्र

5.

रुपये	पूँजी	जिम्मेदारी	उत्तरदायी
नुकसान	हानि	जरूरत	आवश्यकता
शुरू	प्रारंभ	फैसला	निर्णय
खुशी	प्रसन्नता	जमीन	भूमि
तरीका	ढंग		

6. (क) राजेन्द्र ने अपनी माँ से कहा।
(ख) हरीश वर्मा ने राजेन्द्र से कहा।

योग्यता विस्तार

1. कृषि से सम्बन्धित कहावत–
1. उत्तम खेती मध्यम बान।
अधम चाकरी भीख निदान।।
2. भूमि न भुमियाँ छोड़िये,
बड़ों भूमि को वास।

भूमि बिहीनी बेल जो,
पल में होत बिनास।।

3. असाड़ साउन करी गमतरी,
कातिक खाये पुआ।
मोय बहिनियां पूछन लागे,
कातिक किता हुआ।।

4. उत्तम खेती आप सेती,
मध्यम खेती भाई सेती।
निकृष्ट खेती नौकर सेती,
बिगड़ गई तो बलाय सेती।।

3.

खेती के परम्परागत तरीके	खेती के आधुनिक तरीके
हलों के माध्यम से बैलों द्वारा खेती की जाती थी।	मशीनों द्वारा खेती की जाती है।
जैविक खेती ज्यादा होती थी।	जैविक खेती ज्यादा नहीं होती है।
सिंचाई के लिए नदी-तालाबों एवं कुओं का प्रयोग किया जाता था।	सिंचाई के लिए नलकूपों, ट्यूबवेलों का प्रयोग किया जाता है।

4. **मावठ —** राजस्थान में शीत ऋतु में होने वाली वर्षा को मावठ कहते हैं।

आम्र वर्षा — केरल और कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में मानसून से पहले होने वाली वर्षा को आम्र वर्षा कहते हैं।

23. शिक्षा एवं समाज सुधार के पुरोधा: ज्योतिबा एवं सावित्रीबाई फुले

बोध प्रश्न

1.

शब्द		अर्थ
समरसता	—	एक समान भाव
जीवनपर्यन्त	—	जीवित रहने तक
प्रबल	—	बलवान
पक्षधर	—	तरफदार
तत्कालीन	—	उस समय का
माध्यम	—	साधन, जरिया
विद्वेष	—	शत्रुता, बैर, जलन
उत्थान	—	विकास, सुधार

2. (क) फुले दंपति के समय सामाजिक परिवेश में सामाजिक विषमता तथा ऊँच-नीच का बोलबाला था।

(ख) ज्योतिबा मानव के विकास में अंधविश्वास एवं कुरीतियों को बाधा मानते थे।

(ग) फुले दंपति ने अपने जीवन में प्रतिदिन होने वाले सामाजिक अपमान से आगे बढ़कर स्त्री शिक्षा को मजबूत किया और पुणे में अनेक विद्यालयों की स्थापना की।

(घ) ज्योतिबा फुले के सामाजिक उत्थान सम्बन्धी कार्यों को देखकर ही जन-समुदाय ने उन्हें महात्मा की उपाधि से विभूषित किया।

(ङ) फुले दंपति ने महिलाओं व पिछड़े और अछूतों के विकास के लिए अनेक कार्य किये। समाज के सभी वर्गों को शिक्षा प्रदान करने के वे प्रबल समर्थक थे। वे सामाजिक विषमता और भेदभाव के विरुद्ध थे। इनका मूल उद्देश्य स्त्रियों को शिक्षा का अधिकार प्रदान करना, बाल विवाह का विरोध, विधवा विवाह का समर्थन करना था।

(च) सावित्री बाई फुले के साथ रूढ़िवादी लोगों ने बहुत गलत व्यवहार किया। वे उन्हें देखकर कभी हँसी उड़ाते, तो कभी भला-बुरा कहते। यहाँ तक कि कभी-कभी तो गोबर, कीचड़, पत्थर आदि भी उनके ऊपर फेंकते थे।

3. (क) पक्षधर (ख) उपाधि
(ग) शिक्षिका (घ) साहित्यकार

भाषा अध्ययन

1. छात्र स्वयं करें।

2. बालिका बालिकाएँ

शिक्षिकाओं	शिक्षिका
कविताएँ	कविता
सहयोगी	सहयोगियों
महिलाएँ	महिला
कुरीति	कुरीतियाँ
बुराई	बुराइयाँ
अच्छाइयों	अच्छाई

3. वर्ष + इक = वार्षिक
   धर्म + इक = धार्मिक
   सर्वजन + इक = सार्वजनिक
   स्वभाव + इक = स्वाभाविक
   प्रारंभ + इक = प्रारम्भिक
   समुदाय + इक = सामुदायिक
4. प्रभु + त्व = प्रभुत्व
   देव + त्व = देवत्व
   पशु + त्व = पशुत्व
   मनुष्य + त्व = मनुष्यत्व
   कृति + त्व = कृतित्व
   व्यक्ति + त्व = व्यक्तित्व
   स्व + त्व = स्वत्व

योग्यता विस्तार

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. 1. **सावित्रीबाई फुले—** प्रथम भारतीय महिला शिक्षिका।
   2. **इन्दिरा गाँधी—** प्रथम भारतीय महिला प्रधानमंत्री।
   3. **किरण बेदी—** प्रथम भारतीय आईपीएस।
   4. **मेरीकॉम—** प्रथम भारतीय मुक्केबाज।
   5. **कैप्टन प्रेमा—** प्रथम भारतीय महिला पायलट।
   6. **फातिमा बीबी—** प्रथम भारतीय न्यायाधीश (सुप्रीम कोर्ट)।

●●

व्याकरण

1. संज्ञा

मौखिक

(क) वे शब्द जिनके द्वारा किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, जाति या भाव के नाम का बोध हो, उन्हें संज्ञा कहते हैं।

(ख) संज्ञा के तीन भेद हैं- (1) व्यक्तिवाचक (2) जातिवाचक (3) भाववाचक।
संज्ञा के दो अन्य भेद हैं- पदार्थवाचक और समूहवाचक।

लिखित

(क) (1) ✓ (2) ✓ (3) × (4) × (5) ✓

(ख)

भाववाचक संज्ञा	**शब्द**
स्वत्व	स्व (सर्वनाम)
मार	मारना (क्रिया)
कालापन	काला (विशेषण)
भूल	भूलना (क्रिया)
कठोरता	कठोर (विशेषण)
अनेकता	अनेक (विशेषण)

(ग)

जातिवाचक	**व्यक्तिवाचक**	**भाववाचक**	**समूहवाचक**	**पदार्थवाचक**
नदी	कबीरदास	सुन्दरता	कक्षा	सोना
चोर	वाराणसी		सेना	पत्थर
मोर	सचिन तेंदुलकर		पुस्तकालय	
सेब	यमुना			
	दिल्ली			

(घ) 1. हिन्दी व्याकरण में संज्ञा के तीन भेद हैं। परन्तु कुछ व्याकरणशास्त्रियों ने अंग्रेजी व्याकरण के प्रभाव से संज्ञा के दो अन्य भेद भी बताए हैं।

संज्ञा के भेद उदाहरण सहित-

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा—महाभारत, लक्ष्मीबाई, यमुना, मथुरा।

(2) जातिवाचक संज्ञा—पुस्तक, पहाड़, पक्षी।

(3) भाववाचक संज्ञा—आदर, वीरता, बुढ़ापा, सुन्दरता।

(4) पदार्थवाचक संज्ञा—सोना, चाँदी, पत्थर, दूध।

(5) समूहवाचक संज्ञा—सेना, कक्षा, पुस्तकालय।

2. जातिवाचक संज्ञा में किसी सम्पूर्ण जाति का बोध होता है, जबकि व्यक्तिवाचक संज्ञा में किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध होता है।

कबीर, हिमालय, यमुना—व्यक्तिवाचक संज्ञा

लड़के, देह, पुस्तक—जातिवाचक संज्ञा।

3. **पदार्थवाचक संज्ञा—**जिन संज्ञा शब्दों से किसी पदार्थ का बोध होता है, उन्हें पदार्थवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे—सोना, चाँदी, पत्थर लकड़ी, दूध आदि।

समूहवाचक संज्ञा—जिन संज्ञा शब्दों से किसी प्राणी या वस्तु के समूह या समुदाय का बोध होता है, उन्हें समूहवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे— कक्षा, सेना, परिवार, पुस्तकालय, भीड़ आदि।

4. जिन संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, दोष, अवस्था, भाव आदि का बोध होता है, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे— आदर, वीरता, त्याग, प्रेम, बुढ़ापा।

उदाहरण—मैं तुम्हें बहुत प्रेम से रखूँगा। यहाँ प्रेम शब्द हमारे भाव का बोध करा रहा है, इसलिए यहाँ पर प्रेम शब्द में भाववाचक संज्ञा है।

(ङ) (i) विद्यालय—राम विद्यालय जाता है।

(ii) पेड़— इस पेड़ पर आम लगे हैं।

(iii) पुस्तक— राम पुस्तक पढ़ता है।

(iv) राम— राम राजा दशरथ के पुत्र थे।

6. (1) (स) जवानी (2) (अ) पुस्तक।

(3) (स) विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का। (4) (अ) किसी पूरी जाति का।

आओ कुछ करें—

1.	जातिवाचक	व्यक्तिवाचक	भाववाचक	समूहवाचक	पदार्थवाचक
	अध्यापक	सुरेश	आदर	पुस्तकालय	पानी
	लड़का	गीता	पढ़ाई	कक्षा	पत्थर

2. नदी - यमुना
   नेता - अटल बिहारी वाजपेयी
   पेड़ - नीम
   अभिनेता - कमल हसन
   अभिनेत्री - हेमा मालिनी
   फल - आम
   फूल - गुलाब
   पुस्तक - भाषा-भारती
   शहर - आगरा

2. लिंग

मौखिक

(क) संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष अथवा स्त्री जाति के होने का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।

(ख) हिन्दी भाषा में लिंग के दो भेद हैं—

(1) पुल्लिंग (2) स्त्रीलिंग।

(ग) वे शब्द जिनसे पुरुष जाति के होने का बोध होता है, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं; जैसे- आम, सुनार, बालक आदि।

(घ) वे शब्द जिनसे स्त्री जाति के होने का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे- छात्रा, गायिका, सेविका, धोबी आदि।

लिखित

(क) (1) ✗ (2) ✗ (3) ✓ (4) ✓ (5) ✓

(ख)

पड़ोसी	पड़ोसिन
नौकर	नौकरानी
शिष्य	शिष्या
हंस	हंसिनी
गुड्डा	गुड़िया

(ग) 1. वे शब्द जिनसे स्त्री जाति के होने का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; उदाहरण- छात्रा, गायिका, सेविका।

वे शब्द जिनसे पुरुष जाति का बोध होता है, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं; जैसे— छात्र, गायक, सेवक।

2. पुल्लिंग शब्दों की पहचान

(1) 'अ' और 'आ' ध्वनि से समाप्त होने वाली संज्ञाएँ प्राय: पुल्लिंग होती हैं; जैसे— पर्वत, चावल, लोक, दिखावा, पैसा, परदा, गुस्सा आदि।

(2) ग्रहों के नाम प्राय: पुल्लिंग होते हैं; जैसे- गुरु, बुध, बृहस्पति, शनि।

स्त्रीलिंग शब्दों की पहचान

(1) 'ई' और 'ऊ' ध्वनि से समाप्त होने वाले शब्द प्राय: स्त्रीलिंग होते हैं; जैसे— हिरनी, बकरी, झाड़ू, बालू आदि।

(2) नदियों के नाम प्राय: स्त्रीलिंग रहते हैं; जैसे—गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी आदि।

3. पुल्लिंग बनाने के दो नियम—

(1) जिन स्त्रीलिंग शब्दों के अन्त में 'ई' की मात्रा प्रयुक्त हुई हो, उन शब्दों में 'ई' को हटाकर पुल्लिंग बनाया जा सकता है। जैसे—पुत्री - पुत्र, दासी - दास।

(2) अनेक स्त्रीलिंग शब्दों में 'इन' प्रत्यय को हटाकर पुल्लिंग शब्द बनाए जा सकते हैं। जैसे—लुहारिन - लुहार, धोबिन - धोबी।

स्त्रीलिंग बनाने के दो नियम—

(1) पुल्लिंग शब्दों में 'आनी' प्रत्यय जोड़कर स्त्रीलिंग शब्द बनाये जा सकते हैं। जैसे—भव-भवानी, सेठ-सेठानी।

(2) अनेक पुल्लिंग शब्दों में 'इन' प्रत्यय जोड़कर स्त्रीलिंग शब्द बनाए जा सकते हैं। जैसे—लुहार-लुहारिन, धोबी-धोबिन।

(घ) (1) (ब) विद्वान (2) (ब) पुल्लिंग (3) (अ) स्त्रीलिंग।

आओ कुछ करें

1. छात्र स्वयं करें।

2.

पुल्लिंग	सम्बन्ध	स्त्रीलिंग	सम्बन्ध
विजय	पिता	गीता	माँ
अर्पित	भाई	आकांक्षा	बहन

3. वचन

मौखिक

(क) जिन शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति की संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

(ख) हिन्दी व्याकरण में वचन के दो भेद हैं- 1. एकवचन, 2. बहुवचन।

लिखित

(क) 1. चिड़ियाँ उड़ रही हैं।
2. बच्चे खेल रहे हैं।
3. गाय घास चर रही है।
4. मोहन घर चला गया है।
5. श्याम पुस्तक पढ़ रहा है।

(ख) (1) ✓ (2) ✓ (3) ✗ (4) ✓ (5) ✗

(ग)

	एकवचन	बहुवचन
(1)	चिड़िया	चिड़ियाँ
(2)	पहाड़ी	पहाड़ियाँ
(3)	कुटिया	कुटियाँ
(4)	लता	लताएँ
(5)	बहन	बहनें
(6)	संतान	संतानें
(7)	पुस्तक	पुस्तकें
(8)	आँख	आँखें

(घ) 1. शब्दों के संख्यावाचक रूप को वचन कहते हैं अथवा संज्ञा के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु के एक या एक से अधिक होने का बोध हो उसे वचन कहते हैं।

उदाहरण- लड़का भागता है।
लड़के भागते हैं।

ऊपर दिए गए दोनों उदाहरणों में थोड़ा सा परिवर्तन है, जहाँ लड़का एक होने का बोध करा रहा है, वहीं लड़के कई होने का बोध करा रहे हैं।

2. वचन के दो भेद होते हैं- एकवचन, बहुवचन।

3. **एकवचन** - किसी व्यक्ति या वस्तु के संख्या में एक होने का बोध कराने वाले शब्द एकवचन कहलाते हैं। उदाहरण- लड़का पढ़ रहा है।

बहुवचन - किसी व्यक्ति या वस्तु के संख्या में एक से अधिक होने का बोध कराने वाले शब्द बहुवचन कहलाते हैं। उदाहरण- लड़के पढ़ रहे हैं।

4. (1) एकवचन स्त्रीलिंग शब्दों के अन्त में अ के स्थान पर एँ जोड़कर बहुवचन शब्द बनाए जाते हैं। जैसे— पुस्तक-पुस्तकें, बहन-बहनें।

(2) एकवचन स्त्रीलिंग शब्दों के अन्तिम ई को इयाँ में बदलकर बहुवचन शब्द बनाए जाते हैं। जैसे— तिथि-तिथियाँ, स्त्री-स्त्रियाँ।

(ङ)

देश	देशों	आवास	आवासों
युद्ध	युद्धों	रात	रातों
गाँव	गाँवों	सैनिक	सैनिकों
लोग	लोगों	मित्र	मित्रों

(च) 1. (ब) चिड़ियाँ।
2. (स) गाय।

आओ कुछ करें

- **एकवचन**- अध्यापक, श्यामपट्ट, घड़ी, कलमदान।
  बहुवचन- कुर्सियाँ, मेजें, पुस्तकें, छात्राएँ।
- **एकवचन**- खिलौना, आम, पत्ता, गेंद।
  बहुवचन- केले, बल्ले, किताबें, धातुएँ।

4. सर्वनाम

मौखिक

(क) सर्वनाम का शाब्दिक अर्थ है- सबका नाम।

(ख) सर्वनाम शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं-
(1) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम
(2) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम तथा
(3) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम।

लिखित

(क) (1) ✓ (2) × (3) × (4) ✓ (5) ✔

(ख) उसके, उसकी, वह, अपने, उसके।

(ग) (1) वह (2) कुछ (3) जो, वह (4) वह, क्या (5) मैं, अपना, स्वयं (6) यह, मेरी

(घ) 1. जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर होता है उन्हें सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम के छः भेद होते हैं—
(i) पुरुषवाचक सर्वनाम
(ii) निश्चयवाचक सर्वनाम
(iii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(iv) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(v) निजवाचक सर्वनाम
(vi) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

2. सर्वनाम का जो रूप वक्ता, श्रोता तथा अन्य किसी व्यक्ति का बोध कराता है, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसके तीन भेद हैं—
(1) उत्तम पुरुष, (2) मध्यम पुरुष, (3) अन्य पुरुष।

3. वे सर्वनाम शब्द जो वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से सम्बन्ध प्रकट करते हैं, उन्हें सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते

है, उदाहरण- जैसी करनी, वैसी भरनी इस उदाहरण में सर्वनामों के बीच सम्बन्ध प्रकट हो रहा है।

4. जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। उदाहरण- परदे के पीछे कौन बैठा है? कौन शब्द प्रश्न पूछने के लिए प्रयुक्त हुआ है, अत: यहाँ प्रश्नवाचक सर्वनाम है।

5. निज अर्थात् स्वयं। जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोगकर्ता अपने लिए करता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। उदाहरण—वह अपने कपड़े स्वयं धोता है। उपर्युक्त वाक्य में स्वयं शब्द का प्रयोगकर्ता अपने लिए कर रहा है, इसलिए निजवाचक सर्वनाम है।

6. जो सर्वनाम किसी पास अथवा दूर की वस्तु या व्यक्ति का एक निश्चित बोध कराए उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जबकि जो सर्वनाम किसी पास अथवा दूर की वस्तु या व्यक्ति का निश्चित बोध न कराए उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

(ङ) (1) मुझे भूख लगी है।
(2) जल्दी से मुझे गाना सुना दो।
(3) इस बारे में आप कुछ नहीं जानते।
(4) आप अपना काम स्वयं कीजिए।

(च) (1) (ब) संज्ञा के स्थान पर
(2) (द) कौन
(3) (ब) पुरुषवाचक
(4) (अ) स्वयं के लिए
(5) (स) संबंधवाचक सर्वनाम

आओ कुछ करें

- मैं, मैंने, मुझे, हम, हमें, मेरा सर्वनाम शब्द का प्रयोग हम अपने लिए करते हैं।
- तुम, तू, तुम्हें, तुझे, तुम लोग, आप लोग, आपको, आपने।

5. कारक

मौखिक

(क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ इनका सम्बन्ध पता चलता है, उसे कारक कहते हैं।

(ख) कारक के आठ भेद हैं- कर्त्ताकारक, कर्मकारक, करण कारक, सम्प्रदान कारक, अपादान कारक, सम्बन्ध कारक, अधिकरण कारक तथा संबोधन कारक।

लिखित

(क) (1) ✓ (2) × (3) ✓ (4) × (5) ×

(ख) (1) फूल की सुन्दरता देखो।
(2) बगीचे में सुंदर फूल खिले हैं।
(3) दीवार पर मत चढ़ो।
(4) विनय की माताजी बीमार हैं।
(5) वह गाड़ी से चंडीगढ़ गया।
(6) सचिन रजत के लिए उपहार लाया।
(7) कृतिका को बुखार है।

(ग) (1) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य में दूसरे शब्दों के साथ इनका सम्बन्ध पता चलता है, उसे कारक कहते हैं। कारक के आठ भेद हैं- कर्ता कारक, कर्म कारक, करण कारक, सम्प्रदान कारक, अपादान कारक, सम्बन्ध कारक, अधिकरण कारक तथा संबोधन कारक।

(2) जिस शब्द पर कर्ता द्वारा किये जाने वाले कार्य का प्रभाव पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। इसका परसर्ग को है। उदाहरण— (1) रोहन बाजार जा रहा है। (2) कल्पना ने गाय को रोटी खिलाई। इन वाक्यों में 'बाजार' कर्म कारक तथा गाय में भी कर्म कारक है। पहले वाक्य में कोई परसर्ग नहीं है जबकि दूसरे वाक्य में 'को' परसर्ग है। अत: कर्मकारक को परसर्ग सहित तथा बिना परसर्ग के भी प्रयोग किया जाता है।

(3) **अपादान कारक**- जिन शब्दों में किसी वस्तु या व्यक्ति का अलग होना पाया जाए, उसे अपादान कारक कहते हैं। इसका परसर्ग 'से' है। उदाहरण- पेड़ से पत्ते गिरते हैं।

संबंध कारक- जो शब्द वाक्य में आए अन्य शब्दों से संबंध बताते हैं, उन्हें संबंध कारक कहते हैं। इसके परसर्ग का, की, के तथा रा, री, रे हैं।

उदाहरण- यह पेन रुचि का है।

(घ) (1) परसर्ग - में
कारक - अधिकरण कारक

(2) परसर्ग - पर
कारक - अधिकरण

(3) परसर्ग - सहित
कारक - कर्म कारक

(4) परसर्ग - से (अलग होकर)
कारक - अपादान कारक

(ङ) (1) (स) सम्बोधन कारक

(2) (ब) करण कारक

(3) (स) संप्रदान कारक

(च) (i) (अ) को (ii) (स) से
(iii) (स) से (iv) (स) ने
(v) (ब) में

आओ कुछ करें

आगरा। विश्व साहित्य **के** महाकुंभ **में** हिंदी **का** नव आकर्षण एक नए युग **का** सूत्रपात कर रहा है। दिल्ली के प्रगति मैदान में लगे विश्व पुस्तक मेले **में** दुनियाभर **के** प्रख्यात साहित्यकारों **के** बीच ताजनगरी की साहित्य साधिकाओं **की** लेखन तपस्या नया सुनहरा दौर लिख रही है।

मेले **में** देश-दुनिया **से** आ रहे हिंदी साहित्य **के** दीवाने लेखिकाओं की पुस्तकों को काफी पसंद कर रहे हैं। दुनियाभर के पब्लिशर्स की ओर से भारत सरकार **के** पुस्तकों के संसार **में** शहर का दोहा, कहानी, कविता, गजल, छंद बेइंतहा खुशबू बिखेर रहे हैं। खासतौर से युवाओं **को** हिंदी साहित्य साधिकाओं की लेखनी खूब पसंद आ रही है। बचपन **से** लेखन जिन लेखिकाओं का पहला प्यार रहा, उन सभी **की** पुस्तक विश्व पुस्तक मेले **में** युवा दिलों **के लिए** खास बनी हुई है।

6. विशेषण

मौखिक

(क) जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं।

(ख) विशेषण के चार भेद होते हैं।

लिखित

(क) (1) ✗ (2) ✓ (3) ✗ (4) ✗ (5) ✗

(ख) (1) बारह (निश्चित संख्यावाचक विशेषण)।

(2) काले-काले (गुणवाचक विशेषण)।

(3) लाल (गुणवाचक विशेषण)।

(4) कुछ (अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण)।

(ग)

	विशेष्य	**विशेषण**
(1)	साँप	जहरीला
(2)	दुकानदार	ईमानदार
(3)	सैनिक	वीर
(4)	विद्यालय	उत्तम

(घ) (1) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। इसके चार भेद हैं—

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण
4. परिमाणवाचक विशेषण

(2) संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, आकार, स्थान, रंग, स्वभाव आदि का बोध कराने वाले शब्दों को गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

चार गुणवाचक विशेषणों के नाम हैं-

1. गुणबोधक - दयालु, दानी, वीर, उदार।

2. दोषबोधक- कपटी, झूठा, बुरा, कायर।

3. आकारबोधक - ऊँचा, मोटा, गोल, पतला।

4. स्थानबोधक - भारतीय, जापानी, अमेरिकी, शहरी।

(3) विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती हैं-

(अ) **मूलावस्था**- जब विशेषण केवल एक विशेष्य की विशेषता का बोध कराता है, तो उसे विशेषण की मूलावस्था कहते हैं। उदाहरण-

(i) वैष्णवी अच्छी लड़की है।

(ii) विशाल मेरा प्रिय मित्र है।

(iii) प्रिया मोटी है।

उपर्युक्त वाक्यों में अच्छी, प्रिय, और मोटी शब्द केवल एक विशेष्य की विशेषता बता रहे हैं, अत: यह विशेषणों की मूलावस्था है।

(ब) **उत्तरावस्था**- जब विशेषण द्वारा दो वस्तुओं या व्यक्तियों की तुलना की जाती है, तो उसे विशेषण की उत्तरावस्था कहते हैं। उदाहरण-

(i) वैष्णवी तुमसे अधिक सुन्दर है।

(ii) अतुल राम का विशाल से अधिक प्रिय मित्र है।

(iii) प्रमिला प्रिया से अधिक मोटी है।

वाक्यों में अधिक सुंदर, अधिक, प्रिय, अधिक मोटी शब्दों से विशेष्यों के बीच तुलना हो रही है। अत: यह विशेषण की उत्तरावस्था है।

(स) **उत्तमावस्था**- वह विशेषण जो किसी विशेष्य को अन्य सभी से बढ़कर बताता है, उसे विशेषण की उत्तमावस्था कहते हैं। उदाहरण—

(i) मुंबई भारत का विशालतम नगर है।

(ii) ताजमहल भारत में सुंदरतम इमारत है।

उपर्युक्त वाक्यों में विशालतम और सुन्दरतम विशेषण की उत्तमावस्थाएँ हैं।

(4) जब वह, ये, वे आदि शब्द वाक्यों में स्वतंत्र रूप से प्रयोग होते हैं तो उन्हें सर्वनाम कहते हैं, किन्तु जब ये शब्द वाक्य में संज्ञा से पहले आते हैं तो इन्हें संकेतवाचक विशेषण या सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। उदाहरण—

(1) वह बीमार है। वह सर्वनाम है।

(2) वह व्यक्ति बीमार है। वह सार्वनामिक विशेषण है।

पहले वाक्य में 'वह' शब्द स्वतंत्र रूप में प्रयुक्त हुआ है, जबकि दूसरे वाक्य में संज्ञा से पहले प्रयोग हो रहा है। अत: पहले वाक्य में 'वह' शब्द सर्वनाम तथा दूसरे वाक्य में सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण है।

(ङ) (क) तरबूजों की सघन बेलें बहुत लुभावनी लग रही थीं।

(ख) धूप अपनी चरम सीमा पर थी।

(ग) बेलों के बीच पाँच-पाँच सेर के तरबूज लग रहे थे।

(घ) तोते अपनी लाल नुकीली चोंच से फल कुतर-कुतर कर खा रहे थे।

(च) (1) (स) इस बर्तन में थोड़ा दूध और डालो।

(2) (अ) अच्छा।

(3) (अ) किसी के गुण, दोष व आकार को।

(4) (स) संज्ञा से पहले सर्वनाम शब्द।

आओ कुछ करें

	विशेषण	**विशेष्य**
•	स्वच्छ	जल
	गहरा	कुआँ
	कपटी	मित्र
	दैनिक	पत्रिका
	ढेर-सा	अनाज
	भारी	गठरी

•	संज्ञा	विशेषण
	व्यापार	व्यापारिक
	भारत	भारतीय
	लोभ	लोभी
	दान	दानी
	लालच	लालची
	रूस	रूसी

7. क्रिया

मौखिक

(क) क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं।

(ख) क्रिया के दो भेद हैं–

(i) अकर्मक क्रिया (ii) सकर्मक क्रिया।

लिखित

(क) (1) ✓ (2) ✓ (3) ✓ (4) ×

(ख) बोल – बोलना, बोलेगा, बोलेगी।

जा – जाऊँगा, जाओ, जाना।

पढ़ – पढ़ना, पढ़ा, पढ़े।

बैठ – बैठना, बैठूँगा, बैठो।

(ग) (1) गौरव पढ़ता है।

गौरव पुस्तक पढ़ता है।

(2) राजा गाता है।

राजा गाना गाता है।

(3) मोनू खाता है।

मोनू खाना खाता है।

(4) दीपेश खेलता है।

दीपेश क्रिकेट खेलता है।

(घ) (1) किसी काम के होने या करने का बोध कराने वाले शब्दों को क्रिया कहते हैं। उदाहरण–

1. मोहन पत्र लिख रहा है।

2. वैभव खाना खा रहा है।

3. चिड़ियाँ उड़ रही हैं।

इन वाक्यों में लिख रहा है, खा रहा है, उड़ रही है आदि शब्दों से किसी-न-किसी कार्य के होने का बोध हो रहा है, इसे क्रिया कहते हैं।

(2) जिन वाक्यों में क्रिया के साथ कर्म भी होता है, उन क्रियाओं को सकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे- शिखा गीत गाती है।

एककर्मक क्रिया– जिन क्रियाओं में केवल एक कर्म होता है, एक-कर्मक क्रिया कहलाती है। उदाहरण-

1. मदारी खेल दिखा रहा है।

2. तितलियाँ फूलों पर बैठी हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में दिखा रहा है तथा बैठी हैं क्रियाओं में एक-एक कर्म खेल तथा फूल हैं, इन्हें एककर्मक क्रियाएँ कहते हैं।

द्विकर्मक क्रिया–वे क्रियाएँ जिनमें दो कर्म होते हैं उन्हें द्विकर्मक क्रिया कहते हैं। उदाहरण-

1. खुशबू ने भिखारी को खाना दिया।

2. प्राची ने श्रेया को उपहार दिया।

उपर्युक्त वाक्यों में खाना दिया तथा उपहार दिया क्रियाओं के साथ क्रमशः दो-दो कर्म भिखारी और खाना तथा श्रेया और उपहार हैं, इन्हें द्विकर्मक क्रियाएँ कहते हैं।

(3) वाक्य में अकर्मक क्रिया की पहचान करने के लिए क्या से प्रश्न करते हैं। यदि कोई उत्तर प्राप्त न हो तो क्रिया अकर्मक क्रिया कहलाती है। जैसे– वंदना रोती है।

प्रश्न - वंदना क्या रोती है?

उत्तर- कोई उत्तर नहीं।

उपर्युक्त वाक्य में क्या प्रश्न करने पर कोई उत्तर नहीं मिल रहा है। अतः वाक्य में रोती है, अकर्मक क्रिया है।

(ङ)

	अकर्मक	सकर्मक
(क)	चलना	चलाना
(ख)	उठना	उठाना
(ग)	गाना	गाना
(घ)	हँसना	हँसाना

(ङ) सोना सुलाना

(च) जलना जलाना

(च) 1. (स) जब काम का करना या होना पाया जाय।

2. (द) सकर्मक।

3. (द) पढ़ता है।

4. (अ) दौड़ता है।

आओ कुछ करें

बालक लिख रहा है।

बालिका रोती है।

बालक पानी पीता है।

8. उपसर्ग

मौखिक

(क) वे शब्दांश, जो किसी शब्द के आरम्भ में लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं। जैसे— उप + कार = उपकार।

(ख) शब्द में उपसर्ग का प्रयोग आरम्भ में होता है।

लिखित

(क) उपसर्ग किसी शब्द के आरम्भ में जोड़े जाते हैं।

(ख) किसी शब्द में उपसर्ग जोड़ने पर उसके अर्थ में परिवर्तन आ जाता है।

(ग) अनु, अव, उप, निर्।

(घ) (i) पराजय – परा + जय

(ii) सुमार्ग – सु + मार्ग

(iii) आहार – आ + हार

(iv) प्रतिदिन – प्रति + दिन

(ङ) (i) अज्ञान – अ + ज्ञान

(ii) विदेश – वि + देश

(iii) अपमान – अप + मान

(iv) प्रचार – प्र + चार

(च) (i) खुशदिल – खुश + दिल

(ii) दुर्गम – दुर् + गम

(iii) दुस्साहस – दुः + साहस

(iv) पराजय – परा + जय

(छ) (1) (द) परास्त।

(2) (द) अवस्था।

(3) (अ) परा।

(4) (i) (अ) अप।

(ii) (स) अति।

(iii) (ब) कु।

(iv) (द) बद।

(5) (i) (ब) उत्कर्ष, (स) उच्चारण।

(ii) (स) कुपुत्र।

(iii) (स) (अ), (ब), (स)

(iv) (स) निराशा।

आओ कुछ करें

(i) अव – अवगुण, अवशेष

(ii) अध – अधनंगा, अधबुझी

(iii) आ – आजीवन, आगमन

(iv) पर – परोपकार, परसर्ग

(v) स्व – स्वजन, स्वराज

9. प्रत्यय

मौखिक

1. वे शब्द जिनका अलग से कोई अर्थ नहीं होता, परन्तु किसी अन्य शब्द के पीछे जोड़ दिए जाने पर वे उनके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।

2. प्रत्यय का स्वयं में कोई अर्थ नहीं होता है।

लिखित

(क) प्रत्यय को किसी शब्द में अन्त में जोड़ा जाता है।

(ख) किसी शब्द में प्रत्यय जुड़ने पर उसके अर्थ में परिवर्तन आ जाता है।

(ग) अक, इक, ईक, पूर्वक।

(घ) (i) अज्ञान + ता = अज्ञानता

(ii) प्रभावशील + ता = प्रभावशीलता

(iii) प्रौढ़ + ता = प्रौढ़ता

(iv) कोमल + ता = कोमलता

(ङ) (i) उद्योग + इक = औद्योगिक

(ii) समाज + इक = सामाजिक

(iii) धर्म + इक = धार्मिक

(iv) नीति + इक = नैतिक

(च) (i) दया + मय = दयामय

(ii) शान्ति + मय = शान्तिमय

(iii) प्रेम + मय = प्रेममय

(iv) आनंद + मय = आनंदमय

(छ) (1) (i) आऊ

(2) (ii) आहट

(3) (iv) फलवाला

आओ कुछ करें

- (i) संन्यास + ई = संन्यासी

  (ii) विदेश + ई = विदेशी

  (iii) अंग्रेज + ई = अंग्रेजी

  (iv) अपराध + ई = अपराधी

  (v) विलायत + ई = विलायती

- (i) आदर + पूर्वक = आदरपूर्वक

  (ii) उत्साह + पूर्वक = उत्साहपूर्वक

  (iii) सम्मान + पूर्वक = सम्मानपूर्वक

  (iv) विनय + पूर्वक = विनयपूर्वक

10. विपरीतार्थी और पर्यायवाची शब्द

मौखिक

(क) विपरीतार्थी शब्द का अन्य नाम विलोम शब्द है।

(ख) पर्यायवाची शब्द को समानार्थक शब्द भी कहते हैं।

लिखित

(क) (1) ✓ (2) ✗ (3) ✓ (4) ✓

(ख) चतुर - प्रवीण, होशियार, दक्ष

गणेश- गणपति, गजानन, विनायक

सूर्य - भानु, भास्कर, दिवाकर

गंगा- भागीरथी, मंदाकिनी, देवनदी

हिमालय- गिरीश, शैलेश, नगेश।

(ग) (1) सदैव लाभ की चिंता में डूबे व्यक्ति को अक्सर हानि ही उठानी पड़ती है।

(2) आदि से अंत तक उसकी यही प्रवृत्ति रही।

(घ)

शब्द	विलोम शब्द
मितव्ययी	अपव्ययी
आयात	निर्यात
दिन	रात
श्वेत	श्याम
सरस	नीरस

(ङ) (1) जो शब्द एक-दूसरे का विपरीत अर्थ बताते हैं, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं। जैसे— रात-दिन।

(2) पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग तब किया जाता है जब शब्द दिए गए किसी वाक्य में एक-दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त हो सकें और वाक्य के अर्थ में कोई परिवर्तन न आए। उदाहरणार्थ-

- मेरे पास एक सुन्दर गुड़िया है।
- मेरे पास एक खूबसूरत गुड़िया है।

(च) (1) (स) वृद्ध।

(2) (अ) कृष्ण।

(3) (अ) हिमालय।

(4) (अ) दिवस।

(5) (अ) बाण।

आओ कुछ करें

- सत्य — असत्य

  खोना — पाना

  अन्याय — न्याय

  (1) असत्य को सत्य से जीता जा सकता है।

  (2) जीवन में खोना-पाना लगा रहता है।

  (3) न्याय के लिए अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

- अमृत- सोम, पीयूष, सोमरस।
  सूर्य - भानु, भास्कर, दिवाकर।

11. मुहावरे व लोकोक्तियाँ

मौखिक

(क) मुहावरे का शाब्दिक अर्थ है— बातचीत।

(ख) मुहावरा अरबी भाषा का शब्द है।

(ग) लोकोक्ति का अर्थ है- लोगों के द्वारा कही गई उक्ति।

(घ) लोकोक्ति अपने आप में एक पूर्ण वाक्य होती है।

लिखित

(क) (1) ✓ (2) × (3) ✓ (4) × (5) ✓

(ख)

उँगली उठाना	—दोष लगना
हाथ मलना	—पछताना
कमर टूट जाना	—हिम्मत टूट जाना
बलि का बकरा बनना	—निर्दोष को दोषी ठहरना
रंग उड़ना	—चेहरा फीका पड़ना

(ग) (1) **फूट-फूट कर रोना** - बहुत रोना।
वाक्य - अपने पिता की मृत्यु का समाचार सुनकर वह फूट-फूट कर रोया।

(2) **टका-सा जवाब देना**- साफ मना करना।
वाक्य- प्रियंका के मदद माँगने पर शशि ने टका-सा जवाब दे दिया।

(3) **नाक में दम करना**- बहुत तंग करना।
वाक्य- बच्चों ने कक्षा में शोर मचाकर अध्यापक की नाक में दम कर दिया।

(4) **माथा-पच्ची करना**- सिर खपाना।
वाक्य- गणित के प्रश्नों में बहुत माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

(5) **आँखों में धूल झोंकना**- धोखा देना।
वाक्य- चोर पुलिस की आँखों में धूल झोंककर भाग खड़े हुए।

(घ) (1) **एक पंथ दो काज**- दोहरा लाभ।
वाक्य- मैं परीक्षा देने उज्जैन जा रहा हूँ, साथ ही महाकाल मन्दिर भी देख लूँगा। इसको कहते हैं- एक पंथ दो काज।

(2) **जैसी करनी, वैसी भरनी**- जैसा काम, वैसा फल।
वाक्य- तुम पढ़े नहीं इसलिए अनुत्तीर्ण हो गए। किसी ने सच कहा है- जैसी करनी, वैसी भरनी।

(3) **साँच को आँच नहीं**- सच को डर नहीं।
वाक्य- मैं सब कुछ स्पष्ट बता दूँगा मुझे इसमें घबराने की कोई जरूरत नहीं है। कहा भी गया है कि साँच को आँच नहीं।

(4) **एक अनार सौ बीमार**- एक ही वस्तु के अनेक इच्छुक होना।
वाक्य- रवि के घरवाले एक बेहद आरामदायक कुर्सी लाए, जिस पर सभी लोग बैठना चाहते हैं। यह तो वही बात हुई कि एक अनार सौ बीमार।

(5) **अजगर के दाता राम**- आलसी दूसरों पर आश्रित रहते हैं।
वाक्य- तुम कुछ करते तो हो नहीं फिर भी पेट भर लेते हो। सच है— अजगर के दाता राम।

(ङ) (1) जो वाक्यांश अपने शाब्दिक अर्थ से पृथक एक विशेष अर्थ का बोध कराएँ, मुहावरे कहलाते हैं। उदाहरण- रंग उड़ना वाक्यांश का सामान्य अर्थ किसी वस्तु का रंग हल्का पड़ना है, परन्तु इसका एक विशेष अर्थ चेहरा फीका पड़ना है, ऐसे वाक्यांश को मुहावरा कहते हैं।

(2) लोगों के द्वारा कही गई उक्ति अथवा कहावत को लोकोक्ति कहते हैं। उदाहरण— जैसी करनी, वैसी भरनी इसका अर्थ है- जैसा काम, वैसा फल।

(च) (1) (द) अत्यधिक प्रसन्न होना।

(2) (द) इंकार करना।

(3) (ब) मूर्ख को उपदेश देना।

(4) (स) क्रोधित होना।

(5) (द) कोरा बाहरी दिखावा।

(6) (ब) अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता।

(7) (स) शारीरिक बल से बुद्धिबल श्रेष्ठ होता है।

(8) (अ) अपना अपराध न मानकर पूछने वाले को ही डाँटना।

(9) (द) बहुत प्रयत्न करने पर कम लाभ होना।

(10) (ब) कार्य में संयोगवश मिली सफलता।

आओ कुछ करें

- गले लगाना – प्यार करना।

1. मुँह उतरना – उदास होना।
2. नाक रगड़ना – माफी माँगना।
3. अंग-अंग ढीला होना – बहुत थक जाना।
4. आँखों में धूल झोंकना- धोखा देना।
5. हाथ मलना – पछताना।

- छात्र अपनी दादी/नानी की सहायता से करें।

रचना

1. पत्र-लेखन

मौखिक

(क) प्रेम, क्रोध, जिज्ञासा, प्रार्थना, आदेश, निमंत्रण आदि अनेक भावों को व्यक्त करने के लिए पत्र लिखा जाता है।

(ख) व्यक्ति जिन बातों को मौखिक रूप से कहने में संकोच करता है, हिचकिचाता है, उन सभी बातों को खुलकर वह पत्र के माध्यम से लिखित रूप में अभिव्यक्त करता है अर्थात् पत्र के द्वारा व्यक्ति अपनी बातों को दूसरों तक लिखकर पहुँचाता है।

(ग) पत्र दो प्रकार के होते हैं-

(1) औपचारिक पत्र

(2) अनौपचारिक पत्र

(घ) व्यापार या व्यावसायिक विषयों पर लिखे जाने वाले पत्र को व्यावसायिक पत्र कहते हैं।

(ङ) पत्र की भाषा विनम्र, स्पष्ट और सुसंगत होनी चाहिए।

लिखित

(क) (1) ✓ (2) × (3) × (4) × (5) ✓

1. सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय

विवेकानन्द विद्यालय, ग्वालियर।

विषय- विद्यालय स्थानांतरण प्रमाण पत्र हेतु प्रार्थना-पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मेरे पिताजी का तबादला वाराणसी हो गया है, हम लोग अगले महीने ही वहाँ जा रहे हैं। वहाँ मुझे दूसरे विद्यालय में प्रवेश लेना पड़ेगा, जिसके लिए मुझे स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टी.सी.) की आवश्यकता होगी।

आप इसे जल्द-से-जल्द दिलवाने का कष्ट करें। आपकी अति कृपा होगी।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

अंबर शर्मा

कक्षा-पाँचवीं

दिनांक: 1-10-20--

2. सेवा में,

श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदय

विवेकानन्द विद्यालय, ग्वालियर।

विषय-शुल्क माफी के सम्बन्ध में पत्र।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में पाँचवीं कक्षा का छात्र हूँ। मेरे माता-पिता बहुत गरीब हैं और परिवार का भरण-पोषण करने के लिए किसी तरह दूसरों के खेतों में काम करते हैं। इस वजह से वे मेरी विद्यालय की फीस नहीं भर पा रहे हैं। इसलिए महोदय जी मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मेरा शुल्क माफ करने की कृपा करें।

मैं आपका सदा आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

अभय शर्मा

कक्षा पाँचवीं

दिनांक: 1-10-20--

3. 205 राधा नगर,

ग्वालियर।

दिनांक: 1-10-20--

प्रिय मित्र अरुण,

कल ही तुम्हारा पत्र मिला। यह पढ़कर बहुत खुशी हुई कि तुमने निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मैं तो जानता था कि तुम जैसा मेहनती छात्र अवश्य ही प्रथम स्थान प्राप्त करेगा। मेरे माता-पिता भी तुम्हारी इस सफलता पर बहुत खुश हैं। मेरी ओर से

अपनी इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई स्वीकार करो। मैं कामना करता हूँ कि तुम अगली बार भी इसी प्रकार सफलता प्राप्त करोगे। मैं एक बार फिर तुम्हें बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र

अर्पित शर्मा

आओ कुछ करें

105 कृष्णा कॉलोनी

ग्वालियर

दिनांक: 1-5-20--

आदरणीय चाचाजी

चरण स्पर्श,

मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी वहाँ अच्छे होंगे। आज मेरी परीक्षा का परिणाम आया है और आपको जानकर बहुत खुशी होगी कि मैंने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह सब आपके ही आशीर्वाद का परिणाम है। चाचीजी को प्रणाम और छोटों को प्यार।

आपका भतीजा

अभय शर्मा

2. संवाद-लेखन

मौखिक

(क) संवाद का अर्थ है- आपस में बातचीत करना।

(ख) संवाद लेखन का प्रमुख गुण स्वाभाविकता है।

(ग) भाषा-शैली पात्र की स्थिति के अनुरूप होनी चाहिए। संवाद कथन की शैली प्रभावशाली व सटीक होनी चाहिए।

लिखित

(क) मोबाइल के दुरुपयोग पर संवाद

किशन - सुप्रभात अरुण! कैसे हो?

अरुण - सुप्रभात किशन, मैं अच्छा हूँ। तुम कैसे हो?

किशन - मैं भी अच्छा हूँ। आजकल एक प्रोजेक्ट में व्यस्त हूँ।

अरुण - अच्छा किस प्रकार का प्रोजेक्ट है तुम्हारा?

किशन - प्रोजेक्ट की विषय-वस्तु है– मोबाइल का दुरुपयोग।

अरुण - आजकल मोबाइल का दुरुपयोग इतना बढ़ गया है कि लोग मोबाइल के कारण अपनी जान तक गँवा रहे हैं।

किशन - मोबाइल देखने के कारण छात्रों के परीक्षा में नम्बर कम आ रहे हैं और आँखें भी कमजोर हो रही हैं।

अरुण - सच तो यह है कि मोबाइल एक जादू की पुड़िया बनाकर बेचा जा रहा है मानो वह आपकी सारी समस्याओं को समाप्त कर देगा।

किशन - अवश्य मित्र! तुम्हारे बिना मेरा प्रोजेक्ट पूरा नहीं हो सकता।

अरुण - बिल्कुल ! हमें शीघ्र इस मोबाइल के दुरुपयोग से मुक्त होना होगा।

(ख) हिन्दी शिक्षक की विशेषताओं के विषय में वार्तालाप

रवि - मित्र! हमारे हिन्दी के शिक्षक कितना अच्छा पढ़ाते हैं। तुम्हारी उनके बारे में क्या राय है?

राम - मुझे भी अपने हिन्दी के नए शिक्षक बहुत अच्छे लगे। मैं तो उनकी कक्षा का बेसब्री से इन्तजार करता हूँ।

रवि - अच्छा तुम्हें उनमें ऐसा क्या खास लगा?

राम - सबसे पहली बात तो यह कि वे अपने विषय के पूर्ण जानकार हैं। दूसरा यह कि उनके पढ़ाने का तरीका भी बहुत प्रभावशाली है।

रवि – हाँ मित्र! पहले तो मैं हिन्दी के नाम से ही डरता था, लेकिन अब मुझे हिन्दी समझ आने लगी है।

राम – मित्र मुझे तो पहले हिन्दी पढ़ना अच्छा नहीं लगता था। इनका हिन्दी पढ़ाने का तरीका इतना अच्छा है कि पढ़ाया हुआ अच्छी तरह समझ में आ जाता है, अब मेरे हिन्दी में अच्छे नम्बर आने लगे हैं।

रवि – मुझे तो सभी कहने लगे हैं कि तुम हिन्दी किससे सीख रहे हो?

राम – हाँ मित्र! अब तो मैं भी हिन्दी के दोहे सही बोलने लगा हूँ।

(ग) अपने भविष्य की योजना बनाते दो छात्रों के मध्य हुए संवाद का वर्णन

रवि – तुम्हें कौन-सा विषय पढ़ना अच्छा लगता है?

कृष्णा – विज्ञान

रवि – क्यों? गणित में क्या कमी है?

कृष्णा – बात कमी की नहीं है, दरअसल मैं बड़ा होकर एक डॉक्टर बनना चाहता हूँ। तुमने क्या सोचा है?

रवि – मैं तो गणित का शिक्षक बनाना चाहता हूँ।

कृष्णा – तुमने बहुत अच्छा सोचा है। मैंने देखा है कि तुम्हारी गणित में बहुत रुचि है।

रवि – धन्यवाद! क्या मैं जान सकता हूँ कि तुम डॉक्टर ही क्यों बनना चाहते हो?

कृष्णा – क्योंकि एक डॉक्टर सबका इलाज करता है, लोगों के दुख-दर्द दूर करता है। मैं भी बड़ा होकर बीमार लोगों की सहायता करना चाहता हूँ।

रवि – तुम्हारे बहुत ही अच्छे विचार हैं। ईश्वर तुम्हें सफलता दे।

(घ) माँ - पुत्र के बीच हुए वार्तालाप का संवाद

माता – देवेन्द्र ! क्या कर रहे हो पुत्र?

देवेन्द्र – पाठ पढ़ रहा हूँ, माँ।

माता – नाश्ता कर लिया?

देवेन्द्र – हाँ माँ, दूध पी लिया।

माता – बेटा! अभी तुम्हें बाजार जाना है।

देवेन्द्र – माँ बाजार से क्या लाना है?

माता – बेटा! बाजार से तुम नमक, चीनी, चावल, गुड़ और दाल ले आओ।

देवेन्द्र – ठीक है, माँ! मैं अभी जाता हूँ।

आओ कुछ करें

माँ – बेटा! तुम इतनी देर तक सोते रहोगे तो स्कूल जाने में देरी हो जायेगी।

पुत्र – क्या माँ? आप थोड़ा और सोने दो।

माँ – नहीं बेटा, मैं तुमको सचेत कर रही हूँ कि स्कूल का समय बदल गया है।

पुत्र – माँ! आपका कहने का क्या आशय है?

माँ – बेटा, अब स्कूल जल्दी का हो गया है।

पुत्र – माँ मैं तो भूल ही गया था, मैं अभी उठकर तैयार होता हूँ।

माँ – बेटा ! उठकर तैयार होकर सही समय पर स्कूल पहुँचो।

पुत्र – ठीक है, माँ।

3. सार्थक शब्द निर्माण एवं वाक्यों में प्रयोग

मौखिक

(क) जिन शब्दों का कुछ-न-कुछ अर्थ हो वे शब्द सार्थक शब्द कहलाते हैं। जैसे– रोटी, पानी, ममता, डंडा आदि।

(ख) वाक्य सार्थक शब्द-समूह का विन्यास होता है, जिसमें अर्थ एवं भाव की पूर्णता होती है।

लिखित

(क) (1) राम (2) सीता (3) शौक (4) कमल (5) असीम (6) राजा (7) अभी।

(ख) (i) **विद्यालय** - सीता **विद्यालय** जाती है।

(ii) **पेड़** - **पेड़** पर फल लगे हैं।

(iii) **मेहनत** - **मेहनत** का फल मीठा होता है।

(iv) **पुस्तक** - राम **पुस्तक** पढ़ता है।

(ग) (1) लाल (2) रोज (3) लटक (4) रोम (5) सजना (6) लट (7) हँस

(घ) (i) **मकान**- राम अपने घर के **मकान** में रहता है।

(ii) **पिताजी** - राम के **पिताजी** डॉक्टर हैं।

(iii) **पुस्तक** - सीता पुस्तक पढ़ती है।

(iv) **काम** - रामू विद्यालय का **काम** कर रहा है।

(ङ) (1) किताब (2) महल (3) हल (4) नाद (5) चिता (6) नाक

(च) (i) **पृथ्वी** - पृथ्वी **गोल** है।

(ii) **काम** - माँ घर का **काम** कर रही है।

(iii) **ग्वालियर** - **ग्वालियर** मध्यप्रदेश में है।

(iv) **अपना** - **अपना** कार्य स्वयं करना चाहिए।

(छ) (1) सात (2) सार्थक (3) जगत (4) कली (5) हँसा (6) अर्थ

(ज) (i) **रुचिकर** - तुम्हारा भोजन **रुचिकर** लगा।

(ii) **उत्तर** - तुम्हारा **उत्तर** सही है।

(iii) **खाना** - मेरी माँ अच्छा **खाना** बनाती है।

(iv) **रास्ता** - यह **रास्ता** दिल्ली को जाता है।

आओ कुछ करें

- (i) मदन (ii) महेश (iii) सारस (iv) लता (v) ममता (vi) नर।
- (i) **हथियार** - पुलिस को चोर के पास से कोई **हथियार** नहीं मिला।

(ii) **बीड़ा**- प्रधानमंत्री मोदी जी ने भारत को विश्व पटल पर महाशक्ति के रूप में उभारने का **बीड़ा** उठा लिया है।

(iii) **निरर्थक** - तुम तो **निरर्थक** बात करते हो।

(iv) **दौरा** - नेताजी **दौरा** कर रहे हैं।

- (i) **मिट्टी** - हमें अपने देश की **मिट्टी** से प्यार है।

(ii) **विज्ञान**- आज **विज्ञान** की परीक्षा थी।

(iii) **मोटर साइकिल** - राम ने नयी **मोटर साइकिल** खरीदी।

(iv) **गंगा** - **गंगा** का जल पवित्र होता है।

4. कहानी-लेखन

मौखिक

(क) कहानी की भाषा सरल तथा स्पष्ट होनी चाहिए।

(ख) कहानी-लेखन करते समय निम्न सावधानियाँ रखनी चाहिए-

(1) कहानी की भाषा सरल तथा स्पष्ट होनी चाहिए।

(2) कहानी की घटनाएँ क्रमबद्ध होनी चाहिए।

(3) कहानी रोचक होनी चाहिए।

(4) वाक्य छोटे-छोटे तथा क्रमबद्ध होने चाहिए।

(5) कहानी शिक्षाप्रद होनी चाहिए।

(6) कहानी का उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए।

लिखित

(क) **(1) बुद्धिमान यात्री**

एक यात्री घोड़े पर सवार होकर कहीं जा रहा था। एक जंगल को पार करते समय उसे थकान महसूस होने लगी। इसलिए वह घोड़े से नीचे उतरा और एक छायादार पेड़ के नीचे लेट गया। उसे नींद आ गई। उसका घोड़ा वहीं पास में घास चरने लगा।

कुछ घंटों बाद यात्री उठा तो उसने देखा कि उसका घोड़ा वहाँ नहीं है। उसने चारों ओर ढूँढ़ा लेकिन उसे घोड़ा नहीं मिला। तब उसने अपना मोटा डंडा उठाया और घोड़ा-चोर को ढूँढ़ने लगा। घोड़े को ढूँढ़ते-ढूँढ़ते वह पास के गाँव में पहुँच गया। वहाँ पर उसने अपना डंडा घुमाते हुए चिल्लाकर कहा ''मेरा घोड़ा किसने चुराया है? जिसने भी ये काम किया है वह मेरा घोड़ा लौटा दे अन्यथा मैं वही करूँगा जो मैंने पिछली बार किया था।'' चोर उसी गाँव का था। उसकी बात सुनकर चोर डर गया और तुरंत घोड़ा ले आया। वह यात्री के सामने हाथ जोड़कर बोला—''मुझे माफ कर दो। ये रहा तुम्हारा घोड़ा। लेकिन ये तो बताओ कि जब पिछली बार तुम्हारा घोड़ा चोरी हुआ था तब तुमने क्या किया था?'' यात्री बोला— ''कुछ भी नहीं, मैंने नया घोड़ा खरीद लिया था।'' यह कहकर वह जोर-जोर से हँसने लगा।

(2) लालची मित्र

किसी गाँव में दो मित्र रहते थे। एक बार उन्होंने किसी दूसरी जगह जाकर धन कमाने की सोची। दोनों यात्रा पर निकल पड़े। रास्ते में जंगल पड़ता था। जब वे जंगल से गुजर रहे थे तो उन्हें एक भालू अपनी ओर आता दिखाई दिया। दोनों मित्र डर गए। उनमें से एक को पेड़ पर चढ़ना आता था। वह भालू से बचने के लिए पेड़ पर चढ़ गया पर दूसरा नीचे ही रह गया। जब उसे भालू से बचने का कोई रास्ता न सूझा तो साँस बन्द करके जमीन पर लेट गया। उसने अपनी साँस को इस तरह रोक लिया मानो वह मर गया है।

भालू उसके नजदीक आया। उसने जमीन पर लेटे मित्र को सूँघा और उसे मरा हुआ जानकर चल दिया क्योंकि भालू मृत जीव को नहीं खाता। जब भालू उसकी आँखों से ओझल हो गया तो वह उठ गया और तब पेड़ पर बैठा मित्र भी नीचे उतर आया। उसने पूछा ''मित्र! मुझे बेहद खुशी है कि तुम्हारी जान बच गई पर एक बात बताओ, भालू ने तुम्हारे कान में क्या कहा?''

दूसरा मित्र अपने मित्र से पहले ही नाराज था। वह उसे उसकी गलती का एहसास कराना चाहता था इसलिए बोला, ''मित्र!'' भालू ने मुझे एक बहुत ही काम की बात कही है। उसने कहा कि ऐसे मित्र का साथ छोड़ दो जो मुसीबत के समय तुम्हारा साथ न दे और तुम्हें अकेला छोड़ जाए। अपने मित्र की बात सुनकर पहला मित्र बहुत लज्जित हुआ।

(3) हाथी और दर्जी

एक गाँव में एक दर्जी रहता था। उसी गाँव में एक हाथी भी रहता था। हाथी गाँव के पास नदी में रोजाना नहाने जाता था। रास्ते में वह उस दर्जी की दुकान को पार करके जाता था और दर्जी उसको फल खिलाता था। दोनों अच्छे मित्र बन गए। एक दिन दर्जी का मन थोड़ा खराब था। हर रोज की तरह हाथी उसकी दुकान पर आया किन्तु दर्जी ने फल देने की बजाय उसे सुई चुभा दी। हाथी को चोट लग गई और वह हैरान, परेशान रह गया। गुस्सा आया पर चुपचाप वहाँ से चला गया। वह नदी पर रोज की तरह पानी पीने पहुँच गया। वह दर्जी का बुरा बर्ताव भूल नहीं पाया। उसने अपनी सूँड़ में कीचड़ का गंदा पानी भर लिया और वापस दर्जी की दुकान पर पहुँचा। हाथी ने सारे कपड़ों पर गंदा पानी फेंक दिया। कीचड़ के पानी से दुकान में रखे सारे कपड़े गंदे हो गए तथा दर्जी भी कीचड़ में सन गया। हाथी का व्यवहार देखकर दर्जी हैरान रह गया पर उसने गुस्सा नहीं किया। दर्जी दुकान से बाहर आया और हाथी को प्यार से छुआ। उसने हाथी को कुछ फल खिलाए। हाथी और दर्जी फिर से अच्छे मित्र बन गए।

(4) शेर और चूहा

किसी जंगल में एक शेर रहता था। एक बार वह सो रहा था तभी अचानक एक चूहा शेर के पास आया। वह शेर के शरीर पर दौड़ने लगा। इससे शेर की नींद टूटी। उसे बहुत गुस्सा आया। उसने चूहे को पकड़ा। चूहा शेर से कहने लगा– ''मुझे छोड़ दो। मैं भी कभी तुम्हारी मदद जरूर करूँगा।'' शेर ने हँसकर उसे छोड़ दिया।

कुछ दिनों के बाद शेर एक शिकारी के जाल में फँस गया। चूहे ने शेर को जाल में फँसा देखा। उसने तुरन्त अपने दोस्तों को बुलाया। सभी चूहों ने मिलकर जाल को कुतर डाला। आखिर शेर जाल से मुक्त हुआ। वह बहुत खुश हुआ और उसने चूहे का आभार माना।

(5) लव और कुश

लव-कुश तमसा नदी के पास स्थित महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में अपनी माता सीता के साथ रहते थे। उनका पालन-पोषण, शिक्षा-दीक्षा वाल्मीकि की देखरेख में ही हुई थी। एक बार अयोध्या के राजा रामचंद्र जी ने अश्वमेध यज्ञ किया। इस यज्ञ के अनुसार एक घोड़े को आभूषणों से सजाकर और उसके गले में राम के अश्वमेध की सूचना देने वाला सोने का पत्र लटकाकर उसे स्वतंत्र रूप से विचरने को छोड़ दिया गया। राम की सेना पीछे-पीछे उसकी सुरक्षा के लिए चल रही थी।

एक दिन वह घोड़ा वाल्मीकि के आश्रम के पास से निकला। लव-कुश उसे देखकर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने उस घोड़े के गले में लटके पत्र को पढ़ा तो उसे आश्रम के वृक्ष से बाँध दिया। जब सीता को यह सूचना मिली तो उन्होंने आकर लव-कुश की सारी परिस्थिति को समझा और लव-कुश को समझाया कि वे घोड़े को जाने दें। अन्यथा युद्ध की स्थिति आ सकती है। लव-कुश ने इसे अपमान समझा। उन्होंने घोड़े को नहीं छोड़ा। इसके परिणामस्वरूप उनका राम की सेना के साथ युद्ध हुआ। राम की सेना को लव ने जंभकास्त्र के प्रयोग से मूर्च्छित कर दिया। राम को सूचना मिली तो वह वाल्मीकि के आश्रम में आए और उनको लव-कुश के बारे में पता चला कि वे उन्हीं के पुत्र हैं। राम ने दोनों को गले लगाया और अपने साथ अयोध्या ले गए।

(ख) एक समय की बात है, एक जंगल में एक शेर रहता था। वह बहुत निर्दयी था। वह प्रतिदिन बहुत से जानवरों को मारता था। बेचारे जानवर चिन्तित थे। एक दिन सब जानवर शेर के पास गए। उन्होंने उससे कहा कि वे उसके पास एक जानवर प्रतिदिन भेजेंगे। वह जानवर उस शेर का भोजन होगा। शेर ने यह स्वीकार कर लिया। एक दिन खरगोश की बारी थी। चतुर खरगोश ने एक योजना सोची जिससे वह शेर को मार डाले। वह देरी से पहुँचा। शेर क्रोधित हुआ। खरगोश ने कहा, एक दूसरा शेर मुझे रास्ते में मिला। वह मुझे मारना चाहता था। शेर ने कहा, मुझे दूसरे शेर के बारे में बताओ। मैं उसे मार दूँगा। खरगोश उसे एक गहरे कुएँ पर ले गया। शेर ने कुएँ के अन्दर झाँका। उसने अपनी परछाईं कुएँ में देखी। वह कुएँ में कूद पड़ा और मर गया।

(ग) रामू धोबी का एक गधा था। वह उसे चरने के लिए रात में खुला छोड़ देता था। एक रात वह गधा चरते-चरते जंगल की तरफ निकल गया। जंगल में गधे की एक गीदड़ मित्रता हो गई। गधा और गीदड़ ने मिलकर खेत में बहुत सारे खरबूजे खाने की योजना बनाई। योजनानुसार वे रात को वहाँ पहुँच गये। दोनों ने पेट भरकर खरबूजे खाए। गधे ने प्रसन्न होकर कहा कि मैं एक गीत सुनाता हूँ। गीदड़ चालाक था। उसने गधे को गीत गाने को मना किया परन्तु गधे ने उसकी बात नहीं मानी। गधा जोर-जोर से गाने लगा। उसकी आवाज सुनकर किसान

वहाँ आ गया, उसने डंडे से दोनों को मार-मार कर अधमरा कर दिया।

(घ) एक बार की बात है, एक जंगल में चार गाय गहरी मित्र थीं। वे चारों गाय एक साथ मिलकर घास चरने जाती थीं। उस जंगल में एक शेर भी था जो काफी दिनों से इन चारों गायों के ऊपर नजर बनाए हुआ था। एक दिन अचानक शेर ने इन चारों गायों पर हमला बोल दिया। चारों गायों ने बिना डरे शेर से मुकाबला किया और अन्त में शेर हार मानकर वहाँ से भाग गया था। शेर को पता चल गया कि जब तक ये चारों गाय एक साथ हैं तब तक वह उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

कुछ दिन और बीते। आखिरकार एक दिन उन चारों गायों में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया और वह चारों गायें अलग-अलग रहने लगीं। अब वह घास चरने के लिए भी अलग-अलग ही जाया करती थीं। शेर को उन गायों के ऊपर हमला करने का एक अच्छा अवसर मिल गया। एक दिन उसने एक गाय को अकेले दूर जंगल में घास चरते हुए देखा और उस पर हमला किया। वह गाय तो अकेली थी और शेर से अकेले नहीं लड़ पाई और शेर ने उसे मार दिया। इसी तरह शेर ने उन चारों गायों को मार दिया और खा गया।

(ङ) एक बार देवता और दानवों में विवाद हो गया, कौन श्रेष्ठ है। देवता और दानव दोनों मिलकर ब्रह्माजी के पास गए और पूछा कि हममें से बुद्धि में कौन श्रेष्ठ है? ब्रह्माजी ने दोनों को भोजन पर बुलाया। देवता और दानवों को अलग-अलग कमरों में बैठाकर भोजन के थाल भिजवा दिए और शर्त लगा दी कि बिना कोहनी मोड़े भोजन करना है। दानवों द्वारा भोजन को उछाल-उछाल कर खाना शुरू किया। कुछ भोजन मुँह में गया कुछ भोजन ने कपड़े गन्दे कर दिए। इससे उनका पेट नहीं भरा, वह भूखे रह गये। वहीं देवताओं ने आमने-सामने बैठकर एक-दूसरे को भोजन कराया, इससे उनका पेट भर गया। भोजन के बाद ब्रह्माजी ने कहा कि देवताओं ने सहयोग की भावना से काम किया है। उन्होंने खुद भी खाया और दूसरों को भी खिलाया। दूसरी तरफ दानवों ने न तो खुद तरीके से खाया और न ही दूसरे को खाने दिया। इस प्रकार देवता ही बुद्धि में श्रेष्ठ हैं।

आओ कुछ करें

- एक छोटे से शहर में एक गरीब परिवार रहता था। इस परिवार में एक बुजुर्ग दादा, एक माँ और उनका छोटा-सा बेटा था। वे लोग अपने छोटे से घर में खुश रहते थे। एक दिन उनका बेटा खेलते हुए घर से गायब हो गया। सब जगह देखा पर वह कहीं नहीं मिला। इस कारण से माँ और दादा बहुत परेशान हो गए। उन्होंने सोचा कि उनका बेटा कहीं बाहर दूर निकल गया होगा, आ ही जायेगा पर वह वापस नहीं आया। वहाँ के लोगों ने भी ढूँढ़ने में मदद की लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। दिन बीतते गए और माँ और दादा की चिन्ता बढ़ती जा रही थी। वे उसकी याद में रोते रहे और उसकी लौटने की उम्मीद करते रहे। एक दिन अजनबी ने एक तस्वीर दिखाई उसमें उनका बेटा था। वह तस्वीर एक बड़े शहर की थी, जहाँ उनका बेटा बिक्री के लिए खिलौने बेच रहा था। यह देखकर माँ और दादा बहुत खुश हुए। उन्होंने निश्चय किया कि वे उसे वहाँ से वापस लाएँगे लेकिन उनके पास पैसे नहीं थे। वहाँ के लोगों ने बड़े शहर जाने के लिए पैसों से उनकी मदद की। शहर जाकर वे अपने बेटे को खोजते रहे। एक दिन उन्होंने अपने बेटे को खिलौने बेचते हुए देख लिया और उसे अपने साथ ले आए।
- एक बार की बात है कि गाँव में एक गरीब बूढ़ी माँ और उसका बेटा रहता था। बेटा स्कूल जाता तो अमीर घराने के बच्चे उसे साथ लेकर नहीं जाते और अकेले जाने में

उसे डर लगता था। इस पर माँ कहती कि कोई बात नहीं बेड़ी पर मोहन भाई रहते हैं, मैं उन्हें बोल दूँगी, वो तेरा ध्यान रखेंगे। असल में वहाँ मोहन नाम का कोई व्यक्ति रहता ही नहीं था। लेकिन सच्चे मन से माँ यह बात कहती तो बेटा निशिंचत होकर स्कूल जाता और बेड़ी पहुँचते ही कहता मोहन भाई मैं जा रहा हूँ। वहाँ से भगवान उसे आवाज देते कि जा बेटे डरना नहीं है, मैं यही हूँ। एक दिन स्कूल के शिक्षक ने सभी बच्चों से कहा कि मेरी माँ का श्राद्ध है, कल खीर बनायेंगे इसलिए सभी दूध लेकर आना। बेटा घर आया और माँ से बोला कि शिक्षक ने दूध लाने को कहा है तो माँ ने कहा कि मैंने मोहन भाई से बोल दिया है। तू वहाँ से दूध लेकर चले जाना। अगले दिन बेटा बेड़ी पर गया और आवाज लगाई– मोहन भाई! इतने में मोहन भाई ने दूध लाकर दे दिया और बोले कि माँ ने दूध के लिए बता दिया था। बेटा दूध से भरा लोटा उठाकर विद्यालय चला गया। स्कूल पहुँचा तो दूसरे बच्चे उस पर हँसने लगे और दूध देने नहीं दिया। शिक्षक ने कहा कि पतीला अभी बहुत खाली है, तू भी दूध डाल दे। लड़के ने अपने लोटे का दूध डाला तो पतीला भर गया और लोटा अभी भी भरा हुआ था। यह देखकर सभी अचंभित रह गए। शिक्षक ने पूछा कि दूध कहाँ से लाया था तो उसने कहा कि मोहन भाई ने दिया। यह कहकर वह वापस मोहन भाई के यहाँ आया और कहा कि मोहन भाई तुम्हारा लोटा अभी भी भरा हुआ है। तो मोहन ने कहा कि लोटा वहीं रख दे, मैं उठा लूँगा। घर आकर उसने यह बात अपनी माँ को भी बताई तो माँ ने कहा कि भगवान तेरी मदद करते हैं। मास्टर और माँ दोनों बेड़ी जाते हैं। वह मोहन को आवाज देता है तो भगवान प्रकट हो जाते हैं। तभी उन्हें देखकर शिक्षक और माँ कहती है कि तेरी वजह से आज हमें भगवान के दर्शन हो गए।

5. निबन्ध-लेखन

मौखिक

(क) 'निबंध' शब्द नि + बंध' इन दो शब्दों से मिलकर बना है जिसका अर्थ है किसी भी विषय पर सुव्यवस्थित, रचनात्मक, विचारपूर्वक और क्रमबद्ध रूप से लिखना।

(ख) किसी विषय पर स्वाभाविक रूप से अपने मन के भावों और विचारों को क्रमबद्ध रूप में लिखकर प्रकट करने वाली रचना को निबन्ध कहते हैं।

(ग) (1) निबन्ध की भाषा सरल और रोचक होनी चाहिए।

(2) वाक्य छोटे-छोटे होने चाहिए जिनका अर्थ सरलता से समझ में आ सके।

(3) निबन्ध लिखते समय उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करना चाहिए।

लिखित

(क) **गणतन्त्र-दिवस**

गणतन्त्र-दिवस हमारा एक राष्ट्रीय त्योहार है। भारत 15 अगस्त, 1947 ई0 को स्वतन्त्र हुआ था । 26 जनवरी, 1950 ई0 को भारत एक गणतन्त्र घोषित हुआ था । इसी दिन हमारा अपना संविधान लागू किया गया। उसी समय से 26 जनवरी के दिन को प्रतिवर्ष गणतन्त्र-दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन विद्यालयों तथा सरकारी कार्यालयों में अनेक कार्यक्रम और खेलकूद प्रतियोगिताएँ होती हैं ।

यह पर्व समस्त भारत में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है, परन्तु दिल्ली में इसका विशेष आकर्षण होता है। राजपथ पर गणतन्त्र-दिवस की मुख्य परेड निकाली जाती है । इसमें राष्ट्रपति राजकीय सवारी में आते हैं तथा परेड की सलामी लेते हैं। परेड में तीनों सेनाओं की टुकड़ियाँ तथा सुन्दर-सुन्दर झाँकियाँ निकलती हैं। वायुयान आकाश में उड़कर आश्चर्यजनक करतब दिखाते हैं। संध्या के समय सरकारी भवनों

पर रोशनी भी की जाती है ।

यह दिन हमें प्रेरणा देता है कि हमें अपने देश की स्वतन्त्रता और एकता की रक्षा करनी चाहिए ।

(ख) महात्मा गाँधी

भारत अनेक महापुरुषों की जन्मभूमि है। इनमें से एक नाम महात्मा गाँधी का है। इनका पूरा नाम मोहनदास करमचन्द गाँधी था। इनका जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को काठियावाड़ के पोरबन्दर नामक नगर में हुआ था। मैट्रिक पास करने के बाद ये वकालत पढ़ने के लिए इंग्लैण्ड चले गये। वहाँ से ये बैरिस्टर बनकर भारत वापस लौटे ।

भारत के स्वतन्त्रता-संग्राम में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इन्होंने अहिंसा का सहारा लेकर आन्दोलन चलाया। भारत की सम्पूर्ण जनता इनके साथ हो गई । अन्त में 15 अगस्त, 1947 ई0 को भारत स्वतन्त्र हो गया।

ये भारत के राष्ट्रपिता थे। आज ये जीवित नहीं हैं किन्तु इनकी शिक्षाएँ आज भी हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने को प्रेरित करती हैं।

(ग) पेड़ों की उपयोगिता

पेड़ पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, कार्बन का भंडारण करते हैं और सभी जीवों के कल्याण में योगदान देते हैं। पेड़ों की उपयोगिता प्रकृति का हिस्सा होने से कहीं अधिक है। वे ग्रीनहाउस गैसों को कम करके जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्रिय रूप से मदद करते हैं। इसके अलावा पेड़ हमारी त्वचा और आँखों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करते हुए हानिकारक किरणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

इन पर्यावरणीय लाभों के अलावा पेड़ मूल्यवान संसाधनों के रूप में भी काम करते हैं। वे भोजन, ईंधन और फर्नीचर बनाने और घर बनाने के लिए लकड़ी जैसी सामग्री की आपूर्ति करते हैं। इसके अतिरिक्त पेड़ हानिकारक गैसों को अवशोषित करके हवा को शुद्ध करने और पृथ्वी पर स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(घ) सदाचार

सदाचार का अर्थ है - 'अच्छा व्यवहार' । अच्छे व्यवहार वाले व्यक्ति में अनेक गुण होते हैं; जैसे- ईमानदारी, सत्य, अनुशासन आदि । सदाचारी व्यक्ति सदैव प्रसन्न रहता है । सदाचारी व्यक्ति को सभी पसंद करते हैं । सदाचारी व्यक्ति मुसीबत का धैर्य से सामना करता है । सदाचारी व्यक्ति पर सब विश्वास करते हैं । सदाचार से ही सच्ची सफलता मिलती है। सदाचारी व्यक्ति प्रत्येक काम को सहजता से कर लेता है । सदाचारी व्यक्ति निर्भय होता है। वास्तव में सदाचार सभी गुणों का आधार है ।

आओ कुछ करें

मेरा घर

अपना घर सभी को प्यारा होता है। मुझे भी अपना घर बहुत प्यारा है । हमारा घर बहुत बड़ा तो नहीं है, किन्तु सुन्दर है। हमारे घर में चार कमरे हैं। सभी कमरे हवादार हैं। इनके अलावा रसोईघर तथा स्नानघर भी हैं। मेरा सोने का कमरा अलग है। हमने अपने बैठक वाले कमरे को बहुत सुन्दर ढंग से सजाया है। यहाँ हम अपने अतिथियों का स्वागत करते हैं । घर के सामने हमने कुछ फूलों वाले पौधे भी लगा रखे हैं।

शाम को हम सब लोग अपने घर के दालान में बैठते हैं । मेरा घर सबको बहुत सुन्दर लगता है ।

●●